संकल्प परिवर्तन का

रायबरेली, शनिवार
11.05.2024
वर्षः 11
अंकः 238 पृष्ठः 08
मूल्यः 02 रूपया
स्थापितः वर्ष 2012
RNI-UPHIN/2012/46348

नवसत्ता

16वां वर्ष विश्वास का

www.navsatta.com लखनऊ व रायबरेली से एक साथ प्रकाशित तथा समस्त उत्तर भारत में प्रसारित हिन्दी दैनिक

देश के 140 करोड़ लोगों को तानाशाही के खिलाफ लड़ना होगा : केजरीवाल

तिहाड़ जेल से 39 दिन बाद बाहर आए , आज करेंगे प्रेस कॉन्फ्रेंस

अब देश अरविंद केजरीवाल का कमाल देखेगा : संजय सिंह

सुप्रीम कोर्ट से दिल्ली के सीएम और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत मिल गई है। वहीं, इस फैसले का स्वागत करते हुए आप सांसद संजय ने अब देश अरविंद केजरीवाल का कमाल देखेगा। सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिल्ली के सीएम और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को एक जून तक का अंतरिम जमानत दे दी गई। वहीं, इसको लेकर पार्टी के समर्थकों में उत्साह है। इस बीच आप सांसद संजय ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि केजरीवाल को माननीय सर्वोच्च अदालत की चुनाव के बीच प्रचार करने के लिए जमानत देने का फैसला स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि अब पूरे देश में एक सकारात्मक वातावरण बनेगा, जो अन्याय, अत्याचार और तानाशाही है देश के पीएम और बीजेपी की उसका अंत होगा।

एजेंसी

नई दिल्ली, 10 मई (नवसत्ता) तिहाड़ जेल से बाहर आने के बाद अरविंद केजरीवाल ने देश के लोगों विशेषकर दिल्ली के लोगों का शुक्रिया अदा किया। केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट के जजों को भी न्याय के लिए थैंक्स कहा। अंतरिम जमानत पर जेल से बाहर आए केजरीवाल ने लोगों से तानाशाही से मुक्ति की अपील करते हुए इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को जिताने की अपील की है। जेल से बाहर आए अरविंद केजरीवाल के स्वागत में काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों के साथ दिल्ली सीएम का स्वागत करने पहुंचे थे। अरविंद केजरीवाल के जेल से बाहर आने पर भारी संख्या में कार्यकर्ताओं और लोगों ने स्वागत किया। लोगों को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं सब लोगों को शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। देशभर के करोड़ों करोड़ों लोगों ने अपनी दुआएं और अपना आशीर्वाद मुझको भेजा। मैं सुप्रीम कोर्ट के जजों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिनकी वजह से आज मैं आपके बीच में हूं। आप लोगों से एक ही अपील है, हम सबको मिलकर देश को तानाशाही से बचाना है। मैं संघर्ष कर रहा हूं तानाशाही के खिलाफ लेकिन देश के 140 करोड़ लोगों को तानाशाही के खिलाफ लड़ना होगा। अरविंद केजरीवाल ने यह ऐलान किया कि वह शनिवार की सुबह 11 बजे हनुमान मंदिर जाएंगे। वहां पूजा करेंगे। उन्होंने लोगों को वहां पहुंचने की अपील की है। इसके बाद वह अपने पार्टी कार्यालय पर जाएंगे। यहां वह प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करेंगे। दिल्ली के अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने मौजूदा लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए जमानत दे दी। बेंच ने कहा- केजरीवाल को 21 दिन की अंतरिम जमानत देने से कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। 21 दिन यहां या वहां से कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए। हम अंतरिम आदेश पारित कर रहे हैं, उन्हें 1 जून तक अंतरिम जमानत दे रहे हैं। वह 2 जून को सरेंडर करेंगे। ईडी की प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) अगस्त 2022 में दर्ज की गई थी जबकि मुख्यमंत्री को इस साल 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था।

केजरीवाल डेढ़ साल तक दिल्ली में ही थे। उन्हें पहले या बाद में गिरफ्तार किया जा सकता था लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। लोकसभा चुनाव के वक्त गिरफ्तार किया गया। जमानत की शर्तें आप नेता संजय सिंह के समान होंगी, जिन्हें पिछले महीने मामले के सिलसिले में जमानत दी गई थी।

देश को सुपर पावर बनाने के लिए 90 फीसदी लोगों को हक दिलाना जरूरी

पीएम मोदी 21वीं सदी के राजा जैसे,संविधान,संसद को कर रहे दरकिनार : राहुल

संवाददाता

लखनऊ, 10 मई (नवसत्ता) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज शाम यहां राष्ट्रीय संविधान सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने आरक्षण, संविधान, ईडी, सीबीआई पर बोलते हुए पीएम मोदी और बीजेपी को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी 21वीं सदी के राजा हैं। उनको संविधान, कैबिनेट, संसद से कोई मतलब नहीं है। उनके पीछे जो दो-तीन फाइनेंसर हैं, उनके पास पूरी पावर है। अनपढ़ राजा भी काम चला लेता है, क्योंकि वो जनता की बात सुनता है। मगर ये कुछ नहीं सुनते। इनके सारे नेता कह रहे हैं कि आरक्षण खत्म कर देंगे।

राहुल गांधी ने कहा, मेरा कहना है कि आप कभी आरक्षण को खत्म नहीं कर सकते हैं। ये (बीजेपी) संविधान, आरक्षण, सेना सब पर हमला बोल रहे हैं। सच्चाई क्या है, सच्चाई ये है कि मैं जनता की आवाज हूं। सवाल उठता है कि आगे क्या करना है। सबसे पहले जो हिंदुस्तान की सामाजिक सच्चाई है, उसको देश के सामने रखना है। किसी को चोट नहीं पहुंचानी है, किसी को धमकी नहीं देनी है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी देश को 90 फीसदी आबादी के बिना सुपर पावर कैसे बनाएंगे। क्या 10 परसेंट के दम पर बना लेंगे। सुपर पावर बनाना है तो 90 फीसदी लोगों को भागीदारी देनी होगी। संस्थाओं में आरएसएस के लोगों को भरना, बिना पूछे अग्निवीर योजना लागू करना, ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग करना, यही संविधान से छेड़छाड़ है। पीएम अब अडानी और अंबानी को याद कर रहे हैं और कह रहे हैं कि मुझे बचाओ। मगर सच तो ये है कि वो भी नहीं बचा पाएंगे। संबोधन के दौरान कांग्रेस नेता ने कहा, मैंने अपने पिता और दादी की लाश देखी है। कुछ लोग होते हैं जो सुबह उठते हैं, वीडियो बनाते हैं, उनको जाने दो। मगर, कुछ लोग होते हैं, उनको पता है कि उनको करना क्या है। मुझे पता है कि मुझे क्या करना है। मुझे भारत के लोगों को न्याय दिलाना है। राहुल ने कहा कि दो तरह के लोग होते हैं। पहले वो जो पूरी जिंदगी सत्ता के पीछे दौड़ते रहते हैं। मगर सच्चाई स्वीकार नहीं करते। उनको बस सत्ता दिखती है। दूसरी तरह के लोग सच्चाई को देखते हैं और स्वीकार करते हैं। अलग-अलग समाज से ये लोग आए। अंबेडकर जी, गांधी जी, परियार जैसे लोगों ने सच को स्वीकार किया। सबसे बड़ी सच्चाई संविधान है। बहुत सारे ऐसे लोग हैं, जिनके बारे में लोग आज जानते तक नहीं। मगर ये सभी लोग संविधान के लिए लड़े। संस्थानों में जातिगत भागीदारी पर बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि 200 कंपनियों की लिस्ट देखिए, पता चल जाएगा कि उसमें कौन-कौन लोग हैं। यही हाल सरकार से लेकर हर जगह है। सच्चाई छुपा दी जाती है। अग्निवीर योजना पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि इसमें किसका नुकसान हुआ है। इसमें एससी, एसटी, पिछड़े और गरीब सामान्य वर्ग का नुकसान हुआ है। मेरा कहना है कि जाति जनगणना करके ये पता लगाइए कि देश में किस वर्ग के कितने लोग हैं और उनकी भागीदारी कितनी है। इस पर जवाब मिलता है कि नहीं ये नहीं होना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि पॉलिटिकल क्लियरिटी आने पर बहुत सारी चीजें साफ हो जाती हैं। दो साल पहले मैंने भारत जोड़ो यात्रा शुरू की थी। इससे चीजों को देखने और लोगों की बातों को सुनने का नजरिया बदल गया।

लिखकर ले लो, यूपी में 50 सीटें जीतेंगे हम

कानपुर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की हार तय है और उत्तर प्रदेश इंडिया समूह कम से कम 50 सीटें जीतेगा। जीआईसी मैदान पर गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी आलोक मिश्रा और राजाराम पाल के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुये श्री गांधी ने कहा कि चार जून 2024 को नरेंद्र मोदी हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। आप लिख कर ले लो और यूपी में गठबंधन को 50 से कम सीटें नहीं मिलने वाली है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पूंजीपतियों का 16 लाख करोड़ रुपये का कर्जा माफ किया, उन्हे 500 एकड़ जमीन मुहैया करायीं जबकि किसान का कर्जा माफ नहीं किया। बेरोजगारों को पकौड़े तलने की सलाह दी। श्री गांधी ने कहा कि कश्मीर से कन्याकुमारी और मणिपुर से महाराष्ट् तक की यात्रा कर उन्होने लोगों की समस्यायों को जाना समझा और उसी के अनुसार मेनीफेस्टो तैयार किया। गठबंधन की सरकार बनने पर कानपुर समेत देश के अन्य शहरों को उनका औद्योगिक स्वरूप वापस दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कानपुर कभी पूरब का मैनचेस्टर कहा जाता था मगर आज यहां उद्योग धंधों की हालत खराब है। इसका कारण है कि मोदी सरकार ने अडानी के लिये गलत जीएसटी लागू कर कानपुर जैसे शहरों का हाथ और गला काट दिया। नोटबंदी और जीएसटी ने देश के छोटे और मझोले उद्योगों का बहुत नुकसान किया। सोलर पावर, विंड पावर सब अडानी को दे दिया और आपको ताली बजाने को दे दिया। कोविड महामारी के समय भाजपा वैक्सीन बनाने वाली कंपनियों से पैसा ले रही थी और जनता से थाली ताली बजवा रही थी।

मैं पीएम से ओपन डिबेट करने के लिए तैयार

कांग्रेस नेता ने अपने संबोधन के बाद कुछ लोगों के सवालों के जवाब भी दिए। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज द्वारा पीएम के साथ ओपन डिबेट के लिए लिखी गई चिट्ठी से जुड़े सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मैं ये न्योता स्वीकार करता हूं। मगर, मैं पीएम को जानता हूं, वो डिबेट नहीं करेंगे।

यौन उत्पीड़न मामले में बृजभूषण सिंह के खिलाफ आरोप तय

एजेंसी

नई दिल्ली, 10 मई (नवसत्ता) महिला पहलवानों से यौन शोषण मामले में कैसरगंज से बीजेपी सांसद और रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व चीफ बृजभूषण शरण सिंह पर आरोप तय हो गए हैं। दिल्ली की राउज रेवन्यू कोर्ट ने आज उनके खिलाफ आरोप तय किए। अदालत ने कहा कि बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं। बता दें कि दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ बीते साल 15 जून को चार्जशीट दाखिल की थी। बृजभूषण के खिलाफ धारा 354, 354-ए , 354-डी और 506 के तहत आरोप लगाए गए थे। राउज एवेन्यू कोर्ट में एसीएमएम प्रियंका राजपूत ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आदेश पारित किया। अदालत ने बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण के साथ ही किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप भी तय किया है। अदालत ने बृजभूषण के डब्लूएफआई चीफ रहते उनके सेक्रेटरी विनोद तोमर के खिलाफ भी आरोप तय किए हैं। 18 जनवरी 2023 को रेसलर बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट समेत 30 से ज्यादा रेसलर्स ने बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण के आरोप लगाते हुए दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। पहलवानों का विरोध-प्रदर्शन काफी दिनों तक चला। तत्कालीन खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने पहलवानों से कई दौर की बात की थी और उन्हें न्याय का आश्वासन दिया था। जिसके बाद सरकार ने आरोपों की जांच के लिए कमिटी बनाई थी। इस कमिटी में पीटी ऊषा भी शामिल थीं। हालांकि, कमिटी जांच रिपोर्ट पब्लिक नहीं की गई थी। बृजभूषण शरण सिंह पर 6 बालिग पहलवानों के यौन शोषण का आरोप है। महिला पहलवानों के यौन शोषण मामले में पुलिस ने चार्जशीट में बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आईपीसी की धारा 354, 354-ए और 354 डी और सह आरोपी विनोद तोमर के खिलाफ आईपीसी की धारा 109, 354, 354 (ए), 506 के तहत आरोप लगाए हैं। बृजभूषण के खिलाफ करीब सात गवाह मिले हैं। वहीं, यौन शोषण की कथित जगह पर उनकी मौजूदगी के भी सबूत मिले हैं। चार्जशीट की पहली सुनवाई पर कोर्ट ने इसे एमपी एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर किया था। इसके अलावा, कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को चार्जशीट की एक कॉपी शिकायतकर्ता पहलवानों को देने के आदेश दिए थे ।

आगजनी के दोषियों को पांच-पांच वर्ष का कारावास

संवाददाता

रायबरेली, 10 मई (नवसत्ता) अदालत ने हरचंदपुर थाना क्षेत्र से जुड़े आगजनी के एक मामले में दोष सिद्ध होने पर तीन आरोपियों को पांच-पांच वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही पांच-पांच हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है।

यह फैसला जिला एवं सत्र न्यायालय स्थित कोर्ट सं या छह के अपर सत्र न्यायाधीश प्रभात कुमार यादव ने सुनाया।

अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी करने वाले एडीजीसी (क्रिमिनल) दिनेश कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक मामले में पुलिस की विवेचना के बाद रामू , सुंदरलाल, श्यामलाल व शोभनाथ के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी।

इस दौरान रामू की मृत्यु हो गई। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शेष तीनों अभियुक्त को कैद व अर्थदंड की सजा सुनाई।वहीं दूसरी ओर अपर मु य न्यायिक मजिस्ट्रेट तृतीय ने सलोन थाना क्षेत्र से जुड़े मारपीट के एक मामले में आरोपी को सजा सुनाई।

केदारनाथ और गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के कपाट खुलते ही उमड़ी भीड़

एजेंसी

देहरादून, 10 मई (नवसत्ता) केदारनाथ और गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के कपाट आज विधि -विधान के साथ खोल दिए गए हैं। कपाटोद्घाटन के मौके पर तीनों धामों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी। केदारनाथ और गंगोत्री-यमुनोत्री के कपाट खुलने के साथ ही आज से चारधाम यात्रा का शुभारंभ हो गया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट साझा कर बधाई दी। भगवान आशुतोष के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में एक केदारनाथ धाम के कपाट वेद मंत्रोच्चार के बीच शुभ लग्न पर सुबह सात बजे खुले। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित कई गणमान्य लोगों ने दर्शन किये। साथ ही हजारों श्रद्धालु कपाटोद्घाटन साक्षी बने। इस दौरान हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। शुक्रवार को सुबह 6 बजे से ही मंदिर में कपाट खुलने की प्रक्रिया शुरू की गई। सुबह 6.30 बजे केदारनाथ धाम के रावल भीमाशंकर लिंग, धाम के लिए नियुक्त मुख्य पुजारी शिव शंकर लिंग परंपराओं का निर्वहन करते हुए मंदिर में पहुंचे। रावल भीमाशंकर लिंग ने कहा कि भगवान केदारनाथ छह माह अपने धाम में विराजमान हो गए हैं। अब, बाबा के भक्त छह माह तक अपने आराध्य के दर्शन और पूजा-अर्चना धाम में ही करेंगे।

उन्होंने भगवान केदारनाथ से देवभूमि उत्तराखंड और समस्त भारतवर्ष की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके उपरांत ठीक 7 बजे शुभ लग्न में भगवान केदारनाथ धाम के कपाट खोले गए। इस मौके पर पूरा केदारनाथ क्षेत्र बाबा के जयकारों से गूंज उठा। मुख्य पुजारी शिव शंकर लिंग ने बाबा केदार को समाधि रूप से जागृत किया और पूजा-अर्चना करते हुए अन्य परंपरा का निर्वहन किया। इसके बाद बाबा केदार के दर्शनों के लिए भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा -देवभूमि उत्तराखंड के पवित्र चार धाम यात्रा के शुभारंभ की बहुत-बहुत बधाई। बाबा केदारनाथ धाम समेत चारों धामों की यह यात्रा श्रद्धालुओं के लिए एक ऐसी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक यात्रा है, जिससे उनकी आस्था और भक्ति को नई स्फूर्ति मिलती है। इस यात्रा पर निकले सभी भक्तों और श्रद्धालुओं को मेरी ढेरों शुभकामनाएं। जय बाबा भोलेनाथ! सुबह सात बजे केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के बाद 10:29 पर यमुनोत्री धाम के कपाट खुले।

अक्षय तृतीया पर रामलला को 11 हजार फलों का भोग

संवाददाता

अयोध्या, 10 मई (नवसत्ता) अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर विराजमान रामलला को अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर 11 हजार फलों का भोग लगाया गया है। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र से मिली जानकारी के अनुसार श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान बालक राम को वैशाख शुक्ल तृतीया यानी अक्षय तृतीया पर हापुस आम और मौसमी फलों का भोग लगाया गया। यह आम शुक्रवार को महाराष्ट्र के पुणे से अयोध्या पहुंचा था जिसे श्रीरामलला सरकार के चरणों में निवेदित किया गया। तीर्थ क्षेत्र के अनुसार रामलला का पूजन-अर्चन कर रामलला के दिव्य आरती उतारी गयी। उन्होंने बताया कि भोग प्रसाद में 11 हजार हापुस, मौसमी फलों से भरी टोकरी और आम रस की बोतलें शामिल रहीं। गर्भगृह के द्वार को फलों की लड़ी से सुसज्जित किया गया था।

विश्व हिन्दू परिषद के प्रांतीय मीडिया शरद शर्मा ने बताया कि मौसमी फलों की टोकरी सहित आम्र रस की बोतलें रामलला के चरणों में निवेदित किया गया है। उन्होंने बताया कि मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया था।

याचिका शुरुआती आंकड़ों और जारी आंकड़ों के बीच तेज वृद्धि को लेकर इन आशंकाओं का समाधान किया जाना चाहिए

मतदान के आंकड़े 48 घंटे के भीतर जारी करने के लिए एडीआर ने दायर की याचिका

एजेंसी

नई दिल्ली, 10 मई (नवसत्ता) एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) ने उच्चतम न्यायालय में एक अंतरिम याचिका दायर करके लोकसभा चुनाव के प्रत्येक चरण का मतदान समाप्त होने के 48 घंटे के भीतर मतदान का 'पूर्ण आंकड़ा' आयोग की वेबसाइट पर अपलोड करने का निर्वाचन आयोग को निर्देश देने का अनुरोध किया है।

'द एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) ने 2019 की अपनी जनहित याचिका में एक अंतरिम अर्जी दायर की है। एनजीओ ने 2019 की अपनी याचिका में मतदान के बाद सभी मतदान केंद्रों के 'फॉर्म 17 सी भाग-I (दर्ज किए गए मतों का लेखा-जोखा) की स्कैन की गई सुपाठ्य प्रतियां' तुरंत अपलोड करने का निर्वाचन आयोग को निर्देश देने का अनुरोध किया है। एनजीओ ने कहा, निर्वाचन आयोग को 2024 के लोकसभा चुनावों में आगामी प्रत्येक चरण के मतदान के बाद फॉर्म 17सी भाग-I में दर्ज मतों का पूरा आंकड़ा मतदान केंद्र-वार सारिणीबद्ध प्रदान करने का निर्देश दें। साथ ही 2024 के मौजूदा लोकसभा चुनाव में निर्वाचन क्षेत्र-वार मतदान का पूरा आंकड़ा सारिणीबद्ध करने का भी निर्देश दिया जाए। उसने कहा कि याचिका यह सुनिश्चित करने के लिए दायर की गई है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया चुनावी अनियमितताओं से प्रभावित न हो। याचिका में कहा गया है, निर्वाचन आयोग द्वारा जारी 2024 के लोकसभा चुनावों के पहले दो चरणों के लिए मतदान का डेटा 19 अप्रैल को हुए पहले चरण के मतदान के 11 दिन बाद और 26 अप्रैल को दूसरे चरण के मतदान के चार दिन बाद 30 अप्रैल को प्रकाशित किया गया।'' इसमें कहा गया है, निर्वाचन आयोग द्वारा 30 अप्रैल, को एक प्रेस विज्ञप्ति में प्रकाशित डेटा मतदान के दिन शाम 7 बजे तक ईसीआई द्वारा घोषित प्रारंभिक मतदान प्रतिशत की तुलना में तेज वृद्धि (लगभग 5-6%) दर्शाता है।

याचिका में कहा गया है कि अंतिम मतदान आंकड़ा जारी करने में 'अत्यधिक' देरी, साथ ही 30 अप्रैल, के निर्वाचन आयोग के प्रेस नोट में पांच प्रतिशत से अधिक के असामान्य रूप से उच्च संशोधन ने आंकड़े की शुद्धता के बारे में चिंताएं और सार्वजनिक संदेह बढ़ा दिया है।'' इसमें कहा गया है कि कुल मतदान प्रतिशत जारी न होने के साथ-साथ वोट के आंकड़े जारी करने में 'अनुचित देरी' के कारण शुरुआती आंकड़ों और 30 अप्रैल को जारी आंकड़ों के बीच तेज वृद्धि को लेकर मतदाताओं के मन में आशंकाएं पैदा हुई हैं। इसमें कहा गया है,

इन आशंकाओं का समाधान किया जाना चाहिए और उन पर विराम लगाया जाना चाहिए। मतदाताओं के विश्वास को बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि निर्वाचन आयोग को सभी मतदान केंद्रों के फॉर्म 17 सी भाग-I (दर्ज मतों का लेखा जोखा) की स्कैन की गई सुपाठ्य प्रतियों का खुलासा मतदान समाप्त होने के 48 घंटे के भीतर आयोग की वेबसाइट पर अपलोड करने का निर्देश दिया जाए, जिसमें पड़े मतों के प्रमाणित आंकड़े शामिल हों।

पीएम मोदी बोले- नकली शिवसेना मुझे जिंदा गाड़ना चाहती है

एजेंसी

नंदूरबार, 10 मई (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र के नंदूरबार में चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा- नकली शिवसेना वाले मुझे जिंदा गाड़ने की बात कर रहे हैं। एक तरफ कांग्रेस है, जो कहती है कि मोदी तेरी कब्र खुदेगी। दूसरी तरफ नकली शिवसेना मुझे जिंदा गाड़ने की बात करती है। मुझे गाली देते हुए भी ये लोग तुष्टिकरण का पूरा ध्यान रखते हैं। इसके अलावा मोदी ने आरक्षण के मुद्दे पर भी चर्चा की। मोदी ने कहा- मैं 17 दिन से कांग्रेस को चुनौती दे रहा हूं। मैंने कांग्रेस से कहा है कि वो लिखकर बताए कि वो एससी-एसटी और ओबीसी के आरक्षण के टुकड़े नहीं करेंगे। और न ही मुसलमानों में बाटेंगे। मेरे सवाल का कांग्रेस ने अब तक जवाब नहीं दिया है। इसका मतलब कांग्रेस का हिडन एजेंडा आपका हक लूटना है। मेरे इस चैलेंज पर कांग्रेस की चुप्पी का मतलब दाल में कुछ काला है। आरक्षण पर कांग्रेस का हाल चोर मचाए शोर वाला है। धर्म के आधार पर आरक्षण बाबा साहेब की भावना के खिलाफ है। संविधान की भावना के खिलाफ है, लेकिन कांग्रेस का एजेंडा है- दलित, पिछड़े, आदिवासी का आरक्षण छीनकर अपने वोटबैंक को देना। कांग्रेस के शहजादे के गुरु अमेरिका में रहते हैं। उन्होंने भारत के लोगों पर रंगभेदी टिप्पणी की है। जिनका रंग भगवान कृष्ण जैसा होता है, कांग्रेस उन्हें अफ्रीकन मानती है। इसलिए द्रौपदी मुर्मू जी का राष्ट्रपति बनना उन्हें मंजूर ही नहीं था।

शहजादे के गुरु ने अमेरिका से कहा है कि राम मंदिर का निर्माण और रामनवमी का उत्सव भारत के विचार के खिलाफ है। एनडीए ने आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनाया। लेकिन आपको याद रखना चाहिए कि वो कौन लोग थे, जिन्होंने आदिवासी बेटी द्रौपदी मुर्मू जी को राष्ट्रपति का चुनाव हराने के लिए रात-दिन एक कर दिए थे। ये कांग्रेस वाले थे, जिन्होंने एक आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनने से रोकने के लिए रात-दिन एक कर दिए थे।

तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, दो भाइयों की दर्दनाक मौत

संवाददाता

उन्नाव, 10 मई (नवसत्ता)। जिले में दही थाना क्षेत्र में दरोगा खेड़ा के पास तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो सगे भाइयों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, पुरवा थाना क्षेत्र के भदनाग निवासी अनुज (32) और उसका भाई पप्पू (22) पुत्र राधे लाल लखनऊ-कानपुर हाईवे पर दही थाना क्षेत्र स्थित एक ढाबे में काम करते थे।

शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे दोनों ढाबा जा रहे थे। उन्नाव-पुरवा मार्ग पर दरोगा खेड़ा गांव के पास अज्ञात वाहन बाइक में टक्कर मारते हुए निकल गया। तेज टक्कर लगने से दोनों की भाइयों की मौत हो गई, जबकि सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतकों की पहचान करा परिजनों को सूचना दी। मृतक तीन भाइयों में दूसरे और तीसरे नंबर के थे। मृतक अनुज की शादी हो चुकी है।

पत्नी मन्नो देवी सहित पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। बड़े भाई मनोज ने बताया की पिछले दो महीने से ही दोनों ने ढाबे में काम शुरू किया था। दोपहर 12 बजे से रात 12 बजे तक की ड्यूटी रहती है। गुरुवार देर रात वापस आए थे। आज फिर काम पर जाते समय हादसा हो गया। दही थाना अध्यक्ष अनुराग सिंह ने बताया कि टक्कर मारने वाले वाहन का पता लगाया जा रहा है।

प्रेक्षकों ने अफसरों को दिये दिशा निर्देश

उन्नाव,10 मई (नवसत्ता)। जिले में चौथे चरण में 13 मई को लोकसभा चुनाव को सकुशल कराने के लिए केन्द्रों पर सुरक्षा के साथ हर आवश्यक तैयारी को चाकचौबंद रखने के निर्देश दिए गए है। विशेष प्रेक्षक सामान्य, पुलिस प्रेक्षक और व्यय प्रेक्षक ने जिला निर्वाचन विभाग के अफसरों के साथ बैठक कर सभी तैयारी को पूरा करने का आगाह किया। कहा संवेदनशील और अतिसंवेदनशील केन्द्रों पर शत-प्रतिशत मतदान के लिए कड़ी सुरक्षा रखी जाए ताकि मतदाता भयमुक्त होकर मतदान करें।

जिले में तकनीकी एवं उच्च शिक्षा का प्रसार जरूरी: अजय अग्रवाल

संवाददाता

बछरावां-रायबरेली, 10 मई (नवसत्ता)। भाजपा नेता एवं सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता अजय अग्रवाल आज बछरावां के दयानंद पीजी कॉलेज कैंपस में पहुंचे। उनके साथ भाजपा के बछरावां मीडिया प्रभारी मनोज मिश्रा भी थे।

अग्रवाल ने दयानंद कॉलेज में पहुंचकर वहां उपस्थित स्टाफ से मुलाकात की तथा फिर कॉलेज के प्राचार्य डॉ सुभाष चंद्र श्रीवास्तव तथा महाराजगंज के राजा चंद्रचूड़ इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ विनय कुमार सिंह अन्य स्टाफ के साथ रायबरेली में शिक्षा के सुधार एवं प्रसार के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की।

अजय अग्रवाल ने उक्त बैठक के बाद बताया कि रायबरेली जिले में अभी तकनीकी एवं उच्च शिक्षा के और ज्यादा प्रसार की बहुत जरूरत है, तथा छात्रों को भी और ज्यादा सुविधाएं जैसे यातायात तथा हॉस्टल की सुविधा आदि मिलनी चाहिए ताकि वह अपने घर से विद्यालय में जाकर शिक्षा ग्रहण कर सकें। अजय अग्रवाल ने कहा कि यदि रायबरेली का शैक्षणिक विकास उत्कर्ष होगा तो यहां का चहुमुखी विकास होना भी निश्चित है। अजय अग्रवाल ने आगे कहा कि लोकसभा चुनाव के उपरांत वह रायबरेली में तकनीकी एवं उच्च शिक्षा के प्रसार को उच्च प्राथमिकता देंगे।

हम 13 रुपये में चीनी और 15 लाख देने के झूठे वादे नहीं करते: प्रियंका गांधी

संवाददाता

रायबरेली, 10 मई (नवसत्ता)। जिले के सलोन ब्लॉक के सूची चौराहे के पास कांग्रेस पार्टी प्रत्याशी केएल शर्मा के पक्ष में प्रियंका गांधी ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम भगवान के नाम पर कसम नहीं दिलवाते कि आप हमें वोट दो। हम झूठे वादे नहीं करते कि 13 रूपये में चीनी देंगे, 15 लाख खाते में देंगे।

युवाओं को रोजगार और किसानों की आय दुगुनी होगी। हमारी जहां सरकार है, वहां पर महिलाओं को मुफ्त में यात्रा सुविधा दी जा रही है। पहले राजनीति देश सेवा और समर्पण के लिए की जाती थी। आज विधायकों को खरीद कर की जा रही है। भाजपा के लोग ये बात नहीं करते कि मंहगाई कैसे कम करेंगे। रोजगार कैसे देंगे। वह गांवों में दुरदुरिया करके वोट के लिए कसम नहीं दिलाते हैं।

उन्होंने कहा कि हम रायबरेली में भैया के लिए और अमेठी में शर्मा जी के लिए वोट मांग रहे हैं। कसम नहीं दिलवा रहे आप हमें वोट दो। भगवान भी चाहते हैं कि आप जागरूक बने। हम झूठे वादे नहीं करते।

पूर्व बसपा लोकसभा प्रभारी समेत दर्जनों नेता कांग्रेस में शामिल

अमेठी, 10 मई (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव के पहले अमेठी में बसपा को बड़ा झटका लगा है। बसपा के पूर्व लोकसभा प्रभारी समेत दर्जनों जनप्रतिनिधियों ने कांग्रेस का दामन थाम लिया है। आज गौरीगंज का कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंह सिंघल और कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा ने सभी नेताओं को पार्टी में शामिल कराया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौके पर मौजूद रहे। दरअसल, अमेठी में 5 वें चरण में 20 मई को अमेठी मतदान होना है।

दुकान में सो रहे फल व्यवसायी का मिला शव, हत्या की आशंका

संवाददाता

जगदीशपुर-अमेठी, 10 मई (नवसत्ता)। जिले के जगदीशपुर चौराहे पर पुलिस बूथ के सामने फल व्यवसायी का शव शुक्रवार की सुबह दुकान में मिला है। पिता ने गला दबाकर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने केस दर्ज किया है। जगदीशपुर थाना क्षेत्र के पूरे शोहरत निवासी पंकज (22) पुत्र खुशीराम की जगदीशपुर के पालपुर गुलाबगंज चौराहे पर पुलिस बूथ के सामने फल की दुकान है।

बृहस्पतिवार की रात्रि में छोटे भाई ने घर से लाकर टिफिन दिया जिसे खाने के बाद छोटा भाई दुकान के बाहर और बड़ा भाई दुकान के भीतर सो गये। दुकान का चैनल खुला था। सुबह उठने पर पंकज का शव दुकान के भीतर मिला, जिसके होंठ और गले में काले धब्बे का निशान था।परिजनों ने हत्या की आशंका व्यक्त करते हुए बताया कि मुंह दबाकर रस्सी से गला दबाकर हत्या की घटना प्रतीत होती है। पिता खुशी राम की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे पुलिस उपाधीक्षक मुसाफिरखाना ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जगदीशपुर राकेश सिंह के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

धूमधाम से मनाई गई परशुराम जयंती

सुल्तानपुर,10 मई (नवसत्ता)। जिले में शुक्रवार को अक्षय तृतीया पर्व पर मोतिगरपुर बाग में भगवान परशुराम जयंती मनाई गई। वही जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र में धूमधाम से मनाई गई। जगह-जगह धार्मिक अनुष्ठान के साथ विभन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

शहर में 20 किलोमीटर लंबे रूट पर मेट्रो दौड़ाने के लिए डीपीआर तैयार

संवाददाता

झांसी, 10 मई (नवसत्ता)। महानगर में 20 किलोमीटर लंबे रूट पर लाइट मेट्रो दौड़ाने के लिए डीपीआर तैयार हो गई है। राइट्स कंपनी ने ड्राफ्ट डीपीआर में ही मामूली संशोधन करने के बाद फाइनल डीपीआर बना ली है। अब लोकसभा चुनाव के बाद जेडीए जिला प्रशासन, नगर निगम, परिवहन आदि विभागों के साथ बैठक करके डीपीआर को मंजूरी के लिए शासन में भेजगा।

लोगों के सुगम आवागमन के लिए शासन झांसी में लाइट मेट्रो चलाना चाहता है। मेट्रो के लिए अलग लाइन बिछाई जाएगी। मार्ग समेत बजट का ब्योरा तैयार करने की जिम्मेदारी राइट्स कंपनी को दी गई थी। कंपनी ने ड्राफ्ट डीपीआर बनाकर झांसी विकास प्राधिकरण को सौंप दी थी। इसमें महानगर में 20 किलोमीटर लंबे रूट पर मेट्रो के संचालन का प्रस्ताव दिया गया। दो रूट भी प्रस्तावित किए गए। एक रूट करीब 12 किलोमीटर और दूसरा आठ किलोमीटर लंबा है। इसके संचालन के लिए करीब 2600 करोड़ रुपये के बजट की जरूरत बताई। फिर रेलवे स्टेशन के पास बनने वाले मेट्रो स्टेशन के लिए निरीक्षण होना था। मगर किन्हीं कारणों से ऐसा नहीं हो सका। जेडीए उपाध्यक्ष आलोक यादव ने बताया कि राइट्स कंपनी ने मामूली बदलाव करते हुए फाइनल डीपीआर तैयार कर ली है। विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक करके डीपीआर मंजूरी के लिए शासन को भेजी जाएगी।

श्री परशुराम महासभा ने भगवान परशुराम का मनाया जन्मोत्सव

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 10 मई (नवसत्ता)। श्री परशुराम भगवान के जन्मोत्सव अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर श्री परशुराम महासभा उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में लालगंज में प्रबुद्ध जनों की सभा के साथ-साथ विशाल भंडारे का कार्यक्रम आयोजित किया गया। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सुशील शुक्ला, प्रदेश महामंत्री अशोक शुक्ला के संग पूर्व मंत्री गिरीश नारायण पांडे ने भगवान परशुराम जी के चित्र पर पुष्प, धूप अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत किया। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री गिरीश नारायण पांडे ने कहा कि ब्राह्मण ने सदैव समाज हित में कार्य किया है कर्म से उच्च व्यक्ति भी महान है, उसका सम्मान होना चाहिए। वशिष्ठ ने भगवान राम को, चाणक्य ने चन्द्रगुप्त को, संदीपन ने भगवान कृष्ण को गढ़ा है। ऐसे ब्राह्मण के कार्य थे जिससे वह समाज में सम्मान पाते थे। कार्यक्रम का संचालन महासभा के प्रदेश महामंत्री अशोक शुक्ला ने किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सुशील शुक्ला ने जनमानस को भगवान परशुराम जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज हम सबको उनके बताए हुए रास्ते पर चलने की जरूरत है जिससे समाज और अधिक मजबूत हो सके। श्री परशुराम महासभा के सचिव कैलाश वाजपेई ने कहा कि भगवान परशुराम विष्णु भगवान के अवतार हैं। हमें उनकी नित्य पूजा अर्चना करनी चाहिए। वहीं भण्डारा देर तक चलता रहा जिसमें सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में श्रवण कुमार शुक्ला, बृजेश द्विवेदी, अमित शुक्ला उर्फ सोनू शुक्ला, चन्द्रप्रकाश अवस्थी, नीरज तिवारी, देवेश शुक्ला रमाशंकर बाजपेई, कैलाश बाजपेई अभिषेक शुक्ला, दयाशंकर अग्निहोत्री, मन्टू बाजपेई, नीलेश शुक्ला, मृत्युंजय बाजपेई, सौरभ द्विवेदी, मन्नू बाजपेई, गौरव बाजपेई श्रीधर शुक्ला, चंदन बाजपेई आदि उपस्थित रहे।

सब्जी विक्रेता से अभद्रता करने पर हटाई गई तीन महिला गार्ड

संवाददाता

झांसी, 10 मई (नवसत्ता)। सब्जी विक्रेता से अभद्रता करना तीन महिला गार्डों को भारी पड़ गया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और नगर आयुक्त ने संज्ञान लिया। इसके बाद सेवा प्रदाता एजेंसी के जरिए तैनात तीनों महिला गार्डों को फर्म ने तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। पहूज नदी स्थित सब्जी मंडी में नगर निगम की तरफ से तीन महिला गार्ड और दो पुरुष गार्ड की तैनाती की गई है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ। इसमें शिवपुरी रोड पर पहूज नदी स्थित सब्जी मंडी में तीन महिला गार्ड सब्जी बेचने वाली महिलाओं के साथ अभद्रता करती दिख रही थीं। वीडियो जब नगर आयुक्त तक पहुंचा तो उन्होंने मेसर्स कृष्णा सिक्योरिटी सर्विस को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। स्पष्टीकरण का जवाब देते हुए फर्म ने तीनों महिला गार्ड को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है।

नोटिस नमूना आम

न्यायालय श्रीमान सिविल जज सी0 डि0 कोर्ट नं0 10 रायबरेली। वाद सं0-103/2024 ई0।

श्रीमती नीलम सिंह पत्नी स्व. कुंवर बहादुर सिंह आयु 45 वर्ष 2-सौरभ सिंह पुत्र स्व. कुंवर बहादुर सिंह आयु 23 वर्ष 3- कु. ज्योति सिंह पुत्री स्व. कुंवर बहादुर सिंह आयु 21 वर्ष 4- शिवप्रताप सिंह पुत्र स्व. कुंवर बहादुर सिंह नाबालिक आयु 13 वर्ष संरक्षिका स्वयं माता श्रीमती नीलम सिंह- निवासीगण ग्रा.-शाहपुर, म. बसंतपुर-सकतपुर पर. सेमरौता, तहसील-महराजगंज, जिला-रायबरेली।.....वादी

बनाम

1.हरखास आम ग्राम पंचायत, बसंतपुर-सकतपुर पर. सेमरौता, तहसील-महराजगंज, जिला-रायबरेली। 2- उत्तर प्रदेश राज्य द्वारा जिलाधिकारी रायबरेली।3-प्रबंधक बैंक आफ बड़ौदा शाखा-सेमरौता, जनपद- अमेठी।

.....प्रतिवादीगण

चूंकि ऊपर नामांकित वादीगण ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि उत्तराधिकार हेतु अतएव आपको एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के खिलाफ किसी की भी कोई आपत्ति प्रस्तुत करना चाहते हैं तो दिनांक 13 माह 05 सन् 2024 ई0 को..... दिन 08 बजे पूर्वान्ह में इस न्यायालय में उपस्थित होकर या सम्यकरूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और यदि आप ऐसा करने में असफल रहें तो उक्त आवेदन की सुनवाई एक पक्षीय करके वाद निर्णत कर दिया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक..... माह..... सन..... ई0 को जारी की गयी।

दिनांक:.....

न्यायालय के आदेशानुसार

हिफाजत की जिम्मेदारी उठाना ही आज की चुनौती: विजय विद्रोही

संवाददाता

रायबरेली, 10 मई (नवसत्ता)। आज भाकपा (माले) कार्यकर्ताओं ने 1857 के महानायक बीरा पासी द्वार से महानायक राना बेनी माधव की प्रतिमा तक मार्च निकालकर 1857 के स्वातंत्र्य समर में प्राणों की आहुति देने वाले अनगिनत शहीदों, लड़ाके बीर योद्धाओं,आजादी के दीवानों को याद करते हुए उन्हे श्रद्धासुमन अर्पित किए।अवध के महासंग्राम के नायक राना बेनी माधव की प्रतिमा में पुष्पांजलि के बाद भाकपा (माले) राज्य कमेटी सदस्य विजय विद्रोही ने कहा कि 10 मई - क्रांति दिवस पर असंख्य योद्धाओं का स्मरण करना जरूरी है जिन्होंने अपने प्राणों का उत्सर्ग कर स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त किया। मुख्य रूप से बहादुर शाह जफर, रानी लक्ष्मीबाई, वीर कुंवर सिंह, तात्या टोपे, तोपची गौस खां मौलवी अजीमुल्ला, बेगम हजरत महल का स्मरण किये बिना इस महान क्रांति को नही समझा जा सकता। 1857 की क्रांति विश्व की एक महान आश्चर्यजनक, अत्यंत प्रभावी और परिवर्तनकारी घटना थी। इसने न केवल ब्रिटिश साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद की चूलें हिला दीं। यह किसी उत्तेजना से उत्पन्न आंदोलन नहीं था। इसके राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक तीनों आयाम थे।

इस महासंग्राम में असंख्य साझे बलिदानों की साझी बिरासत के वारिशो को उस एकता संघर्ष और बलिदान के महान संदेश की हिफाजत करने की जिम्मेदारी है। आज जब विभाजनकारी, नफरत की सियासत देश की जनता की एकता को विभाजित कर जातीय धार्मिक उन्माद के सहारे सत्ता हथियाने की पैतरेबाजी हो रही है, देश में गुलामी का एक नया दौर लाने की पुरजोर कोशिशें जारी हैं नागरिक आजादी, संविधान लोकतंत्र सब दांव पर है तब 1857 के अमर सेनानी हमारे मार्गदर्शक बनकर हमे एकता का संदेश देते हैं और इस मुल्क से सांप्रदायिक शक्तियों को उखाड़ फेंकने और एक प्रगतिशील भारत के निर्माण का रास्ता दिखाते हैं।

इस अवसर पर भाकपा (माले) जिला सचिव उदय पटेल, किसान महासभा अध्यक्ष फूल चंद्र मौर्या इंकलाबी नौजवान सभा प्रदेश उपाध्यक्ष हनुमान अंबेडकर, इंसाफ मंच जिलाध्यक्ष डा. हलीम महमूद सचिव अहसन खान, आर एस एडवोकेट, मो इरफान आदि ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

भाजपा युवा मोर्चा का सम्मेलन आज

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 10 मई (नवसत्ता)। भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चे का सम्मेलन आज डलमऊ मुराई का बाग में होगा। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने रायबरेली जनपद के लोकसभा चुनाव को गंभीरता से लेते हुए यहां पर बड़े नेताओं की सभाएं लगा दी हैं। इस परिप्रेक्ष्य में भाजयुमों के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या आज शनिवार को युवाओं को संबोधित करेंगे। रैली स्थल का जायजा लेने पहुंचे जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा निखिल पांडे ने बताया कि सरेनी विधानसभा क्षेत्र के डलमऊ पड़वा नाला स्थित बाग में युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या की जनसभा होगी। तेजस्वी सूर्या राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के साथ-साथ बेंगलुरु के सांसद भी हैं। निखिल पांडे ने बताया कि सांसद तेजस्वी सूर्या युवाओं के रोल मॉडल हैं। रायबरेली में युवाओं को पार्टी से जोड़ने की विशेष रणनीति के तहत डलमऊ पहुंच रहे हैं। रायबरेली में पहली बार युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यक्रम लगा है। इसके अलावा अन्य कई बड़े भाजपा नेताओं का भी जनसभा में जमावड़ा रहेगा। उन्होंने लोगों से भारी से भारी संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

पक्षों में चले लाठी-डंडे पांच गंभीर घायल

फतेहपुर,10 मई (नवसत्ता)। जिले में मामूली विवाद को लेकर एक पक्ष से कुछ लोगों ने लाठी डंडे से दूसरे पक्ष के लोगों पर हमला बोला दिया। दबंगों ने लाठी डंडे से बेरहमी से मार-मारकर 5 लोगों को घायल कर दिया। इसी दौरान गांव के किसी व्यक्ति ने मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया।

चुनाव को लेकर डीएम ने की बैठक

बलरामपुर,10 मई (नवसत्ता)। लोकसभा श्रावस्ती और विधानसभा उप चुनाव को निष्पक्ष शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने को लेकर डीएम बलरामपुर ने प्रत्याशियों के साथ बैठक की। बलरामपुर विधानसभा उप चुनाव गैसड़ी और लोकसभा चुनाव श्रावस्ती 6वें चरण में होना है।

It is informed to the general public that the marksheet of the deponent Akhlad Ansari unique ID - 7514764 school up 157/1224155 New vision school raebareli has been lost somewhere sworn by I.C.S.E. The board wishes to obtain a duplicate copy . Whose pass year is 2022 and index no1224155/002 Declarent

Akhlad Ansari

Son of Abdul Hameed Ansari residient of banian Tola, Raebareli

कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में सुनीता सिंह का तूफानी दौरा

संवाददाता

तिलोई, 10 मई (नवसत्ता)। अमेठी लोकसभा के विधान सभा तिलोई के वरिष्ठ कांग्रेस नेता रहे स्व0 शिव प्रताप सिंह की पुत्री पीसीसी युवा कांग्रेस नेत्री सुनीता सिह अमेठी के कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा के समर्थन में प्रातः से लेकर देर रात्रि तक तूफानी दौरा करके मतदाताओं से जनसम्पर्क लगातार जारी किए हुए हैं। सुनीता सिंह का चुनाव प्रचार का अन्दाज ही निराला है। तमाम जगह कांग्रेस प्रत्याशी की पुत्री अंजलि शर्मा के साथ भी दौरा कर रही है। सुनीता सिंह को अपने सैकड़ों कार्यकर्ता के साथ अपनी पार्टी के प्रत्याशी केएल शर्मा के लिये गांव गांव वोट मांगते देखा जा सकता हैं। सुनीता सिंह के इस कफीले मे सैकड़ों लोग शामिल रहते हैं। खास बात तो ये है कि तिलोई विधान सभा की ये बेटी अपने बल पर गरीबों के दिलों में इस तरह राज कर रही है की जिस गांव जाती हैं। गरीब परिवारों का हुजूम उमड़ पड़ता है। जब कोई व्यक्ति हर सुख दुख में हर व्यक्ति के साथ शामिल रहे। देखा जाये तो ये हुजूम उनके व्यक्तिगत मेहनत और इन्सानियत की देन है। आज भी कांग्रेस पार्टी के लिये कर्मठ जुझारू युवा नेत्री सुनीता सिंह का तिलोई क्षेत्र मे एक अलग पहचान है। तिलोई बिधान सभा मे कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे स्व0 शिव प्रताप सिंह की बेटी अपने पिता के पद चिन्हों पर चल रही है। देखा जाये तो सुनीता सिह का ये हुजूम उनके व्यक्तिगत मेहनत का रंग है। सुनीता सिह का ये कफीला व महिलाओं का प्यार साफ तौर से ये बयां कर रहा है की अमेठी की धरती कांग्रेस के लिये पूरी तरह बन्जर नही है मेहनत की जरूरत है फसल जरूर उगेगी। सुनीता सिंह ने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी को जिताने के लिए पूरी जनता जुटी हुई है और जीत भी सुनिश्चित है।

5 साल से रुका टंकी का निर्माण

बलरामपुर,10 मई (नवसत्ता)। जिले के तहसील उतरौला के हुसैनाबाद बाजार में 5 करोड़ की लागत से हो रहा निर्माण कार्य 5 सालों से अधूरा पड़ा है, जिससे लोगो की आस टूट रही है। मामला बलरामपुर तहसील उतरौला क्षेत्र के हुसेनाबाद बाजार का है। यहां पर पांच करोड़ रुपए के लागत से बनने वाला पानी की टंकी का धन के अभाव में पांच सालों से निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

सुल्तानपुर,10 मई (नवसत्ता)। जिले में अयोध्या-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुप्तारगंज में अनियंत्रित बोलेरो ने सड़क पार कर रहे युवक को रौंद दिया। ऐसे में युवक ने तड़पकर घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। युवक की मौत से परिवार में मातम पसर गया है। पुलिस शव को पोस्टमार्टम में भेजकर विधिक कार्रवाई में जुट गई है। पूरी घटना गुप्तागंज बाजार की है।

ऐसा कोई गांव नहीं जहां मेरी सेवा के निशान न हों: दिनेश प्रताप सिंह

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 10 मई (नवसत्ता)। प्रदेश के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह की नुक्कड़ सभाओं में जन सैलाब उमड़ रहा है। शुक्रवार को भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह ने जगतपुर व ऊंचाहार विकास खंड में दर्जनों नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया। चुनावी सभाओं के दौरान लोगों ने हाथ उठाकर भाजपा प्रत्याषी के समर्थन में हाथ खड़े कर अपना समर्थन दे रहे है। लोगों को संबोधित करते हुए दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि एक बार फिर से भारी बहुमत से मोदी सरकार तीसरी बार बनने जा रही है। भाजपा प्रत्याशी ने दावा किया कि गांधी परिवार के मन में रायबरेली के लिए इतनी नफरत भरी हुई है कि 1952 से लेकर अब तक गांधी परिवार ने कभी भी रायबरेली में किसी भी मां की कोख से जन्में व्यक्ति को लोकसभा का टिकट नहीं दिया। रायबरेली के किसी भी बेटे को राज्यसभा नहीं भेजा गया। गांधी परिवार ने रायबरेली से किसी को सांसद प्रतिनिधि तक नहीं बनाया। उन्होंने भाजपा द्वारा पिछले दो सालों में कराये गये कार्यों की चर्चा करते हुये कहा कि इस अवधि में मैने कृषि महाविद्यालय, उद्यान महाविद्यालय हरचन्दपुर, ऊँचाहार व सतांव सहित बड़ी-छोटी मण्डियां मिलाकर कुल 20 मंडियों का निर्माण कराया। 6 हाईटेक नर्सरी, सवा सौ ग्रामीण सड़के मंडी परिसर से, गुरू गोविन्द सिंह पर्यावणीय उद्यान जिसमें रायबरेली के गौरवषाली इतिहास को अगली पीड़िया जाने और उस पर गर्व कर सके। इस उद्देष्य से महर्षि जम्दग्नि, गर्ग ऋषि गोकर्ण ऋषि, डालभ्य ऋषि, आस्तीक मुनि, वीरा पासी राणा बेनी माधव बक्श सिंह, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, राजाराव राम बक्ष सिंह लालचन्द्र स्वर्णकार की प्रतिमाओं को स्थापित किया। साथ ही पंडित श्रीशचन्द्र दीक्षित पर्यावणीय उद्यान भी बनवाया है। उन्होंने कहा कि रायबरेली के जितने भी शहीद स्थल हैं लगभग 110 फिट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज लगाकर मैने अपनी रायबरेली की शहादत को नमन किया।

सभी समस्याओं का समाधान रामराज्य इसके लिए बार बार मोदी सरकार : योगी

संवाददाता

गोरखपुर, 10 मई (नवसत्ता) गोरखपुर, बहराइच, 10 मई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गोरखपुर और बहराइच में चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। इस दौरान उनके निशाने पर कांग्रेस, सपा और बसपा रही। सीएम योगी ने विपक्षी दलों को रामद्रोही बताते हुए कहा कि वोट बैंक के लिए इन्हें न केवल श्रीराम मंदिर बेकार लग रहा है बल्कि आजादी के बाद 70 साल तक महाराजा सुहेलदेव का अपमान किया जाता रहा। सीएम योगी गोरखपुर में पार्टी प्रत्याशी रविकिशन के नामांकन में भी शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने महंत दिग्विजयनाथ पार्क में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। वहीं बहराइच के महसी में उन्होंने पार्टी प्रत्याशी डॉ आनंद कुमार गौड़ के समर्थन में रैली को संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा है कि देश की जनता के लिए सारी समस्याओं

का समाधान रामराज्य है और इसी के लिए जनता बार-बार मोदी सरकार को चुन रही है। जनता यही कह रही है, जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। हम उनको लाएंगे जिन्होंने रामराज्य की परिकल्पना को साकार किया है। गोरखपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण के औचित्य पर सवाल उठाने वाली सपा और कांग्रेस को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि तीसरे चरण के मतदान तक हताश हो चुके विपक्ष के नेता अब भगवान राम पर टिप्पणी करने लगे हैं। कोई कहता है कि राम मंदिर बेकार है तो कोई कहता है कि राम मंदिर से जनता को क्या लाभ है। योगी ने कहा कि आतंकवादियों की पैरवी करने वालों को तो राम मंदिर बुरा ही लगेगा। उन्होंने कहा कि सरकार में रहते हुए आज के विपक्ष ने राम जन्मभूमि पर आतंकी हमला करने वालों के खिलाफ, आज देश में हो रही कार्रवाई और यूपी में माफिया के खिलाफ हो रहे एक्शन जैसे कड़े कदम उठाए होते तो संकटमोचन मंदिर और कचहरी पर पर आतंकी हमले नहीं होते। उन्होंने कहा कि तब आतंकवाद पर घुटना टेकने की नीति का दुष्परिणाम रहा कि इन हमलों में हजारों लोगों को जान गंवानी पड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीसरे चरण में लोकसभा का चुनाव अब उस मोड़ पर पहुंच गया है जहां विपक्ष ने हार मान ली है। कांग्रेस, सपा बसपा सबने हार स्वीकार कर ली है। तीन चरणों में 285 सीटों पर यानी पूरे देश के अंदर आधा चुनाव संपन्न हो चुका है। योगी ने कहा कि चुनाव प्रचार में देश के अंदर उन्हें नौ राज्यों में जाने का अवसर प्राप्त हुआ है। पूरे देश के अंदर एक ही स्वर गूंज रहा है, फिर एक बार मोदी सरकार। बहराइच के महसी में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि आजादी के बाद से महाराजा सुहेलदेव राजभर का अपमान होता रहा है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर के गुनहगार सालार मसूद गाजी को मौत के घाट उतारकर बहराइच में उसकी कब्र बनाने वाले महा पराक्रमी महाराजा सुहेलदेव को केवल वोट बैंक के लिए कांग्रेस, सपा और बसपा ने सम्मान नहीं दिया, क्योंकि उन्हें डर था कि ऐसा करने पर सालार मसूद गाजी का भक्त वोटबैंक खिसक न जाए। मुख्यमंत्री ने महाराज सुहेलदेव के पराक्रम की भूमि और स्वाधीनता सेनानी राजा बलभद्र सिंह की पावन भूमि को कोटि कोटि नमन करते हुए उपस्थित जनसमूह को अक्षय तृतिया और परशुराम जयंती की शुभकामनाएं दीं।

रुद्राभिषेक कर योगी ने की प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना

गोरखपुर– स्वयंसिद्ध मुहूर्तों से सुसंपन्न अक्षय तृतीया की पावन तिथि पर शुक्रवार प्रातः बेला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक कर भगवान भोलेनाथ से प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। सीएम ने सभी नागरिकों को अक्षय तृतीया की हार्दिक बधाई भी दी। गोरखनाथ मंदिर स्थित पीठाधीश्वर आवास के प्रथम तल पर शक्तिपीठ में सीएम योगी ने देवाधिदेव महादेव को विल्व पत्र, कमल पुष्प, दूर्वा, अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने कर बाद दूध एवं फलों के रस से रुद्राभिषेक किया।

मठ के विद्वत पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन व आरती की। विधि विधान से पूर्ण हुए अनुष्ठान के उपरांत उन्होंने प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अक्षय तृतीया पर्व पर सभी नागरिको को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, सौभाग्य व समृद्धि के पावन पर्व अक्षय तृतीया की प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। त्रिभुवन स्वामी भगवान श्री विष्णु जी एवं मां लक्ष्मी जी से प्रार्थना है कि सभी का जीवन सुख-शांति, संपन्नता व उत्तम स्वास्थ्य से परिपूर्ण हो।

टेक्निशियन ने खुद को लगाए बेहोशी के 40 इंजेक्शन

संवाददाता

कानपुर, 10 मई (नवसत्ता) उत्तर प्रदेश के कानपुर से बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जहां एक शख्स प्यार में मिले धोखे बार इस कदर टूट गया या फिर दुखी हुआ कि उसने खौफनाक कदम उठा लिया। होटल के कमरे में खुद को बेहोशी के 40 इंजेक्शन लगाकर मौत को गले लगा लिया। इस घटना की जानकारी जब होटल के स्टॉफ को पता चली तो इलाके में हड़कंप मच गया। खबर लगते ही मौके पर पुलिस पहुंची और जांच पड़ताल की गई। दरअसल, हैरान कर देने वाली इस वारदात को अंजाम देने वाला युवक एक हॉस्पिटल के ऑपरेशन थियेटर का टेक्निशियन है। मृतक की पहचान विजय सिंह के रूप में गई है। जो कि अपनी ही अस्पताल में काम करने वाली नर्स से बेइंतहा मोहब्बत करता था। लेकिन जब उसे पता चला कि वो जिससे दिल और जान से ज्यादा प्यार करता है, वो उसे धोखा दे रही है तो उसने खुद को खत्म करने का प्लान बना लिया। युवक ने सुसाइड करने के लिए ग्लूकोज में बेहोशी की दवाओं का ओवरडोज लेकर अपने आप को समाप्त कर दिया। पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि विजय सिह प्राइवेट अस्पताल की नर्स से पांच साल से प्यार करता था। वह उससे शादी करना चाहता था। लेकिन लड़की उसके साथ रहना नहीं चाहती थी। इतना ही नहीं कुछ दिन पहले दोनों के बीच झगड़ा भी हुआ था। बताया जाता है कि युवक ने एक दिन किसी बात पर लड़की को मार दिया था, जिसके बाद से लड़की उससे दूर रहने लगी थी। इतना ही नहीं उसकी शिकायत पुलिस थाने में भी कर दी थी।

536 लाइसेंसी शस्त्र जब्त 4705 लाइसेंसी शस्त्र निरस्त

संवाददाता

लखनऊ, 10 मई (नवसत्ता) उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। 16 मार्च से 09 मई, 2024 तक पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 536 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किए गए हैं, जबकि 4705 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराए गए। इसी प्रकार शांति भंग की आशंका में सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए 27,20,387 लोगों को पाबंद किए जाने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं, जिनमें से 24,48,726 लोगों को पाबंद किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा 9059 बिना लाइसेंसी शस्त्र, 9149 कारतूस, 3019.32 किलोग्राम विस्फोटक व 522 बम बरामद कर सीज किए गए हैं। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 4016 केंद्रों पर रेड डाली गई और 173 केंद्रों को सीज किया गया।

गुरुवार को 32 हजार को किया गया पाबंद

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि 16 मार्च, 2024 को लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 की निर्वाचन तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। आयोग के निर्देशों के अनुपालन में पुलिस, आयकर, आबकारी, नार्कोटिक्स एवं अन्य विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

सघन जांच के लिए 464 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट तथा 1728 चेक पोस्ट राज्य के भीतर संचालित हैं। 9 मई, 2024 को पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 01 लाइसेंसी शस्त्र का लाइसेंस निरस्त कर जमा कराया गया।

सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए 32,124 लोगों को पाबंद किया गया। इसके अतिरिक्त बिना लाइसेंस के 63 शस्त्र, 65 कारतूस व 08 बम बरामद कर सीज किए गए। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 38 केंद्रों पर रेड डाली गई और 01 केंद्र को सीज किया गया।

अब परिवहन निगम की बसें देंगी सड़क सुरक्षा का संदेश

संवाददाता

लखनऊ, 10 मई (नवसत्ता) उत्तर प्रदेश में सड़क सुरक्षा को लेकर योगी सरकार लगातार लोगों को जागरूक कर रही है। जन जागरूकता के लिए सरकार न सिर्फ विभिन्न माध्यमों को अपना रही है,बल्कि अच्छी खासी राशि भी खर्च कर रही है। इसी क्रम में अब परिवहन निगम की बसों के माध्यम से भी सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता और प्रचार प्रसार किए जाने का निर्णय लिया गया है। निगम की बसों के पीछे सड़क सुरक्षा के स्लोगन और संदेश लगाए जाएंगे, जिससे बड़े पैमाने पर लोग सड़क सुरक्षा के विषय में अवेयर हो सकें। इसके लिए परिवहन निगम को 10 करोड़ की धनराशि आवंटित की जाएगी। अध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम एवं प्रमुख

सचिव परिवहन एल वेंकटेश्वर लू की अध्यक्षता में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में इसका अनुमोदन किया गया। बैठक में परिवहन विभाग एवं परिवहन निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में परिवहन विभाग द्वारा वर्ष 2024 -25 में राजस्व में वृद्धि के विषय पर चर्चा हुई। इस दौरान प्रमुख सचिव परिवहन द्वारा निगम की समस्त बसों के पीछे सड़क सुरक्षा संदेश के प्रचार प्रसार के लिए परिवहन विभाग के सड़क सुरक्षा कोष से उत्तर प्रदेश परिवहन निगम को 10 करोड़ रुपए की धनराशि आवंटित करने का अनुमोदन प्रदान किया गया। इस राशि से प्रदेश भर में संचालित हो रही सभी बसों के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश प्रचारित किया जाएगा। इस समय परिवहन निगम प्रदेश भर में 11,800 बसों का संचालन कर रहा है, जिसमें से 2500 बसें चुनाव ड्यूटी में लगी हैं। इन सभी बसों के पीछे सड़क सुरक्षा के स्लोगन और संदेश के माध्यम से जन जागरूकता का प्रयास किया जाएगा। इसमें लोगों को अपनी साइड में वाहन चलाने, कार चलाते वक्त सीट बेल्ट लगाने, एल्कोहल का सेवन कर वाहन न चलाने के साथ सड़क सुरक्षा से संबंधित अन्य संदेश शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश सरकार और परिवहन विभाग सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीरता के साथ कार्य कर रहा है। इसके तहत समय-समय पर सड़क सुरक्षा पखवाड़ा भी आयोजित किया जाता है। हाल ही में 22 अप्रैल से 4 मई के बीच सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मनाया गया, जिसमें बड़े पैमाने पर गतिविधियों के जरिए लोगों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। इसके तहत राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल प्लाजा के करीब चालकों के स्वास्थ्य और नेत्र परीक्षण के लिए कैंप लगाए गए, जबकि टोल प्लाजा पर ट्रैक्टर ट्रालियों में रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाए जाने की भी कार्यवाही की गई। इसके अतिरिक्त एनएचएआई पर अवैध कट बंद कर चेतावनी बोर्ड लगाने, ओवरलोडिंग तथा वे इन मोशन को क्रियाशील किया गया। इसके साथ ही रोड सेफ्टी क्लब एवं वालंटियर्स के माध्यम से 18 वर्ष से कम आयु के युवाओं को वाहन न चलाने के प्रति जागरूक किया गया तो वहीं दो पहिया वाहन चालकों को हेल्मेट अनिवार्य रूप से पहनने, स्टंटिंग न करने, रांग साइड ड्राइविंग, ओवरस्पीड, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न किए जाने के लिए प्रेरित किया गया।

एनजीओ के साथ कार्य करने से छात्रों के भीतर समाज के प्रति सेवा भाव में वृद्धि होगी : निदेशक

संवाददाता

लखनऊ, 10 मई (नवसत्ता) उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फरेंसिक साइन्स लखनऊ ने पहली बार किसी एनजीओ (एफएक्सबी इंडिया सुरक्षा, कालकाजी, न्यू दिल्ली) से एमओयू हस्ताक्षरित किया यह एमओयू संस्थान के निदेशक, डॉ0 जीके गोस्वामी एवं एफएक्सबी इंडिया सुरक्षा, कालकाजी, न्यू दिल्ली के सीईओ सत्य प्रकाश के बीच लखनऊ में हस्ताक्षरित हुआ । यूपीएस आईएफएस के निदेशक डॉ0 जीके गोस्वामी ने बताया कि एनजीओ से एमओयू हस्ताक्षरित कराने का मूल उद्देश्य यह है कि छात्रों को समाज से किसी न किसी माध्यम से सीधे जोड़ा जा सके । चूँकि एनजीओ के द्वारा सामाजिक स्तर पर निचले पायदान तक संवेदनशीलता के साथ मानवीय दृष्टिकोण से भी कार्य किये जाते हैं, उन कार्यो में

यूपीएसआईएफएस के छात्रों की भागीदारी से जहाँ समाज को हम अपनी सेवाओं से लाभान्वित करेंगे, वहीं पर छात्रों के भीतर भी समाज के प्रति सेवा भाव में वृद्धि होगी । उन्होंने बताया कि इस क्रम में आज यूपीएसआईएफएस ने एमओयू एफएक्सबी इंडिया सुरक्षा, कालकाजी, न्यू दिल्ली के साथ हस्ताक्षरित किया । डॉ0 गोस्वामी ने बताया कि एफएक्सबी इंडिया सुरक्षा, कालकाजी, न्यू दिल्ली एनजीओ द्वारा वर्तमान में देश के कई प्रान्तों में हाशिए पर रहने वाले लोगों को एकीकृत विकासात्मक सहायता प्रदान कर ग्रामीण और शहरी भारत में परिवार और समुदायों में बाल संरक्षण, महिला सुरक्षा और लिंग आधारित हिंसा के क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन और कार्यान्वयन करने के साथ-साथ शैक्षणिक, प्रशिक्षण, अनुसंधान और प्रकाशन का कार्य करना है । इस एनजीओ द्वारा मानव तस्करी के रोकथाम आदि पर भी कार्य किये जा रहे है । उन्होंने बताया कि यूपीएसएफआईएस के छात्रों द्वारा इस एनजीओ के साथ अपने शैक्षणिक सत्र में इंटर्नशिप कार्यक्रम किया जायेगा, जिसके माध्यम से छात्र जमीनी स्तर पर मानवीय पीड़ा को समझते हुए मूल कारणों पर कार्य कर सकेंगे । इस एमओयू से दोनों संस्थानों के बीच अनुसंधान, प्रशिक्षण और प्रकाशन पर बाल संरक्षण, महिला सुरक्षा और लिंग आधारित हिंसा के क्षेत्र में सहयोगात्मक प्रयास में वृद्धि होगा ।

यूपीएस आईएफएस, लखनऊ के फोरेंसिक विज्ञान, कानून और अन्य विज्ञान के छात्र एफएक्सबी इंडिया सुरक्षा में अनुसंधान इकाई की संयुक्त देखरेख में ही काम करेंगे । इस अवसर पर सीईओ श्री सत्य प्रकाश ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हर सिक्के के दो पहलू होते हैं और दोनों को देखना और जाँचना अनिवार्य है । उन्होंने छात्रों को मिशन वात्सल्य के बारे में बताया और कहा कि यह मिशन वात्सल्य बच्चों एवं महिलाओं की सुरक्षा एवं बेहतर जीवन के लिए समर्पित है, जिसका हम लोग पूर्णतया लाभ नहीं ले पा रहे हैं । उन्होंने निर्भया केस का भी उदाहरण देते हुए, उस अपराध में सम्मिलित नाबालिग के उपर भी प्रकाश डाला ।

कांग्रेस और सपा का डीएनए एक: ब्रजेश

संवाददाता

बलिया, 10 मई (नवसत्ता) उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के शीर्ष नेताओं का डीएनए एक है। विदेशी सरजमीं पर पढ़े लिखे ये लोग अवसरवादी है जिनका देश और प्रदेश के विकास से कोई सरोकार नहीं है। रामलीला मैदान में बलिया सदर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी व पूर्व प्रधानमंत्री के पुत्र नीरज शेखर की नामांकन सभा को संबोधित करते हुए श्री पाठक ने कहा ÷ सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की शिक्षा विदेश में हुयी है। इस नाते इनका डीएनए एक है। अखिलेश के पिता स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने चन्द्रशेखर से समाजवादी जनता पार्टी हथियाई जबकि अखिलेश ने मुलायम सिंह से

सपा हथिया ली।अखिलेश की शिक्षा आस्ट्रेलिया में तो राहुल का लालन पालन इटली के संस्कारों में हुआ है।इनका देश प्रदेश से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर ने कभी पद के लिए समझौता नहीं किया जब बलिया की बात आई तो पद को ठोकर मारने का काम किया। स्वर्गीय चंद्रशेखर ने 1979 में जनता दल से अलग होकर समाजवादी जनता पार्टी बनाने का काम किया था। अखिलेश के पिता मुलायम सिंह यादव समाजवादी जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हुआ करते थे। चंद्रशेखर दिल्ली में बैठे रहे और मुलायम सिंह ने 1992 में पूरी पार्टी पर कब्जा करके समाजवादी पार्टी में परिवर्तित करने का काम किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लोग कहते हैं इतिहास अपने-आप को दोहराता है। जब सन् 2016 में समाजवादी पार्टी का युद्ध हुआ तो ठीक वैसे ही जब अखिलेश के पार्टी-परिवार में फूट हुई तो अखिलेश यादव ने भी मुलायम सिंह यादव को अलग करके समाजवादी पार्टी को कब्जा करने का काम किया। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के लोग असली समाजवादी नहीं हैं ये केवल पूंजीपतियों और परिवार आगे बढ़ाने का काम करते हैं। अखिलेश यादव की पीडीए केवल परिवार डेवलपमेंट अथार्टी है। श्री पाठक ने कहा कि ÷सपा के लोग अक्सर बयान दे देते हैं कि राम मंदिर में पूजा करने वाले लोग पाखंडी है तथा राम मंदिर का वास्तु और डिजाइन खराब है। लेकिन यह लोग कभी अल्पसंख्यक समुदाय के धार्मिक ग्रन्थों के बारे में नहीं बोल सकते हैं। ये जानते हैं कि सनातन धर्म के लोग सहिष्णु हैं स्वीकार करते हैं। संवाददाताओं से बातचीत में हिन्दू-मुसलमान की राजनीति के सवाल पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सिर्फ और सिर्फ डेवलपमेंट के मुद्दे पर चुनाव लड़ रही है।

एलडीए ने दो अवैध व्यावसायिक निर्माण किये सील

संवाददाता

लखनऊ, 10 मई (नवसत्ता) लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देश पर शहर में अवैध निर्माण के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार को प्रवर्तन जोन-1 व जोन-2 की टीम ने कार्यवाही की। इस दौरान प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना अवैध रूप से कराये जा रहे 02 व्यावसायिक निर्माणों को सील किया गया।

प्रवर्तन जोन-1 की जोनल अधिकारी वंदना पाण्डेय ने बताया कि प्रकाशिनी मिश्रा व अन्य द्वारा गोमती नगर विस्तार के भैसोरा में एसटीपी रोड पर शिव नगर तिराहा के पास लगभग 120 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर अवैध रूप से दुकानों का निर्माण कराया गया था। जिसके विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए सीलिंग के आदेश पारित किये गये थे। इसके अनुपालन में सहायक अभियंता उदयवीर सिंह के नेतृत्व में अवर अभियंता आशीष कुमार श्रीवास्तव द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से कॉम्प्लेक्स को सील कर दिया गया।

प्रवर्तन जोन-2 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि कलाम अहमद व अन्य द्वारा सुल्तानपुर रोड पर खुर्दही बाजार, माढ़रमऊ खुर्द में सिंचाई विभाग गोदाम के सामने लगभग 10,000 वर्गफिट क्षेत्रफल के भूखण्ड पर कॉमर्शियल बिल्डिंग का निर्माण कराया जा रहा था।

प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना किये जा रहे इस अवैध निर्माण के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए सीलिंग के आदेश दिये गये थे।

जिसके अनुपालन में सहायक अभियंता अनिल कुमार के नेतृत्व में अवर अभियंता सुशील कुमार सिंह, ऋतुपाल व विपिन बिहारी राय द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से उक्त अवैध निर्माण को सील कर दिया गया।

रामलला के दर पर पहुंचे उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़

अयोध्या में हनुमानगढ़ी में भी किया दर्शन-पूजन, की सरयू मैया की आरती

संवाददाता

अयोध्या, 10 मई (नवसत्ता) उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ ने आज अयोध्या में श्रीरामलला के दर्शन किये। उपराष्ट्रपति पत्नी सुदेश धनखड़ के साथ अयोध्या में दर्शन पूजन करने पहुंचे। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से उपराष्ट्रपति सीधे हनुमानगढ़ी मंदिर पहुंचे। उपराष्ट्रपति ने हनुमानगढ़ी में दर्शन पूजन किया। राम जन्मभूमि परिसर के भव्यमंदिर में भगवान के बाल स्वरूप का दर्शन पूजन किया।

अक्षय तृतीया के मौके पर आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में भी वह सपत्नीक शामिल हुए। इसके बाद कुबेर टीला जाकर उन्होंने भगवान शिव के मंदिर में दर्शन और पूजा किया। उप राष्ट्रपति शुक्रवार शाम करीब चार बजे महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर पहुंचे।

यहां योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री/अयोध्या के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने उपराष्ट्रपति का फूल माला से भव्य स्वागत किया। रामलला के चरणों में झुकाया शीश उपराष्ट्रपति ने भगवान श्रीराम के बाल स्वरूप विग्रह का विधि-विधान से दर्शन पूजन कर रामलला की आरती उतारी। श्रीराम का दीदार कर वे भावविभोर हो गए। उनके स्वागत में मंदिर परिसर सहित पूरे गर्भगृह को भव्य रूप से फूलों से सजाया गया था। रामलला का दर्शन पूजन करने के बाद कुबेर टीला पहुंचे, जहां उन्होंने परिवार संग कुबेश्वर महादेव का विधि विधान से दर्शन-पूजन कर आरती उतारी। इससे पहले उन्होंने सरयू मैया की उतारी आरती। यहां उन्होंने 2100 बत्ती से आरती की। वहां से उपराष्ट्रपति सरयू आरती करने पहुंचे। उप राष्ट्रपति ने करीब आधे घंटे तक सरयू का दर्शन पूजन और आरती की।

ठंडे पानी से मिल रहा मरीजों को सुकून!

संवाददाता

लखनऊ, 10 मई (नवसत्ता) 60 वर्षीय खातून को कैंसर की सर्जरी के बाद सिकाई करनी थी .केजीएमयू के शताब्दी फेस 2 परिसर में पेड़ के नीचे धूप से बचने के प्रयास में लेटी हुई थी .पास ही बेटी समीना खड़ी थी। जब श्रीमती रवि सेवा केंद्र द्वारा निशुल्क ठंडे पानी की बोतल व बिस्किट बट रहा था तो इशारों में बेटी से भी लेने के लिए कहा।सेवा केंद्र के संयोजक अमित कुमार यह देखते ही तेज कदमों से शाहिदा खातून के पास जा पहुंचे और उन्हें ठंडे पानी की बोतल और बिस्कुट दिया ऐसा लगा उन्हें बहुत सुकून मिल गया। गौरतलब है कि श्रीमती रवि चावला सेवा केंद्र द्वारा एक माह से% पानी के दानी% बने कार्यक्रम चलाया जा रहा है .जिसके अंतर्गत अस्पतालों में मरीजों तथा उनके परिजनों को इस आग उगलती हुई गर्मी से राहत देने के लिए ठंडे पानी की बोतल व बिस्कुट आदि निशुल्क बांटा जा रहा है। पहले चरण में केजीएमयू के न्यू ओपीडी ब्लॉक तथा दूसरे चरण में ट्रॉमा सेंटर

में पानी का वितरण किया गया था .इस बार केजीएमयू के ही शताब्दी फेस 2 चिकित्सालय परिसर में पानी की ठंडी बोतले व बिस्किट का वितरण किया गया। क्योंकि यहां ज्यादातर मरीज ही अपनी जांच के इंतजार में बाहर प्रांगण में ही बैठे रहते हैं इसलिए आज के कार्यक्रम में ठंडा पानी पीकर मरीजों के साथ उनके परिजनों को भी बहुत राहत मिली. आज का वितरण कार्यक्रम श्रीमती रवि चावला सेवा केंद्र और लोक भारती इंटर कॉलेज ,गीता पल्ली, आलमबाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया था। जिसमें कॉलेज के प्रबंध निदेशक नमन दीक्षित और प्रधानाचार्य ममता दीक्षित का विशेष सहयोग रहा।

सम्पादकीय

प्लास्टिक संधि पर सभी देशों को एकजुट होना चाहिए

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के अनुसार, प्रति मिनट एक ट्रक प्लास्टिक कचरा समुद्र में समाहित हो जाता है। ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में प्लास्टिक की हिस्सेदारी 3.4 प्रतिशत से अधिक है। दुनियाभर में सृजित प्लास्टिक कचरे का मात्र 10 प्रतिशत ही रिसाइकिल किया जा सकता है। इसमें पाये जाने वाले रसायन मानवीय एवं पर्यावरणीय सेहत के लिए काफी खतरनाक बताये गये हैं। प्लास्टिक पर जरूरत से अधिक निर्भरता ने जैव विविधता पर ग्रहण लगा दिया है।

ऐसे में संयुक्त राष्ट्र संघ की पहल पर प्लास्टिक प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय संधि को अंतिम रूप देने का प्रयास हो रहा है। अप्रैल के 23 से 29 तारीख के बीच कनाडा की राजधानी ओटावा में प्लास्टिक संधि को लेकर चौथे दौर की वार्ता भले ही बेनतीजा रही, पर उम्मीद की जा रही है कि वर्ष के अंत में दक्षिण कोरिया के बुसान शहर में इसके अंतिम मसौदे पर मुहर लग जायेगी।

वर्ष 2015 के पेरिस समझौते के बाद प्लास्टिक संधि पर्यावरण संरक्षण के लिए सबसे अहम अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता मानी जा रही है। यूएन के विशेषज्ञ समूह ने 2017 में प्लास्टिक प्रदूषण से निजात पाने के लिए अंतरराष्ट्रीय संधि की सिफारिश की थी। पिछले आठ वर्ष से अलग-अलग वार्ताओं में इसके मसौदे पर बहस जारी है। प्लास्टिक संधि के कुछ प्रावधानों पर दुनिया दो खेमों में बंट गयी है। संधि में तकरार का सबसे बड़ा मुद्दा धरती को जहरीला बनाने वाले प्लास्टिक के उत्पादन में कटौती से जुड़ा है।

एक तरफ हाई एंबीशन कोएलिशन (एचएसी) है, जिसने प्लास्टिक प्रदूषण से निजात पाने में कचरे के निस्तारण के साथ इसके उत्पादन को सीमित करने की वकालत की है। दूसरी ओर ग्लोबल कोएलिशन फॉर सस्टेनेबल प्लास्टिक समूह है। इस समूह में भारत समेत रूस, ईरान, सऊदी अरब, चीन, क्यूबा और बहरीन जैसे देश शामिल हैं। इन देशों का कहना है कि विकासशील देशों के लिए प्लास्टिक उत्पादन में बाध्य होकर कटौती करना व्यावहारिक नहीं है।

यह समूह प्लास्टिक जनित प्रदूषण से निपटने के लिए स्वैच्छिक कदमों को प्रोत्साहित करने वाली संधि का पक्षधर है। इसमें प्लास्टिक के वैज्ञानिक निस्तारण के लिए तकनीक और वित्तीय आदान-प्रदान को वरीयता देने की मांग की गयी है। एशिया-पैसिफिक देशों का समूह इस मुद्दे पर एक राय रखता है। अफ्रीकी देशों के समूह ने भी बहुपक्षीय कोष बनाने की वकालत की है।

प्लास्टिक संधि के अंतिम मसौदे को मंजूरी न मिल पाने के पीछे अमेरिकी अड़चन भी वजह बनी है। दुनिया में सबसे अधिक प्लास्टिक खपत करने वाले अमेरिका की दलील है कि प्लास्टिक संधि पेरिस समझौते की तरह स्वैच्छिक बने। यानी देशों को प्लास्टिक जनित कार्बन प्रदूषण कम करने का लक्ष्य मिले। यहां उल्लेखनीय है कि अमेरिका पांच प्रतिशत से भी कम प्लास्टिक रिसाइकिल कर पाता है। प्लास्टिक उत्पादन का सीधा संबंध तेल और गैस उद्योग से जुड़ा है। इसमें इस्तेमाल होने वाले अहम पदार्थ कच्चे तेल एवं नेचुरल गैस से हासिल किये जाते हैं। इसी कारण पेट्रोकेमिकल लॉबी के साथ जीवाश्म ईंधन पर निर्भर देश प्लास्टिक संधि के सख्त प्रावधानों के खिलाफ हैं।

पेट्रोकेमिकल उद्योग के प्रतिनिधियों की मांग है कि प्लास्टिक के उत्पादन में कटौती की जगह उसकी रिसाइक्लिंग और वस्तुओं की डिजाइनिंग को टिकाऊ बनाया जाए। प्लास्टिक जनित प्रदूषण अब जिस स्तर पर पहुंच चुका है, ऐसी स्थिति में कड़े फैसले लेने ही होंगे। प्लास्टिक के उत्पादन में कटौती अहम विकल्प हो सकता है, परंतु विकासशील देशों के रोजगार परिदृश्य और उनकी सामाजिक परिस्थितियों पर भी विचार करना होगा। प्लास्टिक संधि यदि अस्तित्व में आती है, तो दुनियाभर में सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा मिलेगा। प्लास्टिक के उत्पादन में कटौती हो, पर बेहतर होगा कि यह स्वैच्छिक और आम सहमति से हो। विकासशील देश प्लास्टिक के विकल्पों पर निवेश बढ़ा सकें, इसके लिए उन्हें तकनीक और आर्थिक सहयोग देना टाला नहीं जा सकता। यदि विकासशील और छोटे देशों को वित्तीय मदद और रिसाइक्लिंग टेक्नोलॉजी उपलब्ध हो, तो प्लास्टिक संधि कहीं अधिक कारगर होगी।

विकासशील देशों को भी प्लास्टिक कचरे के स्थायी समाधान के लिए विकल्पों की ओर बढ़ना होगा। भारत ने प्लास्टिक प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए पिछले कुछ वर्षों में कई नीतिगत कदम उठाये हैं। सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध भी इनमें से एक है, परंतु ऐसी हर कवायद कुछ दिन चलने वाले अभियान और कागजों में कैद होकर रह जाती है। इपीआर जैसी योजनाओं को यदि पारदर्शिता और सख्ती से लागू किया जाए तो इसके बेहतरीन परिणाम देखने को मिलेंगे।

मुद्दा

झारखंड में भ्रष्टाचार की गहरी जड़ें

रोहित माहेश्वरी

बीते कई दिनों से झारखंड सुर्खियों में है। सुर्खियों में रहने की वजह गर्व करने लायक नहीं है। ताजा प्रकरण, झारखंड सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम से परोक्ष रूप से जुड़ा है। उनके निजी सचिव के घरेलू नौकर के घर से 35 करोड़ रुपए से अधिक की 'काली कमाई' बरामद हुई है। आश्चर्य इस बात का है कि एक नौकर स्तर का व्यक्ति कितना भी भ्रष्टाचार करे लेकिन उसके घर बैगों में भरे करोड़ों के नोट बरामद नहीं किए जा सकते। यकीनन इस संदर्भ में उसे 'बलि का बकरा' बनाया गया है। तो फिर सवाल है कि काली कमाई के नोट किसके हैं?

क्या नौकर का घर 'कलेक्शन सेंटर' बना था? ईडी के अफसरों को मंत्री के निजी सचिव पर तो शक था लिहाजा नौकर का पीछा भी किया गया। अक्सर उसके हाथ में एक बैग होता था, लेकिन घर से बाहर आते हुए उसके हाथ खाली होते थे। अंततः ईडी ने छापेमारी की, तो नोटों से भरे बैग मिले और उसी के साथ भ्रष्टाचार का एक रहस्य खुला। सवाल मंत्री के कारनामों पर भी है, क्योंकि ईडी ने जिन इंजीनियरों और अन्य कर्मचारियों की धरपकड़ की है, उनमें से कइयों ने मंत्री की संलिप्तता का भी खुलासा किया है। दलाली का एक खेल उस विभाग में खेला जा रहा था। ठेका देने के बदले 3 फीसदी की दलाली ली जाती थी। मंत्री और निजी सचिव की 'कटमनी' ज्यादा और अलग थी। अफसरों की पोस्टिंग और ट्रांसफर की बोलियां अलग से लगती थीं। यह जांच एजेंसियों का दुरुपयोग नहीं, बल्कि आम आदमी से भ्रष्ट जमात ने जो भी लूटा है, उसकी पाई-पाई वापस वसूली जानी चाहिए।

याद कीजिए इस साल 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से दिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण। 77वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने 3 बुराइयों के खिलाफ लड़ाई का आह्वान किया था, जिनका देश सामना कर रहा है- भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण। साथ ही 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' द्वारा 'भ्रष्टाचार बोध सूचकांक' 2023 जारी किया गया। समग्र तौर पर यह सूचकांक दर्शाता है कि पिछले एक दशक में अधिकांश देशों में भ्रष्टाचार पर नियंत्रण की स्थिति या तो काफी हद तक स्थिर या खराब रही है। भारत ने भ्रष्टाचार बोध सूचकांक 2023 में 40 अंक प्राप्त किये। असल में झारखंड देश का गजब प्रदेश है। कभी पॉलिटिशियन पर रिश्वतखोरी का आरोप लगता है तो कभी अफसर-दलालों का गठजोड़ भ्रष्टाचार में लिप्त दिखाई देता है। दो आईएएस और एक चीफ इंजीनियर करप्शन के आरोप में जेल जा चुके हैं। घोटाले भी गजब के, कभी कोयला घोटाला, कभी लौह अयस्क घोटाला खनन-परिवहन घोटाला, मनरेगा घोटाला, नियुक्ति घोटाला तो अब जमीन घोटाला। झारखंड में भ्रष्टाचार की जड़े इतनी गहरी हो गई हैं कि ऊपर से लेकर नीचे तक के अधिकारी व कर्मचारी इसमें फंसे हुए हैं। इसके बावजूद सरकारों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। आलम यह है कि राज्य के कई आईएएस अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं, लेकिन आज तक कार्रवाई के नाम पर बस फाइल इधर से उधर से होती रही। झारखंड की बदकिस्मती है कि प्रकृति ने उसे खूब संसाधन दिए हैं, बेशकीमती खनिज दिए हैं, लेकिन फिर भी वह गरीब और भ्रष्ट है। दरअसल झारखंड का राजनीतिक नेतृत्व फितरत से ही भ्रष्ट रहा है। बेशक वह शिबू सोरेन हों नरसिंह राव सरकार बचाने वाले सांसद हों, मुख्यमंत्री रहे मधु कौड़ा और कुछ माह पूर्व तक मुख्यमंत्री रहे हेमंत सोरेन हों, सभी दागदार और भ्रष्ट रहे हैं। जेल में भी रहे हैं। हेमंत सोरेन अब भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मामलों में न्यायिक हिरासत में हैं। कोई पर्यटन करने तो जेल में नहीं जाता! राजनेताओं के अलावा, आईएएस या अन्य शीर्ष अधिकारियों के घरों से भी करोड़ों की नकदी बरामद की गई है। उनके पास अकूत संपत्तियां भी मिली हैं, लिहाजा उन्हें जब्त किया गया है। कई ऐसे सफेदपोश चेहरे जेल की सलाखों के पीछे हैं।

झारखंड में धीरज साहू जैसे कांग्रेसी और ओबीसी सांसद भी हैं जिनके घर और अन्य ठिकानों से 350 करोड़ रुपए से अधिक के नकदी नोट बरामद किए गए। घर के कमरों में नोट ऐसे सजाए गए थे मानो नकदी का कोई शोरूम हो! काली कमाई के ये पहाड़ कैसे संजो लिए जाते हैं, आम आदमी के लिए यह आश्चर्य की मीनारें हैं। साहू जी आज भी सांसद हैं। ईडी ने क्या कार्रवाई की, सब कुछ रहस्य है, क्योंकि हमने ऐसे काले धन्नासेठ को जेल जाते हुए भी नहीं देखा। देश में काले, भ्रष्ट नकदी पहाड़ों के गोदाम भरे हुए हैं प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन कड़वा सच लगता है। देश के कई हिस्सों में ऐसे गोदामों को दबोचा गया है अदालत में भी केस हैं, लेकिन आम आदमी न्याय का मारा है।

हम मानते हैं कि ईडी मंत्री पर साक्ष्यों और गवाहों के बिना हाथ नहीं डालेगा, लेकिन यह भ्रष्टाचार देश के कोने-कोने में कब तक जारी रहेगा। घूस और दलाली तो व्यवहार बन गए हैं। प्रधानमंत्री प्रतिबद्ध दिखते हैं कि वह ऐसी एक भी पाई खाने नहीं देंगे। ऐसी चोरी बंद करके रहेंगे। भ्रष्ट लोगों की कमाई और लूट बंद करके रहेंगे बेशक भ्रष्टाचारी उन्हें गालियां देते रहें। झारखंड पर 1.30 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। राज्य के नागरिक की औसत कमाई 7000 रुपए माहवार है। देश के राज्यों में विकास के मद्देनजर झारखंड का स्थान 30वां है। आलमगीर आलम कांग्रेस विधायक दल के नेता हैं। गठबंधन सरकार में कांग्रेस नेतृत्व ने उनका नाम सबसे पहले संस्तुत किया था। वह राज्य विधानसभा के स्पीकर भी रहे हैं। सवाल है कि एक साईकिल चलाने वाले नौकर के पास 35 करोड़ रुपए से अधिक का धन कहां से आया?

इस देश के हर आम और खास आदमी को पता है कि देश में हो रहे अपराधों को रोकने के लिए सैकड़ों कानून हैं। पुलिस है, सीबीआई है और नीचे से ऊपर तक न्यायिक तंत्र का जाल है, पर क्या इसके बावजूद समाज में अपराध घट रहे हैं? नहीं फिर भी लोगों को लगातार बहकाया जा रहा है कि सख्त कानून से भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा। जबकि अपराध शास्त्र के शोध बताते हैं कि कानून से केवल पांच फीसदी अपराध कम होते हैं। बाकी 95 फीसदी अपराध कम करने के लिए अन्य प्रयासों की जरूरत होती है। भ्रष्टाचार भी चूंकि एक अपराध है, इसलिए इसे समाप्त करने से पहले हमें समझना होगा कि यह अपराध क्यों हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार भ्रष्टाचार को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए हैं। साल 2014 में केंद्र में आने के बाद से मोदी सरकार ने भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस का रवैया अपनाया है, जिसके चलते जांच एजेंसियों ने भी सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर लाखों करोड़ों रुपये की संपत्ति अब तक जब्त की है।

राजनीति

पहले आम चुनाव में बलिया ने दिखाए बागी तेवर

उमेश चतुर्वेदी

आम चुनावों के बीच तमाम तरह से मुद्दे छाये हुए हैं.. कुछ जगहों पर बाहरी उम्मीदवार को लेकर स्थानीय वोटर और पार्टी कार्यकर्ता नाराज हैं। ऐसी कहानियां तमाम पार्टियों की है। कभी पार्टी अनुशासन का भय दिखाकर तो कहीं पुचकार कर कार्यकर्ताओं को मनाया जा रहा है। ताकि वे समर्थक वोटरों को मतदान केंद्र तक ला सकें।

लेकिन कई जगह वोटरों को मनाना पार्टियों के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। तो कई जगहों पर बाहरी उम्मीदवार के पीछे स्थानीय कार्यकर्ता अभिभूत नजर आ रहे हैं। जितनी भारत की संस्कृति विविधरंगी है जितना बहुरंगी अपना समाज है, उतने ही रंग चुनाव में भी दिख रहे हैं। आजादी के बाद का पहला ही चुनाव था..आजादी के आंदोलन की अगुआ रही कांग्रेस की पूरे देश में तूती बोल रही थी। तपे-तपाए नेताओं के आभामंडल से भारतीय राजनीतिक क्षितिज दैदीप्यमान था, इसके बावजूद पंडित नेहरू देश की राजनीतिक धुरी बने हुए थे, चुनावों में नेहरू जहां भी जाते, वहां भीड़ लग जाती। लेकिन उसी नेहरू की बात को बलिया ने एक नहीं सुनी। ठीक उसी अंदाज में कांग्रेसी आलाकमान से बगावत कर दिया, जिस अंदाज में एक दशक पहले अंग्रेजों से बलिया का शासन छीन लिया था। दूसरे आम चुनाव में पंडित नेहरू ने गोविंद मालवीय को बलिया में कांग्रेस का उम्मीदवार बनाकर मैदान में उतार दिया था। गोविंद मालवीय कोई मामूली शख्सियत नहीं थे। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक कांग्रेस और हिंदू महासभा के अध्यक्ष रहे पंडित मदनमोहन मालवीय के बेटे थे। गोविंद मालवीय की भी ख्याति मशहूर शिक्षाविद् के रूप में थी। नेहरू को लगा कि महामना मालवीय की प्रतिष्ठित विरासत और कांग्रेसी साख के साथ गोविंद मालवीय बलिया से चुनावी नैया पार लगा ले जाएंगे। नेहरू ने तब बलिया के कांग्रेस नेताओं से सलाह लेना भी उचित नहीं समझा।

दरअसल बलिया की कांग्रेस कमेटी ने पहले चुनाव की उम्मीदवारी के लिए दो लोगों मुरली मनोहर श्रीवास्तव और उनके पिता और मशहूर पत्रकार दुर्गा प्रसाद गुप्त के नाम सुझाए थे। लेकिन कांग्रेस आलाकमान ने संविधान सभा के सदस्य रहे और कुछ ही दिन पहले काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति पद से हटे गोविंद मालवीय को उम्मीदवार बना दिया। बलिया के लोगों को यह नागवार गुजरा। उन्हें गोविंद मालवीय की उम्मीदवारी मंजूर नहीं हुई। ऐसा नहीं कि बलिया के लोग महामना मालवीय को नहीं जानते थे। ऐसा भी नहीं कि गोविंद मालवीय के बारे में स्थानीय लोगों को पता नहीं था। लेकिन बलिया को बाहरी उम्मीदवार मंजूर नहीं था। बलिया के कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के तत्कालीन आलाकमान के सामने स्थानीय उम्मीदवार देने की मांग रखी। लेकिन उनकी मांग नकार दी गई। नेहरू ने गोविंद मालवीय की उम्मीदवारी हटाने से इनकार कर दिया। बलिया के लोगों को यह बात नागवार लगी। बयालिस के आंदोलन में अंग्रेजों से आजादी हासिल कर लेने वाले बलिया के लोगों को बाहरी उम्मीदवार पसंद नहीं आया। बलिया के गांवों, चट्टी-चौराहों पर बाहरी उम्मीदवार की चर्चा आम हो गई। गोविंद मालवीय से लोगों को निजी तौर पर किसी को एतराज नहीं था। लेकिन बलिया को ऐसा लगा कि बाहरी उम्मीदवार एक तरह से उनके स्वाभिमान को चुनौती है।

बलिया में बाहरी बनाम स्थानीय की चर्चा आम हो गई। गांव-गांव एक राय बनती चली गई कि स्थानीय उम्मीदवार को ही वोट देना है। बलिया के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं पर स्थानीय उम्मीदवार देने का दबाव बढ़ने लगा। इस दबाव में कांग्रेस के स्थानीय नेतृत्व ने उम्मीदवार की खोज शुरू की और उसकी निगाह जाकर बलिया के प्रतिष्ठित वकील मुरली मनोहर लाल पर टिक गई। मुरली मनोहर लाल को स्थानीय लोग मुरली बाबू के नाम से जानते थे। मुरली बाबू की वकील के रूप में प्रतिष्ठा थी।

1942 में बलिया पर कब्जा करने के बाद अंग्रेज सरकार ने लोगों पर खूब अत्याचार किए। लोगों के खिलाफ तमाम तरह के मुकदमे दर्ज किए गए। संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। लोगों की इस पीड़ा की कहानी फिरोज गांधी तक पहुंची। फिरोज गांधी ने बलिया का दौरा किया था। तब सड़कें नहीं थी, आवागमन के साधन नहीं थे। तब फिरोज गांधी तांगे से पीड़ितों के पास पहुंचे। लोगों पर हुए अत्याचार और नुकसान की रिपोर्ट तैयार की। उसके बाद उन्होंने मुरली बाबू की अगुआई में वकीलों का एक समूह तैयार किया, जो लोगों पर हुए अंग्रेजी शासन के अत्याचार को अदालत में चुनौती दे सके। फिरोज गांधी से मिली जिम्मेदारी का मुरली बाबू ने पूरी शिद्दत से निभाया था। इस वजह से भी बलिया में उनकी प्रतिष्ठा थी। उस दौर के लोग बताते हैं कि शुरू में मुरली बाबू चुनाव लड़ने को तैयार नहीं हुए। लेकिन जन दबाव में उन्होंने चुनावी मैदान में उतरना स्वीकार किया और कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार गोविंद मालवीय के खिलाफ ताल ठोक दिया।

अपनी बात

स्वार्थ से प्रेरित है भारत विरोधी प्रचार

अनिल त्रिगुणायत

पश्चिमी सरकारों, संस्थानों और मीडिया द्वारा भारत विरोधी नैरेटिव बनाने की कोशिश के बारे में विदेश मंत्री एस जयशंकर का जो बयान आया है, वह पूरी तरह सही है। भारत के विकास तथा उसके वैश्विक प्रभाव को बाधित करने की मंशा से कुछ देश हमारे विरुद्ध तरह-तरह का दुष्प्रचार कर रहे हैं। ऐसा केवल सरकारों की ओर से नहीं किया जा रहा है, बल्कि इसमें मीडिया और संगठनों की भूमिका भी है।

उदाहरण के तौर पर, जॉर्ज सोरोस और उनके फाउंडेशन की ओर से खुले रूप से देश में सरकार बदलने की बातें कही गयी हैं। इस तरह के अनावश्यक हस्तक्षेप और दबाव बनाने की कोशिशें पहले भी होती रही हैं, पर देश में चुनावी सरगर्मी शुरू होने के साथ इसमें तेजी आयी है। पश्चिमी सरकारों और मीडिया ने निज्जर और पन्नू के मामलों में भारतीय एजेंसियों के शामिल होने की निराधार बातें की, मानवाधिकार को लेकर सवाल उठाने के प्रयास हुए, आंतरिक राजनीति, प्रशासन और कानून व्यवस्था के बारे में टिप्पणियां की गयीं। भारत सरकार की ओर से कड़ा एतराज दर्ज कराया गया है। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि यह सब एक सोची-समझी रणनीति के तहत किया जा रहा है। एक प्रकार से यह उनका विशेष टूल-किट है, जिसे वे अपनी मीडिया के जरिये बढ़ाना चाहते हैं।

इसी क्रम में पश्चिम के कई देशों ने अपनी संस्थाएं स्थापित की हुई हैं, जिन्हें वे शोध संस्थान और नागरिक समाज की श्रेणी में रखते हैं। ये समूह तथ्यों को तोड़-मरोड़कर तथा पूर्वाग्रह से ग्रस्त अपने विश्लेषण को बिल्कुल पेशेवर अंदाज में प्रस्तुत करते हैं। उदाहरण के लिए, हमने कई बार देखा है कि लोकतंत्र सूचकांक में पाकिस्तान जैसे देशों को भारत से ऊपर दिखा दिया जाता है मीडिया की स्वतंत्रता के सूचकांक में भारत की तुलना में अफगानिस्तान को बेहतर बता दिया जाता है। इससे स्पष्ट है कि ऐसे सूचकांकों या रिपोर्टों की विश्वसनीयता नहीं है। उनका एजेंडा एक खास तरह का नैरेटिव बनाना है, सो वे उसी दिशा में काम करते रहते हैं। ऐसा वे इसलिए कर पाते हैं कि उनके पास एक मजबूत मीडिया है। अनेक देशों, जिनमें भारत भी शामिल है, का मीडिया कई मामलों में पश्चिम की अंग्रेजी मीडिया पर निर्भर और उससे प्रभावित रहता है। जानकारी के अभाव में या उनके प्रभाव में भारत में भी मीडिया कई बार पश्चिम मीडिया की बातों को दोहराता रहता है। इसका लोगों पर असर होता है, जो खतरनाक है क्योंकि वे ऐसी खबरों पर भरोसा कर लेते हैं। आजकल सोशल मीडिया का प्रभाव बहुत बढ़ गया है। विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर लोग बिना सोचे-विचारे खबरों को साझा कर आगे बढ़ाते रहते हैं। जब तक कोई प्रतिक्रिया आये या उसका खंडन हो, बात बहुत दूर तक फैल चुकी होती है। जबकि होना यह चाहिए कि लोग साझा करने से पहले खबरों की पड़ताल करें और उसके निहितार्थों को समझें। ऐसी स्थिति में हमें ठोस तैयारी की आवश्यकता है। भारत के विरुद्ध पश्चिम या कुछ अन्य देशों की सरकारों और मीडिया द्वारा जो नैरेटिव रचने का उपक्रम चल रहा है, उसे ग्रे-जोन वॉरफेयर कहा जाता है।

चिंतन

क्या है भारत की मध्य एशिया नीति?

अभिनय आकाश

सुपर पावर मुल्क होने का दंभ भरने वाला अमेरिका, बात-बात पर दुनिया को आंखें दिखाने वाला चीन और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक रूस जैसे देशों के बीच भारत ने एक बड़ा और असरदार देश न सिर्फ बनकर दिखाया है बल्कि संकट के समय में अन्य देशों के लिए सहयोग का हाथ भी बढ़ाया है। भारत एक के बाद एक अपने फैसले, नीतियों और सहयोग से परचम लहरा रहा है बल्कि विदेशी नेताओं और जनता को भी अपना कायल बना रहा है।

कोरोना से लड़ाई हो या विदेशों से रेस्क्यू, भारत बड़े भाई की भूमिका में न सिर्फ नजर आया है बल्कि अपनी व्यवहारिकता से इस बात का भान भी दुनिया को कराया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 सालों में अंतराष्ट्रीय राजनीति में वह कद बनाया है जो चीन और पाकिस्तान के हुक्मरान सोच भी नहीं सकते। मोदी की गिनती आज अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जैसे नेताओं के साथ होती है। बल्कि अप्रूवल रेटिंग की मानें तो मोदी की पॉपुलैरिटी इन सब से काफी आगे है। भारत का मध्य एशिया के साथ कई सहस्राब्दियों से ऐतिहासिक सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध रहा है। तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से 15वीं शताब्दी ईस्वी तक भारत से मध्य एशिया और सिल्क रोड के पार वस्तुओं, विचारों और विचारों का तीव्र व्यापार हुआ।

विविधताओं से भरा हमारा भारत, सांस्कृतिक रूप से विशाल होने के साथ-साथ भौगोलिक तौर पर भी अद्भुत है। वर्तमान समय में मध्य एशियाई गणराज्य भारत के विस्तारित पड़ोस का निर्माण करते हैं। मध्य एशिया में शांति और सुरक्षा भारत में शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। इसका अफगानिस्तान में शांति और सुरक्षा से गहरा संबंध है। तीन मध्य एशियाई गणराज्य- ताजिकिस्तान उज्बेकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान अफगानिस्तान के साथ सीमाएं साझा करते हैं। भारत और मध्य एशिया को अफगानिस्तान में सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए रूस, ईरान चीन और पाकिस्तान जैसी अन्य क्षेत्रीय शक्तियों के साथ-साथ अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ सहयोग की आवश्यकता है। अगस्त 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिका और नाटो देशों की अचानक और अनौपचारिक वापसी के बाद काबुल पर तालिबानी कब्जे ने भारत और मध्य एशिया के बीच कनेक्टिविटी के लिए कई चुनौतियां पैदा कर दी हैं। यह क्षेत्र तेल, गैस (तुर्कमेनिस्तान में प्राकृतिक गैस का दुनिया का चौथा सबसे बड़ा भंडार है), यूरेनियम (कजाकिस्तान यूरेनियम अयस्क का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है और दुनिया का दूसरा) जैसे प्राकृतिक और खनिज संसाधनों से भी समृद्ध है। इस खनिज का सबसे बड़ा भंडार) सीसा लौह अयस्क, कोयला, दुर्लभ पृथ्वी पानी, आदि। यह क्षेत्र जीवाश्म ईंधन और जल विद्युत के माध्यम से भारत की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान दे सकता है और कई महत्वपूर्ण खनिजों और धातुओं की आवश्यकता को पूरा कर सकता है। यह इलाका यूरोप और भारत के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए आदर्श रूप से स्थित है। 1991 में जब इन देशों को सोवियत संघ से आजादी मिली तो भारत और मध्य एशिया ने एक मजबूत शुरुआत की नींव रखी। तत्कालीन भारतीय प्रधान मंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने इस क्षेत्र के रणनीतिक महत्व को महसूस किया और 1993 में कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान और किर्गिस्तान का दौरा किया। हालांकि, अगले बीस वर्षों में घरेलू मामलों में व्यस्तता, नई दिल्ली में एक मजबूत, एकल पार्टी सरकार की अनुपस्थिति और प्रमुख रणनीतिक शक्तियों के साथ संबंधों के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करने के कारण भारतीय नेतृत्व द्वारा इस क्षेत्र की अपेक्षाकृत उपेक्षा देखी गई। 1995 से 2015 तक के 20 वर्षों में भारत की ओर से इस क्षेत्र में केवल चार प्रधानमंत्रियों की यात्राएं हुईं। 2002 में प्रधानमंत्री वाजपेयी द्वारा सीआईसीए (एशिया में बातचीत और विश्वास निर्माण उपायों पर सम्मेलन) शिखर सम्मेलन के लिए कजाकिस्तान की यात्रा, उसके बाद आधे दिन की द्विपक्षीय यात्रा, और 2003 में ताजिकिस्तान, 2006 में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह उज्बेकिस्तान गए और 2011 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद सान्या, हैनान से लौटते समय रात भर की यात्रा के लिए कजाकिस्तान गए। इस उदासीनता को समाप्त करते हुए मई 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता संभालने के बाद दूर किया। वे 30 वर्षों के बाद संसद के निचले सदन (लोकसभा) में पूर्ण बहुमत के साथ पहले प्रधानमंत्री बने। प्रधानमंत्री बनने के एक साल से कुछ अधिक समय में उन्होंने जुलाई 2015 में सभी पांच मध्य एशियाई देशों की यात्रा की, ऐसा करने वाले वे पहले भारतीय प्रधान मंत्री थे, जिससे इन देशों के साथ अपने संबंधों को बढ़ाने के भारत के इरादे के बारे में एक स्पष्ट संदेश गया। पीएम मोदी के शासन के पिछले 10 वर्षों में इन देशों के साथ द्विपक्षीय साझेदारी और जुड़ाव में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है। मध्य एशिया की क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीतिक रणनीतिक और आर्थिक वास्तुकला की तेजी से बदलती गतिशीलता भारत को इन देशों के साथ अपनी साझेदारी में विविधता लाने और गहरा करने का एक उज्ज्वल अवसर प्रदान करती है। प्रधान मंत्री मोदी ने 27 जनवरी 2022 को आभासी प्रारूप में मध्य एशिया + भारत शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। यह शिखर सम्मेलन भारत के गणतंत्र दिवस के जश्न के संदर्भ में नई दिल्ली में भौतिक प्रारूप में व्यक्तिगत रूप से आयोजित किया गया होगा, सिवाय इसके कि इसे बदल दिया गया। कजाख राष्ट्रपति की अपने देश में अभूतपूर्व हिंसक विरोध प्रदर्शनों और झड़पों में व्यस्तता के कारण आभासी शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। नेताओं ने भारत-मध्य एशिया संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए अगले कदमों पर चर्चा की।

पिछले 10 वर्षों में भारत ने हमेशा किसी को भी बिना शर्त सहायता प्रदान की है। चाहे वह किसी आपदा के दौरान राहत प्रदान करना हो या कोविड वैक्सीन प्रदान करना हो। विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के देशों में। वसुधैव कुटुम्बकम का हिंदू दर्शन भारतीय विदेश नीति से बाहर निकलता है जो प्रतीत होता है कि वैश्विक दक्षिण को आकर्षित करता है।

कुछ-अलग

प्रवासी भारतीयों की कमाई

अविनाश

प्रवासियों द्वारा अपनी कमाई देश वापस भेजने के मामले में भारत फिर पहले स्थान पर आ गया है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में विदेशों में कार्यरत भारतीयों ने 111 अरब डॉलर से अधिक रकम देश को भेजा था। विप्रेषित धन का सौ अरब का आंकड़ा छूने और पार करने वाला भारत पहला देश बन गया है। यह उपलब्धि प्रवासी भारतीयों की दक्षता और उनकी बढ़ती कमाई को इंगित करती है। इससे पहले 2010, 2015 और 2020 में भी भारत में सबसे अधिक कमाई आयी थी।

भारत के अलावा मेक्सिको, चीन, फिलीपींस और फ्रांस इस मामले में शीर्ष के देशों में हैं। देश आने वाली कमाई विदेशी मुद्रा भंडार में उल्लेखनीय योगदान करती है तथा प्रवासियों के परिवार के जीवन-स्तर को बेहतर करने में बड़ी भूमिका निभाती है। साल 2020 में देश में 83.15 अरब डॉलर की राशि आयी थी, जो 2022 में 111।22 अरब डॉलर हो गयी। इसका अर्थ है कि भारत से अधिक संख्या में लोग काम करने भी जा रहे हैं और उनकी आमदनी भी बढ़ रही है। रिपोर्ट का आकलन है कि भारत के 1.80 करोड़ लोग दूसरे देशों में काम करते हैं, जो हमारी कुल आबादी का 1.3 प्रतिशत है।

दुनिया में सबसे अधिक प्रवासी भी भारतीय हैं, जिनमें से अधिकतर संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब में कार्यरत हैं। प्रवासन के गंतव्य देशों की सूची में भारत 13वें स्थान पर है। हमारे देश में 44.8 लाख विदेशी प्रवासी हैं। निश्चित रूप से अधिक भारतीय कामगारों का विदेशों में काम करना संतोषजनक है।

आबादी में बड़ी संख्या में युवाओं के होने के कारण इसमें आगामी वर्षों में लगातार बढ़ोतरी की संभावना है। आम तौर पर प्रवासियों द्वारा भेजी गयी रकम के मामले में चीन पहले पायदान पर रहता आया है, लेकिन आबादी में युवाओं का अनुपात कम होने और जन्म दर घटने से वह पीछे होने लगा है। विदेशों में भारतवंशी भी बड़ी संख्या में बसे हैं।

दूसरे देशों में भारत एवं भारतीयों को सम्मान से देखा जाता है। विभिन्न देश अपने विकास में भारतीयों के योगदान को आभार के साथ स्वीकार भी करते हैं। यह एक अनुकूल स्थिति है, जिसका पूरा लाभ भारत को उठाना चाहिए। इसके साथ-साथ कामगारों की परेशानियों पर भी समुचित ध्यान दिया जाना चाहिए। बहुत से कामगारों को देश में आवश्यक प्रशिक्षण नहीं मिला पाता। ऐसे में उनकी पगार और सुविधाएं प्रभावित होती हैं। उन पर प्रवासन खर्च, एजेंटों के कमीशन आदि का भार भी होता है। इसके अलावा, अनेक गंतव्य देशों में उन्हें शोषण, भेदभाव, काम के अधिक बोझ, सुविधाओं की कमी आदि से जूझना पड़ता है। संबद्ध देशों से बातचीत कर इन मुश्किलों का हल निकालने की कोशिश की जानी चाहिए।

मोदी और शाह चुनाव में ध्यान भटकाने का काम करेंगे : राहुल गांधी

बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज, 10 मई (नवसत्ता) - कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने कन्नौज में संयुक्त रैली की। अखिलेश ने कहा कि भाजपा की हार में केवल चार चरण चार कदम बाकी है। इस चुनाव में भाजपा का पूरा बैलेंस खराब कर दो। राहुल ने कहा- इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता शेर हैं। इंडिया गठबंधन की जीत होगी। यूपी में इंडिया गठबंधन का तूफान आ रहा है। यूपी में बीजेपी की सबसे बड़ी हार होने जा रही है। कन्नौज में अखिलेश यादव चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि अखिलेश और राहुल की दूसरी रैली कानपुर में होगी। यहां से कांग्रेस प्रत्याशी रमेश अवस्थी चुनाव लड़ रहे हैं। राहुल ने कहा-मोदी और शाह चुनाव में ध्यान भटकाने का काम करेंगे आपको भटकना नही है। राहुल ने कहा-मीडिया का रिमोट पीएम मोदी के हाथों में हैं। लेकिन इनकी मजबूरी है। इन्हें सैलरी लेनी होती है। बावजूद इसके इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। प्रचंड जीत हासिल कर इंडिया गठबंधन केंद्र में अपनी सरकार बनाने जा रहा है। पीएम मोदी ने कभी अडाणी और अंबानी का नाम नहीं लिया। अब जब पीएम मोदी मुसीबत में हैं तो उनका नाम लेना शुरू कर दिया। भइया हमें बचाओ। मोदी और शाह चुनाव के वक्त आप सबका ध्यान भटकाने का काम करेंगे। लेकिन आप को संविधान बचाने के लिए भाजपा के खिलाफ वोट करना होगा। राहुल ने कहा-प्रशासन ने 200 गाड़ियों को रोका है। जितनी रोकनी है रोक लो। कोई फर्क नहीं पड़ेगा। यहां पर इंडिया गठबंधन की जीत होगी। यूपी में इंडिया गठबंधन का तूफान आ रहा है। यूपी में बीजेपी की सबसे बड़ी हार होने जा रही है। अखिलेश ने कहा कि मेरे पहले चुनाव के समय इसी मैदान में जनसभा हुई थी। उस जनसभा में मैंने जनता से कुछ नहीं मांगा था, तब जनता ने भारी वोट देकर जिता दिया था। तब नेता जी मुलायम सिंह ने कहा था कि मैं अखिलेश को लेकर आया हूं, इसे नेता बना देना। चुनाव जीतने के बाद से आज तक अपने राजनीतिक सफर में चाहें मैं चुनाव लड़ा या नही लड़ा लेकिन मैंने कन्नौज कभी नहीं छोड़ा। कन्नौज में बड़े-बड़े काम जो नजर आते हैं, वो समाजवादी पार्टी की सरकार में कराए गए। जो लोग खुद को डबल इंजन की सरकार कहते थे, उनका एक इंजन गायब है। और दूसरा खटारा इंजन होर्डिंग में दिखाई नहीं दे रहा। राहुल गांधी ने न्याय यात्रा निकाली, मोहब्बत की यात्रा निकाली। आज वही राहुल गांधी हमारे लिए आप से वोटो की अपील करने कन्नौज आए हैं। 13 मई को चौथे चरण का मतदान कन्नौज में होना है, जोकि बहुत महत्वपूर्ण है। हमारे सभी कार्यकर्ता वोटिंग के दिन एक-एक वोट डालने का काम करें। कन्नौज सीट सपा का गढ़ रही है। यहां 1999 में मुलायम सिंह से चुनाव लड़ा था। 2019 तक यह सीट सपा के पास ही रही। मुलायम सिंह के बाद अखिलेश ने 2000 का उपचुनाव, 2004 और 2009 लोकसभा चुनाव जीता। 2009 में हुए उपचुनाव में यहां से डिंपल यादव ने चुनाव लड़ा और संसद पहुंचीं। 2014 में भी मोदी लहर में भी डिंपल यादव ने यहां से चुनाव जीता।

ममता सरकार ने वोट बैंक के तुष्टीकरण के लिए संदेशखाली में महिलाओं पर होने दिये अत्याचार: शाह

एजेंसी

रामपुरहाट-राणाघाट, 10 मई (नवसत्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार की आलोचना करते हुए शुक्रवार को कहा कि उसने घुसपैठियों को खुश करने के लिए संदेशखाली में महिलाओं पर कथित अत्याचार करने वाले अपनी पार्टी के लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। श्री शाह ने राणाघाट में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार जगन्नाथ सरकार और बीरभूम के लोकसभा उम्मीदवार देबतनु भट्टाचार्य के पक्ष में प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा, ÷ममता बनर्जी जैसी महिला मुख्यमंत्री के लिए यह शर्म की बात है कि उन्होंने घुसपैठियों और रोहिंग्या के तुष्टीकरण के जरिये अपना वोट बैंक बनाये रखने के लिए अपनी पार्टी के लोगों को संदेशखाली में महिलाओं और आदिवासी लोगों पर अत्याचार और जबरन वसूली करने की अनुमति दी। उन्होंने रामपुरहाट में कहा, ममता बनर्जी ने ईडी और सीबीआई को नहीं बुलाया तथा उच्च न्यायालय ने यातना सह रही महिलाओं को बचाने के लिए हस्तक्षेप किया, यह आप कर सकती थीं, लेकिन आपने वोट बैंक की मजबूरी के कारण बाहुबली शाहजहां शेख के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। श्री शाह ने कहा, मैं आपको (मतदाताओं को) आश्वासन देता हूं कि एक बार जब आप बंगाल में 30 सीटों और पूरे भारत में 400 सीटों के लिए भाजपा के पक्ष में मतदान करेंगे, तो नरेंद्र मोदी सरकार राज्य में सिंडिकेट राज को खत्म कर देगी और सभी अपराधियों को जेल में डाल देगी।÷ उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि अनुव्रत मंडल के निर्माण को छोड़कर, उन्होंने पिछले 15 वर्षों में बीरभूम में क्या योगदान दिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीरभूम जिला बम संस्कृति, नदी से रेत के अवैध खनन, पीने के पानी की कमी और न जाने किन-किन कारणों से बर्बाद हो गया है, जहां प्रकृति ने प्रचुर मात्रा में नदियां, प्राकृतिक सुंदरता और तीर्थ स्थल दिये हैं। श्री शाह ने नंदीग्राम विधायक की उपस्थिति में कहा, 2024 के लोकसभा चुनाव में एक बार जब भाजपा बंगाल में 30 सीटों पर जीत हासिल कर लेगी और देश में 400 के पार पहुंच जाएगी, तो मैं बीरभूम के लिए स्थिति को सुधारने करने के लिए शुभेंदु अधिकारी को प्रभार सौंपूंगा।

बिगड़े मौसम के बीच पुंछ में आतंकियों की हो रही तलाश

एजेंसी

जम्मू, 10 मई (नवसत्ता)। जम्मू संभाग के जिला पुंछ में शुक्रवार को बिगड़े मौसम के बीच पुंछ, उधमपुर के बंसतगढ़ सहित अन्य इलाकों में सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया। शुक्रवार को मौसम कुछ बदला हुआ है। कई जगह बादल छाए हुए हैं और कुछ जगहों पर हल्की धूप निकली हुई है। राजोरी और पुंछ के इलाकों में बादल बरसे भी हैं। इसी बीच पुलिस, सेना, सीआरपीएफ के जवान आतंकियों की तलाश कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, सनेई टॉप में संदिग्ध गतिविधि देखे जाने के बाद सुरक्षाबलों की तरफ से कुछ राउंड फायर भी किए गए। हालांकि खबर लिखे जाने तक आतंकियों का पता नहीं चल पाया है। उधर, जिला उधमपुर के बसंतगढ़ इलाके में भी सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया है।

सुरक्षाबलों की ओर से बसंतगढ़ और डुडू के पहाड़ी क्षेत्रों व जंगलों को खंगाला जा रहा है। ड्रोन, हेलिकॉप्टर डॉग स्क्वॉयड की मदद ली जा रही है। खंखाला जा रहा है। लेकिन, अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। तलाशी अभियान में पुलिस सहित सेना के आला अधिकारी भी मौजूद हैं। हर स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। कई पुलिस अधिकारी बसंतगढ़ के जंगलों में डेरा डाले हुए हैं।

दूसरी ओर सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर अभियान को तेज कर दिया है। पुलिस की ओर से बसंतगढ़ में खुफिया विभाग को अलर्ट पर रखा हुआ है। एसडीपीओ रामनगर मंजीत सिंह ने बताया कि सर्च आपरेशन लगातार जारी है और चप्पे-चप्पे को किनारा कर लिया है। पवन खेड़ा ने कहा- अय्यर के बयान से कांग्रेस पार्टी

मणिशंकर अय्यर बोले- पाकिस्तान को इज्जत दे भारत

एजेंसी

नई दिल्ली, 10 मई (नवसत्ता)। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वे कह रहे हैं कि भारत को पाकिस्तान को इज्जत देनी चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उसके पास भी परमाणु बम है। कोई सिरफिरा आया तो हम पर इसका इस्तेमाल कर सकता है। 15 अप्रैल को एक सोशल मीडिया चैनल को दिए इंटरव्यू में अय्यर ने कहा था- मुझे ये समझ नहीं आता कि नरेंद्र मोदी सरकार ये क्यों कहती है कि हम पाकिस्तान से बात नहीं करेंगे, क्योंकि वहां आतंकवाद है। ये समझना जरूरी है कि आतंकवाद को खत्म करने के लिए चर्चा बहुत जरूरी है। वरना, पाकिस्तान सोचेगा कि भारत अहंकार के साथ हमें दुनिया में छोटा दिखा रहा है। ऐसे में पाकिस्तान में कोई भी पागल इस बम का इस्तेमाल भारत पर कर सकता है।

अय्यर के इस बयान से कांग्रेस ने पूरी तरह असहमत है। अय्यर किसी भी तरीके से पार्टी के लिए नहीं बोलते हैं। वीडियो को भाजपा ने फैलाया है, जिससे प्रधानमंत्री मोदी की गलतियों से ध्यान भटकाया जा सके।

उनके पास एटम बम है। हमारे पास भी है, लेकिन किसी पागल ने हमारे बम को लाहौर स्टेशन में छोड़ा तो आठ सेकेंड के अंदर उसकी रेडियो एक्टिविटी अमृतसर पहुंचेगी। आप उसको इस्तेमाल करने को रोको। लेकिन आपने उससे बात की, उसको इज्जत दी तभी जाकर वह अपने बम के बारे में नहीं सोचेंगे, लेकिन आपने उसको ठुकरा दिया तो फिर क्या होगा? भारत को विश्वगुरु बनने के लिए यह दिखाना जरूरी है कि हम पाकिस्तान के साथ सभी मुद्दों को हल करने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं। पिछले दस सालों में मोदी सरकार की ओर से पाकिस्तान से बातचीत करने की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया गया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस और पूरा देश गर्व के साथ याद करता है कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व में हमारी सेना की वीरता के कारण दिसंबर 1971 में पाकिस्तान टूट और एक स्वतंत्र देश बांग्लादेश का उदय हुआ था। उन्होंने कहा कि ठीक 50 साल पहले पहले 18 मई 1974 को इंदिरा जी के नेतृत्व में भारत की परमाणु क्षमता की घोषणा दुनिया के सामने की गई थी। कांग्रेस का हमेशा मानना रहा है कि हमारी फैसले लेने की प्रक्रिया राष्ट्र के हित के लिए होनी चाहिए।

खेड़ा ने यह भी कहा कि यदि पुराने वीडियो का इस्तेमाल किया जाए तो ये ज्यादा पुराना वीडियो नहीं है। यहां विदेश मंत्री एस जयशंकर खुले तौर पर भारत को चीन से डरने की सलाह दे रहे हैं। मणिशंकर अय्यर से पहले ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष रहे सैम पित्रोदा ने भी चुनाव के बीच दो बयान दिए थे, जिससे कांग्रेस की काफी किरकिरी हुई। उन्होंने भारत में विरासत टैक्स लगाने की बात की थी। इस पर राहुल गांधी को सफाई देनी पड़ी थी। पित्रोदा ने दो दिन पहले दक्षिण भारतीयों को अफ्रीकी जैसा दिखने वाला बयान दिया था। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि कांग्रेस के लोग चमड़े का रंग देखकर देश के लोगों को बांट रहे हैं।

शिक्षा विद व कवि डा. द्वारिका उनियाल का दूसरा काव्यसंग्रह

एजेंसी

नई दिल्ली, 10 मई (नवसत्ता)। डा. द्वारिका उनियाल रचित मेरे आसान झूठ, दरअसल एक कविता संकलन से कहीं अधिक एक जीवंत अनुभूति है। एक सौ चौदह रचनाओं के इस पुलिंदेमें शायद हर भारतीय की आत्मा बसी है, अंतर्मनबसा है। ये कविता यें सिर्फ़ एक कवि के अनुभव नहीं होकर इस देश के प्रत्येक नागरिक के जीवन की घटनाएं, अनुभव, भावनाएं विचार, और दृष्टि कोण समेटे हुए हैं। जीवन की बुनियादी बातों को जोड़ते हुए इन कविताओं को पढ़ते समय हर किसी को लगेगा किशायद ये सब कुछ तो उस के साथ भी हो चुका है। मेरे आसान झूठ सिर्फ कविताओं का संकलन नहीं, अपितुभावों का एक पुलिंदा है, जिसे पिछले कुछ वर्षों में तिनके-तिनके की तरह जोड़ा है। इसमें वे कविताएं हैं, जो उन्होंने 2018 से 2023 तक लिखी-कभी सेमिनार हॉल में, कभी फ्लाइट में, कभी रात को अचानक जागकर, कभी फुर्सत के क्षणों में, कभी चाय की चुस्कियों के साथ। ये उनकी जिंदगी के वे लम्हे हैं, जिन्हें कागज पर उकेरकर उन्होंने आज़ाद कर दिया है। कुछ कविताएं हैं, जो जूझती हैं कवि के अस्तित्व की जद्दो जहद से, जिनमें शामिल हैं 'खोगया हूं', 'काली मिर्च' 'उलटेपैर', 'मेरे आसान झूठ', 'कौन हूं, मौन हूं' आदि। वहीं आत्मचिंतन से भरी कुछ कविताएं हैं, जैसे 'मैं कहानियां क्यों नहीं लिखता', 'आधा-अधूरा', 'सलाखों की परछाइयां' इत्यादि। कुछ कविताएं आज के भौतिक, सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य के प्रति उनकी प्रतिक्रियाए हैं, जैसे 'बंधाहु आशहर', 'दुआओं को वीज़ा', 'भेड़िए', 'आज कोई नहीं मरा' कुल मिला कर यह प्रो. द्वारिका उनियाल की जिंदगी है।

खेल

भारतीय महिला टीम का बांग्लादेश का 5-0 से क्लीन स्वीप

एजेंसी

नई दिल्ली, 10 मई (नवसत्ता)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने सिलहट में खेले गए आखिरी टी-20 मैच में बांग्लादेश को 21 रन से हराया। इसके साथ ही पांच टी-20 मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप कर लिया है। इस मैच में भारत ने टॉस जीत कर पहले बैटिंग का फैसला किया।

भारतीय महिला टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 156 रन बनाए। इसके जवाब में बांग्लादेश टीम 135/6 रन ही बना सकी। भारत ने इस सीरीज को 5-0 से अपने नाम कर लिया।

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारत को पहला झटका 25 रन के स्कोर पर लगा। शेफाली वर्मा 14 गेंदों पर 14 रन बना कर आउट हो गईं। दूसरा विकेट 62 रन पर गिरा। स्मृति मंधाना ने 25 गेंदों पर 33 रन बनाए। डी हेमलता ने पहले मंधाना के साथ 37 रन की पार्टनरशिप की और उसके बाद हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिए 40 गेंदों पर 60 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्कोर देने में अहम भूमिका निभाई।

157 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 19 रन पर ओपनर शेभना मोस्ट्री आउट हो गईं। उन्होंने 9 गेंदों का सामना कर 13 रन बनाए। वहीं दिलारा अख्तर भी 4 रन बना कर पवेलियन लौट गईं। 48 रन के स्कोर पर बांग्लादेश के 4 विकेट गिर गए। जिसके बाद रितु मोनी और शोरफिया खातून ने बांग्लादेश की पारी को संभाला और छठे विकेट के लिए 41 गेंदों पर 57 रन की पार्टनरशिप की और टीम को संकट से उभारने की कोशिश की। मोनी ने 37 रन और शोरिफा खातून ने नाबाद 28 रन की पारी खेली, पर वह टीम को जीत नहीं दिला सकी। बांग्लादेश 6 विकेट पर 135 रन ही बना सकी।

ओलंपिक के लिए इन नामी जोड़ियों के साथ तैयारी करेंगे सात्विक-चिराग

एजेंसी

नई दिल्ली, 10 मई (नवसत्ता)। पेरिस ओलंपिक में पदक की दावेदार राष्ट्रमंडल और एशियाड स्वर्ण विजेता बैडमिंटन जोड़ी सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को ओलंपिक की तैयारियां दो नामी विदेशी जोड़ियां कराएंगी। ये दोनों जोड़ियां यूरोपियन चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता स्कॉटलैंड के अलेक्जेंडर डन-एडम हाल और थॉमस कप पदक विजेता इंडोनेशिया के रेन आगुंग-बेरी एंग्रियावान हैं। सात्विक-चिराग इन दोनों जोड़ियों के साथ पेरिस की तैयारियां मुंबई और हैदराबाद में अंजाम देंगे। दोनों ही जोड़ियों को सात्विक-चिराग और उनके डेनमार्क के कोच मथायस बोए की सिफारिश पर बुलाया जा रहा है। साई ने दोनों की तैयारियों के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है, जिस पर तकरीबन साढ़े छह लाख रुपये का खर्च आएगा। सात्विक और चिराग ने विदेश की बजाय देश में ओलंपिक की तैयारियां करने का फैसला लिया है। अलेक्जेंडर डन और एडम हाल के साथ सात्विक और चिराग 22 से 30 जून तक मुंबई में तैयारियां करेंगे, जबकि आगुंग और एंग्रियावान के साथ दोनों पांच से 20 जुलाई तक हैदराबाद में तैयारियां करेंगे। इसके बाद यहीं से दोनों पेरिस रवाना होंगे। मथायस बोए दोनों को कोरियाई जोड़ी के साथ तैयारियां कराना चाहते थे। कोरियाई जोड़ी ने 10 हजार अमेरिकी डॉलर की मांग की। इस पर बात नहीं बनी। इंडोनेशियाई जोड़ी चार हजार डॉलर में आ रही है।

हैदराबाद में बैडमिंटन खिलाड़ियों की तैयारियों के लिए इंडोनेशिया के तीन स्पारिंग पार्टनर (तैयारी कराने वाले) अनुबंधित किए गए थे। सात्विक और चिराग भी इनके साथ तैयारी करते थे, लेकिन इनमें से दो वापस चले गए।

पंजाब किंग्स आईपीएल की प्लेऑफ रेस से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली, 10 मई (नवसत्ता)। पंजाब किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग-2024 की प्लेऑफ रेस से बाहर हो गई। टीम को उसी के होमग्राउंड पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 60 रनों से हराया। पंजाब इस सीजन में लीग राउंड से बाहर होने वाली दूसरी टीम बनी है। 2 दिन पहले हैदराबाद की लखनऊ पर जीत के साथ हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस बाहर हो गई थी। गुरुवार को आरसीबी ने पीबीकेएस को सीजन में दूसरी बार हराया। यह बेंगलुरु की लगातार चौथी जीत है। इस जीत से 10 अंक के साथ पॉइंट टेबल के 7वें नंबर पर आ गई है। इसी के साथ टीम ने अपने प्लेऑफ में प्रवेश करने की उम्मीदों को जिंदा रखा है। अब बेंगलुरु को आखिरी दोनों मैच जीतने होंगे। इसके बावजूद अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा।

धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में पंजाब ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। आरसीबी ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 241 रन बनाए। यह धर्मशाला के मैदान पर सबसे बड़ा आईपीएल स्कोर है। रन चेज में पंजाब 17 ओवर में 181 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। विराट कोहली प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने 47 बॉल पर 92 रन बनाए।

पीबीकेएस से राइली रुसो ने 61 रन बनाए। शशांक सिंह 37, जॉनी बेयरस्टो 27 और सैम करन 22 रन ही बना सके। बेंगलुरु से मोहम्मद सिराज ने 3 विकेट झटके। कर्ण शर्मा स्वप्निल सिंह और लॉकी फर्ग्यूसन ने 2-2 विकेट लिए। टीम सिलेक्शन रबाडा-बरार को नहीं खिलाया मैच के लिए पंजाब का टीम सिलेक्शन खराब रहा। टीम ने इस मुकाबले के लिए कगिसो रबाडा और हरप्रीत बरार को ड्रॉप कर दिया। टॉस के समय पूछे जाने पर कप्तान सैम करन ने कहा हम अपनी बैटिंग स्ट्रेंथ बढ़ाना चाहते हैं।

कॉलिन मुनरो ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

एजेंसी

नई दिल्ली, 10 मई (नवसत्ता)। मुनरो ने तीनों फॉर्मेट मिला कर 123 इंटरनेशनल मैच खेले हैं और 3 हजार से ज्यादा रन बनाने के साथ 13 विकेट भी लिए हैं। 37 साल के न्यूजीलैंड बैटर कॉलिन मुनरो ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। हालांकि, वह फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलते रहेंगे। मुनरो ने टी-20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड की टीम में नहीं चुने जाने के बाद ये फैसला लिया है।

2020 से न्यूजीलैंड के लिए उन्होंने कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला था। हालांकि, उन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए खुद को उपलब्ध बताया था। टी-20 वर्ल्ड कप के लिए उनके नाम पर भी विचार किया गया था। इसकी पुष्टि न्यूजीलैंड के कोच ग्रे स्टीड ने की है। उन्होंने कहा है कि वर्ल्ड कप टीम चयन के दौरान मुनरो के नाम पर भी विचार किया गया था, लेकिन बाएं हाथ के इस खिलाड़ी की टीम में जगह नहीं बन रही थी।

मुनरो ने तीनों फॉर्मेट मिला कर 123 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। उन्होंने 3 हजार से ज्यादा रन बनाए हैं और 13 विकेट भी लिए हैं। कॉलिन मुनरो ने न्यूजीलैंड के लिए 65 टी-20 मैच खेले हैं और 1724 रन बनाए हैं। उन्होंने इस फॉर्मेट में तीन शतक भी लगाया है। उन्होंने 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 47 गेंदों में सेंचुरी लगाई थी, जो उस समय न्यूजीलैंड का रिकॉर्ड था, उन्होंने भारत के खिलाफ भी टी-20 सेंचुरी लगाई है। मुनरो ने श्रीलंका के खिलाफ 14 गेंदों में अर्धशतक भी बनाया है जो ब्लैक कैप्स रिकॉर्ड है जो टी-20 इंटरनेशनल में चौथा सबसे तेज है।

वहीं वह 57 वनडे मैचों में 104.69 की स्ट्राइक रेट से 1271 रन बना चुके हैं। जिसमें 8 अर्धशतक भी शामिल है। एक टेस्ट मैच में उन्होंने 15 रन बनाए हैं।

मुनरो ने अपने संन्यास की घोषणा के दौरान कहा कि ब्लैक कैप्स के लिए खेलना हमेशा उनके करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि रही है।

नए कोच के लिए जल्द विज्ञापन जारी करेगा बीसीसीआई

एजेंसी

नई दिल्ली, 10 मई (नवसत्ता)। टीम इंडिया को जल्द ही नया हेड कोच मिल सकता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड जल्द ही नए कोच के लिए आवेदन मंगाएगा। इसका खुलासा बीसीसीआई सचिव जय शाह ने किया है। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जय शाह ने बुधवार को मुंबई में कहा कि बोर्ड जल्द ही टीम इंडिया के हेड कोच के पद के लिए विज्ञापन जारी करने जा रहा है। मौजूदा हेड कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल जून में पूरा होने जा रहा है। जय शाह ने कहा, राहुल का कार्यकाल केवल जून तक है। इसलिए यदि वह अप्लाई करना चाहते हैं, तो वह ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं।

शाह ने आगे कहा, कोचिंग स्टाफ के अन्य सदस्य, जैसे बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग कोच का सिलेक्शन नए कोच के परामर्श के बाद किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम यह तय नहीं कर सकते कि नया कोच भारतीय होगा या विदेशी। शाह ने पुष्टि की कि नए कोच को लंबे कार्यकाल के लिए नियुक्त किया जाएगा और वह शुरुआती तीन साल की अवधि के लिए काम करेगा।

फिलहाल टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ हैं। बीसीसीआई ने पिछले साल नवंबर में उनका कार्यकाल बढ़ा दिया था। वनडे वर्ल्ड कप फाइनल के साथ ही द्रविड़ का दो साल का कार्यकाल खत्म हो गया था। इसके बाद बोर्ड और द्रविड़ की बातचीत हुई और यह तय हुआ कि द्रविड़ कम से कम टी-20 वर्ल्ड कप तक टीम से जुड़े रहेंगे। टी-20 वर्ल्ड कप इसी साल जून में वेस्टइंडीज और अमेरिकी की मेजबानी में होना है। राहुल द्रविड़ नवंबर 2021 में टीम इंडिया के चीफ कोच अपॉइंट हुए थे।

द्रविड़ सहित पूरे भारतीय कोचिंग स्टाफ का कार्यकाल बढ़ाया गया था। जिसमें बैटिंग कोच विक्रम राठौड़, फील्डिंग कोच टी दिलीप और बॉलिंग कोच पारस म्हाम्ब्रे शामिल हैं।

द्रविड के दो साल के कार्यकाल में टीम इंडिया वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंची। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार को छोड़ दिया जाए तो टीम इंडिया ने वर्ल्ड कप के अपने सभी मैच जीते। वहीं, वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया ने एशिया कप अपने नाम किया। वहीं पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया सेमीफाइनल खेली थी।

न्यूजीलैंड के 37 साल के बैटर कॉलिन मुनरो ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। हालांकि, वह फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलते रहेंगे। मुनरो ने टी-20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड की टीम में नहीं चुने जाने के बाद ये फैसला लिया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने सिलहट में खेले गए आखिरी टी-20 मैच में बांग्लादेश को 21 रन से हराया। इसके साथ ही पांच टी-20 मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप कर लिया है। इस मैच में भारत ने टॉस जीत कर पहले बैटिंग का फैसला किया।

एकतरफा मुकाबला होने के बाद भी क्यों परेशान है बीजेपी?

एजेंसी

भोपाल, 10 मई (नवसत्ता)। मध्य प्रदेश की इंदौर लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय बम की ओर से नामांकन वापस लिए जाने के बाद भी बीजेपी की परेशानी अभी तक खत्म नहीं हुई है। नामांकन वापस लेने के बाद अक्षय बम बीजेपी में शामिल भी हो गए फिर भी बीजेपी टेंशन में है। अक्षम बम की ओर से नामांकन वापस लिए जाने के बाद बीजेपी ने जश्न मनाया था, मगर अब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के एक ऐलान से स्थानीय बीजेपी नेता चिंतित है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने ऐलान कर दिया की वो लोगों से अपील करेंगे की नोटा को ही वोट करें। इसके लिए बाकायदा प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है। ऑटो से लेकर कार्यालयों पर नोटा के पोस्टर नजर आ रहे है। जिसके बाद बीजेपी

के नेता उस ऑटो को भी रोक रहे है और नोटा के पोस्टर हटा रहे है। वहीं कांग्रेस नेता अब बाइक पर भी स्टीकर लगा रहे है की मेरा वोट नोटा को।

दरअसल, इंदौर सीट बीजेपी की सबसे सुरक्षित सीट मानी जाती है। 1989 से ही ये सीट बीजेपी के पास है। सुमित्रा महाजन इंदौर से लगातार 8 बार सांसद रहीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने यहां से साढ़े 5 लाख वोटों से बंपर जीत हासिल की थी। पिछली बार की तरह इस बार भी बीजेपी ने बड़ी जीत का लक्ष्य रखा है।

मगर कांग्रेस के प्रत्याशी अक्षय बम के बीजेपी में आने से अब मुकाबला खत्म हो गया। एक तरफा मुकाबले के कारण आम लोगों में अब मतदान को लेकर उत्साह नहीं है। अगर कांग्रेस प्रत्याशी को जाने वाले वोट, नोटा पर चले गए तो ये भी बीजेपी के लिए अच्छा सन्देश नहीं होगा। इन्हीं सभी कारणों की वजह से बीजेपी इंदौर में परेशान है। जिस सीट पर देश की सबसे बड़ी जीत मिलती हो सोचिए अगर वहां नोटा को बीजेपी के बाद सबसे ज्यादा वोट मिल गए तो देश में इसका क्या संदेश जाएगा। इसलिए बीजेपी के नेता आज तो मानव श्रृंखला बना कर नोटा के खिलाफ प्रचार कर रहे है और लोगों से अपील कर रहे है की बीजेपी को वोट दें।

कांग्रेस को अपनी जमानत बचाने होगी मुश्किलः नायब सैनी

चंड़ीगढ़, 10 मई (नवसत्ता)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को करनाल में श्रमिक सम्मेलन और सेन समाज के सम्मेलन में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने पिछले दस सालों में श्रमिकों के लिए बहुत कुछ किया है, इसलिए श्रमिकों ने सम्मेलन आयोजित करके भाजपा को समर्थन दिया है। कांग्रेस को तो जमानत बचाने में भी मुश्किल आएगी। मुख्यमंत्री नायब सैनी से सरकार पर संकट के सवाल पर बार बार पूछे जाने पर कल एक बार वह थोड़ा असहज दिखे, लेकिन शुक्रवार को एक बार फिर यही सवाल पूछा गया तो वह बेबाकी से बोले किसी तरह की कोई दिक्कत या परेशानी नहीं है। कुछ जजपा विधायकों के संपर्क में होने पर पूछे गए सवाल को वह टालते हुए बोले कि उनके संपर्क में सभी विधायक हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा अपनी सभा में भाजपा के विरोध की जगह पर कांग्रेस स्याही को लड्डुओं से तोले जाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के पास अब जमीन नहीं बची है।

बंगाल को बदनाम करने वालों को 4 जून को करारा जवाब मिलेगाः अभिषेक बनर्जी

संवाददाता

कोलकाता, 10 मई (नवसत्ता)। टीएमसी महासचिव व डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार अभिषेक बनर्जी ने कहा कि मैंने अपना नामांकन दाखिल किया है। लोगों के प्यार के लिए मैं कृतज्ञ हूं। हम जनता की सेवा के लिए काम कर रहे हैं। हम पूरी उम्मीद करते हैं कि जैसे लोगों ने हमेशा टीएमसी को समर्थन दिया है, वैसे ही इस बार भी देंगे। हमें उम्मीद है कि बंगाल को बदनाम करने वालों को 4 जून को करारा जवाब मिलेगा। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य और यहां के लोगों की छवि को धूमिल करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने पश्चिम बंगाल के 10 करोड़ लोगों को अपमानित करने के लिए भाजपा की निंदा की। बीरभूम लोकसभा सीट पर तृणमूल उम्मीदवार शताब्दी रॉय के समर्थन में एक ऑनलाइन सभा को संबोधित करते हुए अभिषेक बनर्जी ने संदेशखालि वीडियो क्लिप का उल्लेख किए बिना कहा कि पिछले सप्ताह की घटनाओं ने राज्य और उसके लोगोंको शर्मिंदा और अपमानित करने की साजिश रचने वालों के असली इरादों का खुलासा कर दिया है। अभिषेक बनर्जी ने भाजपा के कार्यों की आलोचना करते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे उन्होंने तीन महीने तक संदेशखालि के बारे में झूठा विमर्श पेश किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल नेताओं के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए ग्रामीणों को पैसे की पेशकश की और राज्य के लोगों को अपमानित किया गया। तृणमूल नेता ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता मतदान से इसका जवाब देगी। उन्होंने कहा कि कृपया भाजपा का असली रंग देखें। तीन महीने तक, उन्होंने संदेशखालि पर झूठी कहानी गढ़कर राज्य के लोगों को अपमानित किया, हमारी पार्टी और क्षेत्र के नेताओं के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए एक ग्रामीण महिला को 2,000 रुपये की पेशकश करके बंगाल की माताओं और बहनों को अपमानित किया।

सीएम मोहन यादव ने की शिवराज की तारीफ

एजेंसी

भोपाल, 10 मई (नवसत्ता)। मध्यप्रदेश के खरगोन जिले के भिकनगांव विधानसभा क्षेत्र के आदिवासी अंचल में आने वाले क्षेत्र हेलापड़ावा में मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव ने जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान खंडवा लोकसभा क्षेत्र के बीजेपी उम्मीदवार ज्ञानेश्वर पाटिल के समर्थन में चुनाव प्रचार करते हुए सीएम मोहन यादव ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर जमकर हंमला बोला। सीएम ने राहुल गांधी को झूठा तक कह दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि झूठ बोलकर जादूगर की तरह चुनाव में आ रही है कांग्रेस। अपनी सभा में सीएम यादव ने कहा कि झूठ बोलकर कांग्रेस वोट मांगती है। राहुल के मम्मी, पापा और नाना की सरकार 60 साल तक रही है। विकास क्यों नहीं किया? कांग्रेस ने आदिवासियों के लिए कुछ नहीं किया। अब झूठ बोल रहे हैं कि आरक्षण खत्म हो जाएगा। सीएम डा. मोहन यादव ने इशारे-इशारे में सेम पित्रोदा के बयान को लेकर भी सवाल खडे किए। उन्होंने कहा कि अब पीएम

मोदी की सरकार ने 10 साल में देश की दुनिया में पहचान बनाई है। ये मोदी का चुनाव है, मोदी की गारंटी का चुनाव है। अबकी बार 400 पार, फिर मोदी सरकार। मोदी को एक बार फिर पीएम बनाना है। इस अवसर पर आदिवासियों से सीएम यादव ने मोदी के नाम पर ताली भी बजवाई। साथ ही लाड़ली लक्ष्मी और लाड़ली बहना योजना को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिह चौहान की तारीफ भी की। मुख्यमंत्री ने मीडिया से चर्चा में कहा कि मैं आज यहां भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में चुनाव प्रचार करते हुए ज्ञानेश्वर पाटिल के पक्ष में वोट के अपील करने आया हूं। मुझे इस बात का आनंद है कि आदिवासी अंचल में अभी जिस तरह से जनता का विश्वास मोदी जी पर है।

बैनर पोस्टर प्रिंटरों के बल्ले-बल्ले ,हर जगह लगाए जा रहे उम्मीदवारों के पोस्टर

संवाददाता

मुंबई, 10 मई (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव का घमासान जारी है, आचार संहिता लागू है, राजनैतिक पार्टियां जनता को प्रभावित करने हर संभव प्रयास कर रही हैं, ये बात और है की अब पहले जैसा शोर शराबा नहीं होता, चुनाव आयुक्त टी एन शेषन ने जो सख्ती लागू की थी वो आज भी लागू है, चुनाव प्रचार का एक माध्यम बैनर और पोस्टर लगवाना भी होता है मुंबई में हर जगह उम्मीदवारों के पोस्टर नजर आने लगे हैं और प्रिंटरों की बल्ले बल्ले हो रही है, मालूम हो की लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही देश में आचार संहिता लागू हो गई है, चुनाव आयोग एक तरफ जहां सख्ती पर उतर आया है, उम्मीदवार की हरकतों पर उसकी पैनी नजर है, यहां तक के सड़कों और चौराहों पर भी निगरानी रख्खी जा रही है, सड़क के बिजली खंभों पर दीवारों पर और झुग्गी बस्तियों, इमारतों की छतों पर लगाए गए सभी पोस्टरों और बैनरों को हटाने के आदेश चुनाव आयोग ने महानगर पालिका और

संबंधित विभागों में दे दिए, हर लोकसभा इलाके के बैनर पोस्टर हटा दिए गए, चुनाव आयोग की अनुमति से लगाए जा रहे बैनर पोस्टर लोकसभा उम्मीदवारों को अपने विज्ञापनों, बैनरों और पोस्टरों को छपवाने और सार्वजनिक स्थलों पर लगाने के लिए आयोग की अनुमति लेनी पड़ती है आयोग की अनुमति के बाद शहर पोस्टरों और बैनरों से पटता जा रहा है, इस मामले में फिर चाहे भारतीय जनता पार्टी हो या कांग्रेस के उम्मीदवार सभी अपने अपने पोस्टर छपवा रहे हैं और लगवा रहे हैं, चुनाव आयोग को हर बैनर पोस्टर की जानकारी देनी होती है की कितने पोस्टर छपवाए जायेंगे, उनका खर्च क्या होगा, बैनर कितने होंगे उनका खर्च कितना होगा, उम्मीदवार को अपने हर खर्च का विवरण चुनाव आयोग को देना अनिवार्य होता है,

मुंबई में कई प्रिंटिंग प्रेस हैं जहां जोरों पर छपाई का काम रात दिन जारी है फिर चाहे अक्षर प्रिंटिंग हो, गोरेगांव का साई आर्ट प्रिंटर्स हो, बांद्रा का शिवम आर्ट या गिरगांव का माधुरी प्रिंटर्स हो हर जगह काम जारी है, भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों के पोस्टरों की छपाई अधिक लोकसभा की इस जंग में अधिक से अधिक बैनर पोस्टर छपवाने और खंभों या दीवारों पर लगवाने में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार आगे हैं एक ही जगह छप रहे भाजपा शिवसेना और कांग्रेस के पोस्टर, देर रात तक दोनो पार्टियों के कार्यकर्ता पोस्टरों और बैनरों को ले जाने के लिए जमा रहते हैं, वैसे कोई भी कहीं भी बैनर पोस्टर छपवा रहा है, लेकिन सुमन प्रिंटिंग प्रेस में अधिकाश भाजपा और शिवसेना के उम्मीदवार तथा नवरंग प्रिंटिंग प्रेस में कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बैनर पोस्टर छपते देखे गए,

भारतीय जनता पार्टी हो या अन्य पार्टी सभी पार्टियां अगर चुनाव आयोग को 50 हजार के पोस्टर छपवाने के लिए इजाजत लेते हैं तो एक लाख छपवाते हैं क्योंकि कोई गिनने नहीं खर्च में भी कमी करके बताया जाता है, हमारे यहां बैनर और पोस्टर या स्टीकर छपवाने के लिए हर पार्टी के लोग आ रहे हैं, चुनाव आयोग का अनुमति पत्र दिखा कर लोग छपवाते हैं, फिलहाल राहुल शेवाले के भी आर्डर हमारे पास है और शिवसेना इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार अनिल देसाई के भी आर्डर आए हुए है।

दो पत्नी वालों को हर साल दो लाख देगी कांग्रेसः कांतिलाल भूरिया

एजेंसी

भोपाल, 10 मई (नवसत्ता)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और रतलाम से कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया ने चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने दो पत्नियों वालों को दो लाख देने की घोषणा कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की मौजूदगी में दिया गया ये बयान तेजी से वायरल हो रहा है।

मध्य प्रदेश से कद्दावर आदिवासी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रतलाम से कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया ने एक सभा में घोषणा की है कि जिस व्यक्ति की दो पत्नियां हैं, उसे दो लाख रुपये सालाना दिए जाएंगे। इसके अलावा कांग्रेस ने चुनावी घोषणापत्र में सभी महिलाओं के खातों में एक-एक लाख रुपये देने की बात कही है। खास बात यह है कि पीसीसी चीफ जीतू पटवारी भी उनकी इस घोषणा का समर्थन किया है। इस दौरान पूर्व सीएम दिग्विजय भी वहां मौजूद रहे। रतलाम के सैलाना में आयोजित चुनावी सभा में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी भी मौजूद थे। मंच से ही पटवारी ने भूरिया के बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि आपके जो भावी सांसद हैं भूरिया जी इन्होंने अभी भयंकर घोषणा कर दी। जिसकी दो पत्नियां हैं, उसको डबल।

सभा को संबोधित करते हुए कांतिलाल भूरिया ने कहा कि नरेंद्र मोदी कहते हैं कि अबकी बार, 400 पार, मोदी जी क्या मतदाता आपकी जेब में हैं जो 400 पार दे देंगे। वे पहले कहते थे एक बार मुझे प्रधानमंत्री बना दो तो मैं दो करोड़ नौजवानों को नौकरी दूंगा। 15-15 लाख खाते में जमा करा दूंगा। 400-500 रुपए जमा करके खाते खुलवा लिए, लेकिन एक पैसा जमा नहीं हुआ। मोदी ने खाते खुलवाकर करोड़ों रुपए जमा कर लिए। इसलिए आपको देखना है कि इन्होंने न नौजवानों का भला किया और न महिलाओं का भला किया।

भूरिया ने कहा कि भाजपा के लोग मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश बर्बाद कर दिया। हमारे आदिवासी समाज के लोगों को अपमानित करने का काम किया।

उपेंद्र कुशवाहा के सामने पवन सिंह को भाजपा ने उतारा!

एजेंसी

पटना, 10 मई (नवसत्ता)। बिहार की 40 में से 39 सीटों पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने पिछले लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी। इस बार 40 में से 40 सीटों पर जीत के दावे के साथ भारतीय जनता पार्टी ने घटक दलों जनता दल यूनाईटेड लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के बीच सीट बांटे। हम-से प्रमुख जीतन राम मांझी और रालोमो अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को एक-एक ही सीट मिली, जिसपर दोनों खुद प्रत्याशी हैं। यहां तक मान-मनौव्वल के बाद सब चल गया। लेकिन, अब यह बात आ रही है कि भाजपा ने खुद ही 40 में से 39 का लक्ष्य रख लिया है। यह बात काराकाट लोकसभा सीट से उठ रही है और इस बात का प्रचार (भाजपा इसे दुष्प्रचार भी कह सकती है) इस सीट पर खुलकर हो रहा है। एनडीए समर्थित प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहों के कानों तक बार-बार यह बात पहुंच रही है कि 1. पवन सिंह को भाजपा ने ही उतारा है या 2. भाजपा अगर चाह लेती तो पवन सिंह नहीं उतरते या 3. भाजपा नीतीश कुमार की चाहत का ख्याल रखते हुए उपेंद्र कुशवाहा का राजनीतिक कॅरियर खत्म करने की दिशा में है।

उपेंद्र कुशवाहा की पसंदीदा काराकाट सीट पर मतदान लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में एक जून को होगा। अभी चौथे और पांचवें

चरण की लोकसभा सीटों पर ज्यादातर दलों का ध्यान है। लेकिन, इस बीच ऊपर बताई तीन बातों को जमकर प्रचारित किया जा रहा है। हालत यह है कि भाजपा और जदयू के कार्यकर्ता भी इन बातों को सुनकर सोच में पड़ जा रहे हैं। महागठबंधन की ओर से कॉम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) ने राजा राम सिंह को उतारा है और वह इस बात से खुश भी हैं कि एनडीए के वोटर इस नाम पर बंट रहे हैं। इसी खुशी में वह यह बात भी कह चुके हैं कि अपनी जीत के जश्न में वह पवन सिंह को गाने के लिए बुलाएंगे। उनके इशारे को अब महागठबंधन के घटक विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी की बातों से भी दम मिला है। सहनी ने कहा कि पवन सिंह को उतारकर भाजपा वालों ने उपेंद्र कुशवाहा को काराकाट में फंसा दिया है। भाजपा नेता सहनी की बातों को तो नकार ही रहे हैं, काराकाट में ऐसी किसी चर्चा से भी मना कर रहे हैं। उपेंद्र कुशवाहा भी कह रहे हैं कि पवन सिंह सिर्फ सोशल मीडिया के जरिए अपनी ताकत दिखाकर भरमाने की कोशिश कर रहे हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में एकता है और सभी मिलकर नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए मतदान को प्रतिबद्ध हैं। हालांकि, पवन सिंह ने नामांकन के दौरान जुटाई भीड़ के जरिए अपने इरादे साफ कर दिए हैं। केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने पवन सिंह को काराकाट से उतरने के लिए मना करते हुए यह तक कह दिया था कि यह पीएम मोदी से बगावत होगी लेकिन वह नहीं माने। पवन सिंह का भाजपा की पहली सूची से ही चर्चा में आ गया था। भाजपा ने पहली सूची में पीएम मोदी समेत जिन प्रत्याशियों का नाम रखा था, उसमें पश्चिम बंगाल की आसनसोल सीट से पवन सिंह की घोषणा की गई थी। इस सीट पर शत्रुघ्न सिन्हा तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी रहते, इसलिए पवन सिंह यहां से चुनाव लड़ने को राजी नहीं हुए। भाजपा ने पवन सिंह के लिए आरा के विकल्प को भी काट दिया।

32 सीटों पर टिका चौथा चरण, भाजपा ही नहीं छत्रपों की किस्मत का भी होगा फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली, 10 मई (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण की वोटिंग के बाद आधा सफर पूरा हो गया है और अब बारी चौथे चरण की है। चौथे चरण में 10 राज्यों की 96 लोकसभा सीटों के लिए 1717 उम्मीदवार मैदान में है, जिनकी किस्मत का फैसला मतदाता 13 मई को करेंगे। इस चरण में उन सीटों पर सियायी दलों का चुनावी इम्तिहान है, जहां कांग्रेस का एक समय दबदबा हुआ करता था। पीएम मोदी के अगुवाई में बीजेपी ने 10 साल पहले कांग्रेस को पस्त कर दिया था और इकाई के अंक तक सीमित हो गई थी। बीजेपी अपने गढ़ को बचाए रखने तो कांग्रेस उसे छीनने की कवायद में है, लेकिन चौथे फेज का असल चुनाव 32 सीटों पर टिका हुआ है। ये सीटें वो हैं, जो किसी भी दल का खेल बनाने और बिगाड़ने की ताकत रखती हैं?

2024 के चुनाव के चौथे चरण में जिन 10 राज्यों की 96 सीटों पर चुनाव है। इस चरण में तेलंगाना की 17, आंध्र प्रदेश की 25, बिहार की 5, जम्मू कश्मीर की 1, झारखंड की 4, मध्य प्रदेश की 8, महाराष्ट्र की 11, ओडिशा की 4,पश्चिम बंगाल की 8 और उत्तर प्रदेश की 13 लोकसभा सीटों पर चुनाव है। इन 96 सीटों पर 13 मई को मतदान के साथ देश के

18 राज्य और 4 केंद्र शासित प्रदेशों में लोकसभा चुनाव की वोटिंग खत्म हो जाएगी। इतना ही नहीं 379 सीटों पर भी चुनाव पूरे हो चुके होंगे। इसके बाद आगे के तीन चरणों में 163 सीट पर जोर आजमाइश होगी।

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण की जिन 96 सीटों पर 13 मई को वोटिंग हो रही है, उस पर 2019 में बीजेपी का पलड़ा भारी रहा था। 2019 के चुनाव में बीजेपी 89 सीटों पर लड़कर 42 सीटें जीतने में सफल रही थी। 2014 में 38 सीटें और 2009 में 10 सीटें ही जीतने में कामयाब रही थी। वहीं, कांग्रेस 2019 में 85 सीटों पर लड़कर महज 6 सीटें ही जीत सकी थी और 2014 के चुनाव में तीन और 2009 में 50 लोकसभा सीटें जीतने में सफल रही।

वहीं, इस चरण में क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस से बेहतर प्रदर्शन किया था। वाईएसआर कांग्रेस ने 2019 में 22 सीटें जीतने में सफल रही थी जबकि 2014 में उसे 9 सीटें मिली थी। तेलंगाना में बीआरएस 2019 (तब टीआरएस) में 9 सीटें जीती थी जबकि 2014 में 11 और 2009 में दो सीटें जीतने में कामयाब रही थी। इसके अलावा 17 सीटें अन्य दलों को मिली थी जबकि सपा, बसपा और आरजेडी जैसे दल एक भी सीट नहीं जीत सकी थी।

चौथे चरण की 96 सीट पर पिछले तीन लोकसभा चुनाव के नतीजे को देखते हैं तो एक बात साफ है कि कांग्रेस का ग्राफ तेजी से घटा है और बीजेपी का आधार बढ़ा है। 2019 में बीजेपी जिन 89 सीटों पर चुनाव लड़ी थी, उनमें से 43 सीटों पर का वोट शेयर 40 फीसदी से अधिक था जबकि कांग्रेस को 43 सीटों पर 10 फीसदी से भी कम वोट शेयर मिला था। इससे एक बात साफ साफ है कि बीजेपी के लिए इस चरण में चुनौती देना कांग्रेस के लिए आसान नहीं है, लेकिन तेलंगाना में सत्ता परिवर्तन होने के बाद सियासी हालत बदले हुए हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में चौथे चरण में की 96 लोकसभा सीटों का विश्लेषण करते हैं तो उसमें 21 सीटें वो हैं, जो हर चुनाव में स्विंग करती है।

इसके अलावा 11 सीटों पर जीत-हार का अंतर एक फीसदी से भी कम था। इस तरह से 32 लोकसभा सीटों पर असल सियासी खेल इस बार है क्योंकि इन सीटों के नतीजे किसी भी करवट बदल सकते हैं।

चौथे चरण में स्विंग होने वाली 21 सीटों में निजामाबाद, करीमनगर अमलापुरम, अनाकापल्ली, अनंतपुर बापटला, एलुरु, काकीनाडा नरसापुरम, राजमुंदरी, मुंगेर, खम्मम ख्विशाखापत्तनम, विजयनगरम खम्मम, श्रीनगर, भोंगिर मल्काजगिरी सिंहभूम, आदिलाबाद, बर्दवान-दुर्गापुर और कालाहांडी सीट है। इसके अलावा 11 सीटें वो हैं, जिन पर हार जीत का अंतर एक फीसदी से कम था। मल्काजगिरी, विजयवाड़ा जहीराबाद, श्रीकाकुल्म, भोंगिर औरंगाबाद, विशाखापटनम, बर्दमान गुंटूर, कोरापुट और खजुराहो सीट है। पिछले लोकसभा चुनाव में जिन 11 सीटों पर एक प्रतिशत से भी कम वोटों से जीत हासिल हुई थी। टीडीपी ने आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा 0।7, श्रीकाकुलम में 0।6 और गुंटूर में 0।6 फीसदी वोटों से जीत दर्ज की थी। कांग्रेस ने तेलंगाना की मल्काजगिरी में 0।7 और भोंगीर सीट पर 0।4 फीसदी के अंतर से जीतीं। अन्य करीबी मुकाबले वाली सीटें विशाखापत्तनम, गुंटूर, खूंटी, औरंगाबाद, कोरापुट जहीराबाद और बर्धमान-दुर्गापुर हैं। बीजेपी दो सीटें जीती थी और बीआरएस, 1-1 सीट जीतने में सफल रही थी।

2024 के लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में स्विंग सीटें और गढ़ आमने-सामने हैं, लेकिन इस बार का मुकाबला काफी अलग है। तेलंगाना की सत्ता पर बीआरएस के बजाय अब कांग्रेस काबिज है तो आंध्र प्रदेश में कांटे की टक्कर मानी जा रही है। ऐसे में 32 सीटों पर कुछ वोटों के इधर-उधर होने से सारा चुनावी खेल बदल सकता है।

2019 के चुनाव की तुलना में कांग्रेस पहले से ज्यादा मजबूती के साथ लड़ती हुई नजर आ रही है तो बीजेपी ने भी आंध्र प्रदेश में टीडीपी के साथ हाथ मिला रखा है। इस तरह तेलंगाना से लेकर आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश में सियासी उलटफेर देखने को मिल सकता है। बीजेपी के लिए अपनी सीटों को बचाए रखने की चुनौती है जबकि कांग्रेस के लिए अपनी सीटों को बढ़ाने की है।

अनुप्रिया के मुकाबले भाजपा छोड़कर सपा में शामिल रमेश बिंद मैदान में उतरे

संवाददाता

मिर्जापुर, 10 मई (नवसत्ता)। समाजवादी पार्टी द्वारा ऐन वक्त पर पहले से घोषित प्रत्याशी राजेंद्र एस बिंद के स्थान पर भाजपा सांसद रमेश बिंद को टिकट दिए जाने की खबरों से मिर्जापुर संसदीय सीट का मुकाबला दिनों दिन रोचक होता जा रहा है। हालांकि सोशल मीडिया पर पिछले 24 घंटे से प्रसारित खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पा रही थी किंतु शुक्रवार की देर शाम रमेश बिंद द्वारा दूरभाष के जरिए सपा के टिकट पर मिर्जापुर संसदीय सीट से चुनाव लड़ने की खबर आने से लड़ाई अत्यंत रोचक हो गई है। ज्ञातव्य है कि भदोही के भाजपा सांसद रमेश बिंद का टिकट काटकर भारतीय जनता पार्टी द्वारा मझवां विधायक निषाद पार्टी के डा. विनोद कुमार बिंद को भदोही संसदीय सीट से प्रत्याशी बनाए जाने के बाद से ही अटकलों का बाजार गर्म था। इसी मझवां सीट (मिर्जापुर) से रमेश बिंद लगातार दो बार वर्ष 2002 एवं 2007 में बहुजन समाज पार्टी से विधायक रहे तथा 2019 में अचानक बसपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए तथा भदोही लोकसभा सीट से चुने गए, किंतु भाजपा द्वारा इस बार भदोही से डॉक्टर विनोद बिंद को प्रत्याशी बनाए जाने से नाराज रमेश बिंद ने कथित तौर पर बृहस्पतिवार से ही पार्टी के सिंबल पर टिकट की चाह में लखनऊ के सपा मुख्यालय पर डेरा डाल दिया था। खबर यह है कि सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक तीर से दो निशाना साधते हुए भाजपा समर्थित अपना दल प्रत्याशी एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के मुकाबले राजेंद्र एस बिंद का हल्का पन महसूस कर रहे थे इसी दौरान रमेश बिंद की भाजपा से नाराजगी ने उनका रास्ता साफ कर दिया। अब गठबंधन प्रत्याशी के रूप में रमेश बिंद के मैदान में आने से मिर्जापुर संसदीय सीट का त्रिकोणीय हो गया है। एक तरफ जहां बसपा प्रत्याशी द्वारा लोकसभा क्षेत्र के 1 लाख 55 ब्राह्मण मतदाताओं के अलावा 2 लाख 55 हजार हरिजन तथा एक लाख 15 000 कोल 30000 सोनकर बिरादरी के मतों पर अधिकार जताया जा रहा है वही इंडी गठबंधन के रूप में सपा प्रत्याशी को 1.45 लाख बिंद मतदाता, 1.20 लाख मौर्य, 50000 यादव, 50000 पाल के अलावा मुस्लिम मतदाताओं के मत प्राप्त होने के दावे किए जा रहे हैं जबकि भाजपा समर्थित एनडीए प्रत्याशी अपना दल की अध्यक्ष एवं मौजूदा सांसद अनुप्रिया पटेल की पार्टी द्वारा संसदीय क्षेत्र के सर्वाधिक 3 लाख 5 हजार कुर्मी मतदाताओं के अलावा 1.40लाख वैश्य के अलावा 2 लाख की संख्या में मौजूद रहे।

अजय राय के नामांकन जुलूस में भारी संख्या में कांग्रेसी वाराणसी पहुंचे

संवाददाता

मिर्जापुर, 10 मई (नवसत्ता)। वाराणसी लोकसभा से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पूर्व मंत्री अजय राय के नामांकन जुलूस में 10 मई को मिर्जापुर जिले से काफी संख्या में पार्टी कारकर्ता शामिल हुए ।उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष, पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी ने कहा कि अजय राय का नामांकन ऐतिहासिक नामांकन हुआ है जो शुक्रवार को राज नारायण पार्क से होते हुए कचहरी पहुंचे जहां अजय राय ने अपना नामांकन दाखिल किया ।नामांकन जुलूस में शामिल होने पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी के अलावा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डा. शिवकुमार पटेल, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजन पाठक, जिला पंचायत सदस्य शिव शंकर चौबे, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं मीडिया प्रभारी मिन्हाज अहमद छोटे खान, सेवा दल के जिला अध्यक्ष भूपेंद्र शुक्ला, पूर्व नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष दीपचंद जैन, जिला पंचायत सदस्य कृष्ण गोपाल चौधरी, इश्तियाक अंसारी सतीश शर्मा, डा. दिनेश चौधरी, विनोद तिवारी, जगदीश्वर दुबे, जनार्दन पाठक, शाश्वत पांडे, राजेश तिवारी श्याम धर उपाध्याय, अनुज मिश्रा स्वरूप सिंह, कृष्णा जायसवाल तुलसी गुप्ता, मोनू पटेल, आशीष रावत सेराज अहमद, मोहम्मद रियाज तथा शिवराज दुबे व संजय सिंह इत्यादि पहुंचे थे।

दस साल बाद चुनावी सीन से गायब हैं वरुण गांधी

संवाददाता

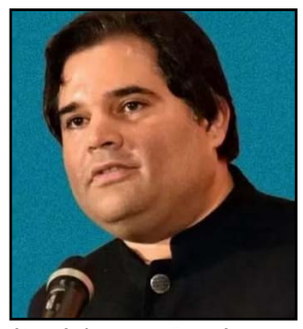

सुलतानपुर, 10 मई (नवसत्ता)। वरुण गांधी और सुल्तानपुर का रिश्ता बहुत करीबी है। पहले वे पांच साल तक संसद में सुल्तानपुर की नुमाइंदगी करते रहे और जब उनकी मां 2019 में यहां चुनाव मैदान में उतरीं तो उन्होंने प्रचार की कमान थामी। बीते दस साल तक चले इस रिश्ते के बावजूद इस बार के चुनाव में वरुण गांधी परिदृश्य से बाहर हैं। वह भी तब जबकि उनकी मां मेनका गांधी ही इस सीट से भाजपा की प्रत्याशी हैं।

यूं तो वरुण गांधी का सुल्तानपुर जिले से बचपन का नाता है। उनके पिता अविभाजित सुल्तानपुर जिले की अमेठी सीट से सांसद रहे हैं। उनकी मां मेनका गांधी भी अमेठी से एक बार चुनाव लड़ चुकी हैं। किंतु राजनीति में उतरने के बाद पहली बार वे 2014 में भाजपा के टिकट पर सुल्तानपुर सीट से चुनाव लड़ने आए थे। सुल्तानपुर ने वरुण का दिल खोलकर स्वागत किया और उन्होंने इस सीट से भारी जीत हासिल की थी। अपने पांच साल के कार्यकाल में उन्होंने युवाओं के दिल में खास जगह बना ली थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में वे अपनी मां की सीट पीलीभीत से चुनाव लड़ने चले गए और उनकी मां मेनका गांधी ने भाजपा प्रत्याशी के तौर पर सुल्तानपुर से चुनाव लड़ा। यह चुनाव बेहद कांटे का हो रहा था और सपा-बसपा गठबंधन से चुनाव लड़ रहे चंद्रभद्र सिंह सोनू के गढ़ इसौली में भाजपा बेहद कमजोर नजर आ रही थी।

ऐसे में प्रचार की कमान खुद वरुण गांधी ने संभाली थी और इसौली में खुद कई आक्रामक जनसभाएं कर माहौल बदलने का काम किया। जिसकी वजह से मेनका गांधी करीबी मुकाबले में जीत तक पहुंच गई थीं। इस बार वरुण को पीलीभीत से पार्टी ने टिकट भी नहीं दिया, इसके बावजूद वरुण गांधी ने सुल्तानपुर में प्रचार से दूरी बनाए रखी।

सांसद मेनका गांधी ने यह पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि पारिवारिक व स्वास्थ्य कारणवश वरुण प्रचार के लिए नहीं आएंगे।

प्राथमिक विद्यालय शिक्षकों के निलंबन से अभिभावकों में आक्रोश

संवाददाता

सूरापुर-सुलतानपुर, 10 मई (नवसत्ता)। कुम्हई हमजापुर उच्च प्राथमिक विद्यालय में नियुक्त इंचार्ज प्रधानाध्यापक राम केवल वर्मा व सहायक अध्यापक महेंद्र कुमार यादव को बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा निलंबित कर दिये जाने से अभिभावकों में आक्रोश व्याप्त है। आक्रोशित अभिभावकों ने उच्च प्राथमिक विद्यालय प्रांगण पहुंच निलम्बित शिक्षकों को बहाल करने की मांग करने लगे। विद्यालय प्रांगण में अभिभावकों ने कहा कि इन्हीं दो शिक्षकों की बदौलत विद्यालय में बच्चों की संख्या अच्छी रहती है फिर भी इन्हें दण्डित किया गया जो निन्दनीय है। इस अवसर पर सभी अभिभावकों ने कहा कि विद्यालय में नियुक्त अन्य शिक्षकों के कारण आए दिन विवाद बना रहता है जिससे आए दिन समस्याएं खड़ी हो जाती है व कहा कि उक्त निलम्बित शिक्षकों के अभाव में विद्यालय की दशा खराब हो जाएगी जिसके जिम्मेदार विभाग के अधिकारी होंगे। सभी ने मांग किया कि निलंबित शिक्षकों को तत्काल बहाल किया जाए जिससे क्षेत्र में नकारात्मक संदेश न जाय। विद्यालय में पहुंचे अभिभावकों के घेरेबंदी के चलते सूचना पर खन्ड शिक्षा अधिकारी भी पहुंची व एबीएसए कादीपुर के आश्वासन के बाद ही आक्रोशित अभिभावक शांत हुए।

मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का निर्णय ले चुकी है जनता : शर्मा

एजेंसी

नीमच/इंदौर, 10 मई (नवसत्ता)। मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने आज कहा कि देश और प्रदेश की जनता श्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का निर्णय ले चुकी है। श्री शर्मा ने नीमच जिले के जावद में रोड शो के बाद जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उत्तर से लेकर दक्षिण, पूर्व से लेकर पश्चिम तक देश की जनता श्री मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का निर्णय कर चुकी है। देश की जनता श्री मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए ही वोट कर रही है। आप लोगों ने कांग्रेस की सरकारें भी देखी हैं। मध्यप्रदेश में 2003 से पहले कांग्रेस की सरकार थी, तब लोगों को सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसना पड़ता था। कांग्रेस सरकार ने लोगों को पीने के पानी के लिए तरसाया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 2014 में श्री मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद जल जीवन मिशन के तहत हर घर में नल से पीने का पानी पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद 55 से 60 साल तक देश में शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी ने गरीबी हटाने के लिए कोई कार्य नहीं किया। कांग्रेस सरकार ने सिर्फ गरीबी हटाने का नारा देकर वोट लेने का कार्य किया। लेकिन श्री मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद गरीबों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। श्री शर्मा ने मतदाताओं से कहा कि आप भाजपा के मंदसौर लोकसभा क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी सुधीर गुप्ता को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाकर दिल्ली भेजें, भाजपा सरकार क्षेत्र में विकास की गंगा बहायेगी। प्रधानमंत्री ने जब जनधन योजना के तहत देश के गरीबों के बैंक खाते खुलवाए, कांग्रेस सहित विपक्षी दल सवाल उठाते थे, हंसते थे कि गरीबों के बैंक खाते किसलिए खुलवा रहे। आज उन्हीं बैंक खातों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, लाड़ली बहना योजना सहित भाजपा की केन्द्र और राज्य सरकार की गरीब कल्याण और लाभार्थी योजनाओं की राशि सीधे बैंक खाते में आ रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता कहते हैं कि भारत में विरासत टैक्स लगाना चाहिए। विरासत टैक्स अमेरिका व यूरोपीय देशों में लगता है। इस टैक्स में किसी व्यक्ति की मौत होने के बाद उसकी संपत्ति का 55 प्रतिशत हिस्सा सरकार के पास चला जाता है। यानी कांग्रेस देश के लोगों की खून-पसीने की कमाई से बनाई गई संपत्ति भी छीनना चाहती है। अगर धोखे से कांग्रेस की सरकार कभी बनी तो विरासत टैक्स लगाकर वह बच्चों से उनके माता-पिता द्वारा दिन-रात मेहनत कर बनाई गई संपत्ति भी छीन लेना चाहती है। इससे पहले श्री शर्मा परशुराम जयंती के मौके पर इंदौर जिले में स्थित भगवान परशुराम की जन्मस्थली जानापाव पहुंचकर श्री परशुराम की पूजा-अर्चना की।

महाराणा प्रताप की जयंती पर 17 लोगों ने किया रक्तदान

संवाददाता

सुलतानपुर, 10 मई (नवसत्ता)। महाराणा प्रताप की जयंती पर जिले में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में आयोजित रक्तदान शिविर में अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद सिंह राजा एडवोकेट, संजय सिंह, सभासद दीप सिंह, प्रशांत सिंह, अभिषेक सिंह चौहान, मुकेश यादव, प्रणीत सिंह अंबरीश सिंह, अवनीश सिंह, अंकित सिंह, सतीश यादव, शिवा सिंह, अंश सिंह, भारती सिंह, अनिल सिंह, विक्रम सिंह समेत 17 लोगों ने रक्तदान किया।

इसके बाद एमजीएस इंटर कॉलेज परिसर में स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। क्षत्रिय भवन सभागार में आयोजित गोष्ठी में महाराणा प्रताप के जीवन पर चर्चा की गई। इस दौरान साहित्यकार मथुरा प्रसाद जटायु समेत कई लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सांसद मेनका गांधी, एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद पांडेय, अरविंद सिंह राजा, मदन सिंह, कपाली महराज कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा, चंदन नारायण सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल आदि शामिल हुए। उधर, ब्राह्मण समाज की ओर से शहर से सटे लोहरामऊ धर्मदासपुर गांव में शुक्रवार को भगवान परशुराम की जयंती मनाई जाएगी। कई अन्य संगठनों की ओर से भी भगवान परशुराम की जयंती मनाई जाएगी।

कारोबार

एअर इंडिया एक्सप्रेस की 75 उड़ानें फिर कैंसिल, कब सुधरेंगे हालात?

एजेंसी

नई दिल्ली, 10 मई (नवसत्ता)। 'सिक लीव' से कर्मचारियों के लौटने के बावजूद टाटा ग्रुप की एअर इंडिया एक्सप्रेस के हालात ठीक होते नजर नहीं आ रहे हैं। शुक्रवार को भी कंपनी ने अपनी 75 उड़ानों को रद्द कर दिया। कंपनी ने केबिन क्रू की संख्या में कमी के चलते इन उड़ानों को कैंसिल किया है। इससे कंपनी को कई करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

कुछ दिन पहले एअर इंडिया एक्सप्रेस के कई कर्मचारी अचानक से 'सिक लीव' पर चले गए थे, जिसके बाद कंपनी को अपनी 78 उड़ानों को रद्द करना पड़ा था। इतना ही नहीं कंपनी ने सिक लीव पर गए कर्मचारियों को सस्पेंड भी कर दिया था। इस पूरे मामले का पटाक्षेप गुरुवार देर रात तब हो गया जब कर्मचारियों ने अपनी हड़ताल खत्म कर दी और कंपनी ने उनका सस्पेंशन खत्म कर दिया, लेकिन शुक्रवार को कंपनी को फिर 75 फ्लाइट्स रद्द करनी पड़ीं।

उड़ानों को रद्द करने से एअर इंडिया एक्सप्रेस को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। कंपनी का कहना है कि कैंसिलेशन के एवज में कंपनी को यात्रियों को रिफंड और हर्जाना अदा करना पड़ा है। इससे उसे करीब 30 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। भारत में डीजीसीए के नियमानुसार अगर एयरलाइंस की ओर से फ्लाइट कैंसिलेशन होता है, तो उसे यात्रियों को रिफंड और उचित मुआवजा देना होता है। केबिन क्रू की कमी के चलते मंगलवार से कंपनी की फ्लाइट्स लगातार रद्द हो रही हैं। गुरुवार देर रात तक एअर इंडिया एक्सप्रेस की कुल 260 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हो चुकी थीं। इसमें अब शुक्रवार को कैंसिल हुई 75 और फ्लाइट्स जुड़ गई हैं। एअर इंडिया एक्सप्रेस की शनिवार को भी 40 से 50 उड़ानें कैंसिल होने का अनुमान है। गुरुवार को कंपनी की 85 फ्लाइट्स रद्द हुई थीं, जो उसकी डेली कैपेसिटी का करीब 23 प्रतिशत है।

टाटा ग्रुप की ये कंपनी हर दिन देशभर में करीब 380 फ्लाइट्स का संचालन करती है। इसमें कंपनी की छोटे रूट की कुछ इंटरनेशनल उड़ान भी शामिल हैं, जिनकी रोजाना औसत संख्या 120 के आसपास रहती है। एअर इंडिया एक्सप्रेस के अधिकारियों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि हड़ताल पर गए कर्मचारी वापस लौट रहे हैं। उन सभी का मेडिकल चेकअप किया जा रहा है। साथ ही फिटनेस सर्टिफिकेट भी उन्हें दिए जा रहे हैं। इसके बाद उनके जल्द ड्यूटी पर लौटने की उम्मीद है। कंपनी ने उम्मीद जताई है कि संडे तक उसकी सभी उड़ानें सामान्य हो जाएंगी। कंपनी के बेड़े में 73 हवाई जहाज हैं।

टाटा मोटर्स का चौथी तिमाही में मुनाफा 219प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, 10 मई (नवसत्ता)। ऑटोमोबाईल कंपनी टाटा मोटर्स का 2024 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में मुनाफा सालाना आधार पर 218.93प्रतिशत बढ़कर 17,528.59 करोड़ रुपए रहा है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी ने 5,496.04 करोड़ रुपए का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 के लिए 6 रुपए के फाइनल डिविडेंड यानी लाभांश का भी ऐलान किया है। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे डिविडेंड कहते हैं। रिजल्ट के बाद कंपनी का शेयर 1.62प्रतिशत बढ़कर 1,047 रुपए तक पहुंच गया है।

टाटा मोटर्स का पूरे साल (2023-2024) का रेवेन्यू बढ़कर 4.37 लाख करोड़ पहुंच गया है। ये कंपनी का किसी भी साल में सबसे ज्यादा रेवेन्यू का रिकॉर्ड है। वित्त वर्ष 2022-2023 में रेवेन्यू 3.45 लाख करोड़ रुपए रहा था। यानी रेवेन्यू में 26.58प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी ने कॉन्सोलिडेटेड रेवेन्यू यानी आय में सालाना आधार पर 13.3प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। 24 की चौथी तिमाही में रेवेन्यू रू1.20 लाख करोड़ रहा।

म्यूचुअल फंड एसआईपी ने 20,000 करोड़ का आंकड़ा पार किया

एजेंसी

नई दिल्ली, 10 मई (नवसत्ता)। अप्रैल 2024 में म्युचुअल फंड्स में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए मंथली निवेश का आकड़ा रू20,000 करोड़ के पार निकल गया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया की ओर से जारी आकड़ों के मुताबिक, अप्रैल महीने एसआईपी के जरिए म्युचुअल फंड्स में रू20,371.47 करोड़ निवेश किए गए हैं।

पिछले साल इसी महीने में एसआईपी के जरिए रू13,728 करोड़ इन्वेस्ट किए गए थे, जो सालाना आधार पर 48.39प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, इससे पहले मार्च महीने में यह आंकड़ा रू19,270.96 करोड़ था, जो मंथली बेसिस पर 5.71प्रतिशत बढ़ा है।

सितंबर 2022 में म्यूचुअल फंड निवेश में एसआईपी का कंट्रीब्यूशन रू10,000 करोड़ था, जो करीब डेढ़ साल में दोगुना हो गया है। एसआईपी निवेश में इस उछाल से अप्रैल 2024 में म्यूचुअल फंड का टोटल एसेट अंडर मैनेजमेंट रू57.26 लाख करोड़ रहा, जो मार्च 2024 में रू53.40 लाख करोड़ था। आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल में ओपन एंडेड इक्विटी फंड नेट इनफ्लो में करीब 16प्रतिशत की गिरावट रही, इस महीने 18,917 करोड़ रुपए का निवेश आया। जबकि एक महीने पहले मार्च 2024 में ओपन एंडेड इक्विटी फंड में 22,633 करोड़ रुपए निवेश किए गए थे।

इसके अलावा लार्ज कैप फंड्स में रू357.56 करोड़, मल्टीकैप फंड्स में रू2,723.87 करोड़, लार्ज एंड मिडकैप में रू2,638.91 करोड़, स्मॉल कैप फंड्स में रू2,208.70 करोड़, फ्लेक्सी कैप फंड्स में रू2,172.93 करोड़, कॉन्ट्रा फंड्स में रू1,986.73 करोड़, मिडकैप में रू1,793.07 करोड़ और डिविडेंड यील्ड फंड्स में रू341.35 करोड़ का इनफ्लो रहा।

फाइबर और एयरफाइबर उपभोक्ता उठा सकेंगे फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली, 10 मई (नवसत्ता)। स्ट्रीमिंग के शौकीनों के लिए रिलायंस जियो एक नया पोस्टपेड ओटीटी बंडल प्लान लेकर आया है। इस प्लान के साथ उपभोक्ता को 15 प्रीमियम ओटीटी ऐप तो मिलते ही हैं साथ ही मिलता है अनलिमिटेड डेटा ताकी वे जब चाहें और जितनी देर तक चाहें अपने मनपसंदीदा ऐप पर कार्यक्रम देख सकें। प्लान 888 रू प्रति माह की किफायती कीमत पर मिलता है और यह जियोफाइबर और जियो एयरफाइबर दोनों ही के ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। नए प्लान में ग्राहकों को 30 एमबीपीएस की स्पीड मिलेगी। इसके अलावा, नेटफ्लिक्स का बेसिक प्लान, अमेज़न प्राइम और जियोसिनेमा प्रीमियम जैसे 15 से अधिक प्रमुख ओटीटी ऐप्स को प्लान के साथ बंडल किया गया है। यानी इन ऐप्स का सब्सक्रिप्शन प्लान के साथ ही मिलेगा। इस प्लान की एक और खास बात है, चाहे कोई नया सब्सक्राइबर हो या 10 एमबीपीएस या 30 एमबीपीएस प्लान का उपयोग करने वाला मौजूदा यूजर, रू 888 का पोस्टपेड प्लान हर किसी के लिए है। प्रीपेड प्लान वाले और सभी मौजूदा यूजर आसानी से नए पोस्टपेड प्लान पर अपग्रेड कर सकते हैं। इसके अलावा, हाल ही में घोषित जियो आईपीएल धन धना धन ऑफर भी इस प्लान पर लागू होगा। जियोफाइबर हो या एयरफाइबर के पात्र ग्राहक अपने जियो होम ब्रॉडबैंड कनेक्शन पर 50-दिन का डिस्काउंट क्रेडिट वाउचर प्राप्त कर सकते हैं। 31 मई 2024 तक उपलब्ध जियो डीडीडी ऑफर विशेष रूप से टी20 सीजन के लिए तैयार किया गया है।

तेल कंपनियों ने कम की 15,700 नौकरियां

एजेंसी

नई दिल्ली, 10 मई (नवसत्ता)। भले ही देश की सरकारी तेल और गैस कंपनियों ने अपने रेवेन्यू को 6 साल में डबल कर लिया हो, लेकिन अपने वर्कफोर्स यानी जॉब में 14 फीसदी यानी 15,700 की कटौती कर दी है। पेट्रोलियम मिनिस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार सरकारी तेल और गैस कंपनियों में कर्मचारियों की संख्या छह साल पहले 1,10,000 थी, जोकि मौजूदा समय में घटकर 2022-23 के अंत में 94,300 हो गई। प्रोडक्शन, मार्केटिंग और आरएंडडी सेक्टर में बीते सालों में 20-24 फीसदी नौकरियां कम हो गई, जबकि रिफाइनरीज में केवल 3 फीसदी की कटौती हुई। पाइपलाइन बिजनेस में रोजगार 7 फीसदी बढ़ा। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर मौजूदा समय में किस तरह के आंकड़ें देखने को मिल रहे हैं।

जहां एग्जीक्यूटिव या मैनेजिरियल जॉब्स में 6 फीसदी की गिरावट आई, वहीं सुपरवाइजर, क्लर्कों और कामगारों सहित नॉन-मैनेजिरियल जॉब्स में 25 फीसदी की गिरावट आई। एक्सपोलेरेशन और प्रोडक्शन सेक्टर में मैनेजिरियल जॉब्स में 27 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। रिफाइनरीज में मैनेजिरियल जॉब्स में 15 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। आरएंडडी सेक्शन में मैनेजिरियल जॉब्स 16 फीसदी कम हुई है। सरकारी ऑयल कंपनियों में कुल रोजगार में मैनेजिरियल जॉब्स की हिस्सेदारी 5415प्रतिशत से 5 फीसदी बढ़कर 60 फीसदी हो गई। रिफाइनिंग (8 फीसदी), आर एंड डी (3 फीसदी) और मार्केटिंग (16 फीसदी) सेक्टर में मैनेजिरियल जॉब्स की हिस्सेदारी में इजाफा हुआ है। प्रोडक्शन क्षेत्र में इस पोस्ट की जॉब में 5 फीसदी की गिरावट आई है। सरकारी तेल कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022-23 तक छह वित्तीय वर्षों में 6,80,000 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के अनुसार तेल सेक्टर में निवेश से उस हिसाब से जॉब क्रिएट नहीं होते हैं। उनका मानना है कि कंपनी को स्किल वाले लोगों की जरुरत है। इसलिए वे कई जॉब्स में लोगों को आउटसोर्स करते हैं। मार्च 2023 में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन में 28,000 कर्मचारी 24,000 वर्कफोर्स ओएनजीसी में रहे। कुल जॉब्स में अधिकारियों या प्रबंधकों की हिस्सेदारी इंडियन ऑयल में 58 फीसदी और ओएनजीसी में 60 फीसदी थी।

अगर बात देश की तीनों ऑयल कंपनियों के प्रॉफिट की बात करें तो 82 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा बैठ रहा है। जोकि एक रिकॉर्ड है। ये हालत तब है, जब तीनों कंपनियों का प्रॉफिट चौथी तिमाही में 50 फीसदी तक कम हुआ है। उससे पहले तीन तिमाहियों में कंपनियों का प्रॉफिट 69 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का देखने को मिला था। जिसके बाद अनुमान लगाया जा रहा था कि कंपनियों का पूरे वित्त वर्ष में प्रॉफिट 90 हजार करोड़ रुपए के पार जा सकता है, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। गुरुवार को कंपनियों के शेयरों में 3 से 5 फीसदी तक की गिरावट देखने को मिली थी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक सरिता श्रीवास्तव द्वारा प्रभाष प्रिन्टर्स, गणेश नगर, रामजी पुरम निकट मदर टेरेसा स्कूल पो0 मलिकमऊ आयमा रायबरेली से मुद्रित कराकर 31 बस्तेपुर रामजी पुरम रायबरेली ,उप्र से प्रकाशित
सम्पादक- धीरज श्रीवास्तव - फोन नं-0535-2700090, मो0 नं0- 9415020008 आर0 एन0आई0 नं0 यूपीएचआईएन/2012/46348 'सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रायबरेली न्यायालय होगा। navsatta@gmail.com

महाराजपुर में परिसीमन संग बदला भाजपा का भाग्य

संवाददाता

कानपुर, 10 मई (नवसत्ता)। प्रदेश के औद्योगिक विकास की बात हो या धर्म और आस्था की, अकबरपुर लोकसभा की महाराजपुर विधानसभा दोनों ही क्षेत्रों में नई इबारत लिख रही है। यहां बसे रूमा औद्योगिक क्षेत्र की फैक्टरियों की चिमनियों से निकलने वाला धुआं यहां के विकास की कहानी कह रहा है। यहां बसे बौद्ध धर्म की आस्था के केंद्र विपश्यना और हिंदुओं की भक्ति का गढ़ श्री बालाजी मंदिर सलेमपुर की शक्तियां भक्तों के मन को सुकून देती है। राजनैतिक परिदृश्य से देखा जाए, तो वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इलाके का परिसीमन क्या बदला भाजपा का भाग्य ही बदल गया।

कभी जीत को तरस रही भाजपा ने इसे भगवा का गढ़ बना दिया। इसी गढ़ की बदौलत भाजपा उम्मीदवार जीत की हैट्रिक लगाने का सपना संजो रहे हैं। जब इस क्षेत्र के मतदाताओं की थाह लेने की कोशिश की तो पता चला कि यहां के मतदाताओं के मन में कई किंतु-परंतु जुड़े हैं। शहरी क्षेत्र की तस्वीर तो कुछ साफ दिखी लेकिन ग्रामीण मतदाताओं के मन और जुबान में फर्क साफ नजर आया। वह कई मुद्दों पर सरकार की तारीफ भी करते हैं लेकिन वोट देने की बात पर कुछ टाल मटोल करते नजर आते हैं। 2007 तक भाजपा जीती नहीं, परिसीमन के बाद से पा रही आधे से ज्यादा वोट वर्ष 2012 परिसीमन से पहले इस विधानसभा क्षेत्र का अधिकतर इलाका सरसौल विधानसभा में आता था। तब भाजपा 1991 से लेकर 2007 तक के चुनावों में कभी जीत न सकी। परिसीमन बदलने के बाद इस सीट के सियासी समीकरण ऐसे बदले कि 2012 से अबतक हुए तीन विधानसभा चुनाव में भाजपा के कद्दावर नेता सतीश महाना बड़े मार्जिन से ही जीते।

भाजपा ने वर्ष 2012 के पहले चुनाव में करीब 38 फीसदी वोट हासिल किए। इस चुनाव में बसपा को 24.34 फीसदी वोट मिले थे जबकि सपा को 23 फीसदी मत हासिल हुए। कांग्रेस को महज आठ फीसदी वोट से संतोष करना पड़ा था। 2017 के चुनाव में जहां सपा और बसपा को करीब सात फीसदी से ज्यादा वोटों का नुकसान उठाना पड़ा। वहीं भाजपा को करीब 18 फीसदी का फायदा हुआ और महाना 55 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल इस सीट से दूसरी बार विधायक बने। 2022 में हुए चुनाव में यहां की जनता से महाना को 61 फीसदी वोट देकर जिता दिया। विधानसभा की ही तरह लोकसभा चुनाव में भाजपा के कमल ने जबकर वोट बटोरे। 2014 में जहां भाजपा प्रत्याशी देवेन्द्र सिंह भोले ने यहां से अजेय बढ़त बनाई थी। इस बार भी सतीश महाना जिस तरह खुलकर उनका साथ दे रहे हैं, वह उनके लिए कम से कम राहत की बात है।

प्रमुख मुख्य कार्मिक ने बैठक के सफल संचालन हेतु सदस्यों को दी बधाई

संवाददाता

गोरखपुर, 10 मई (नवसत्ता)। एन.ई. रेलवे मजदूर यूनियन (नरमू) के साथ स्थाई वार्ता तंत्र (पी.एन.एम.) की दो दिवसीय 13वीं बैठक के अंतिम दिन 10 मई, 2024 को महाप्रबन्धक सभाकक्ष, गोरखपुर में बैठक में प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी अजय कुमार श्रीवास्तव प्रमुख विभागाध्यक्ष, मुख्य कार्मिक अधिकारी/प्रशासन अवधेश कुमार वरिष्ठ रेल अधिकारी, नरमू के अध्यक्ष बसंत लाल चतुर्वेदी, महामंत्री के.एल. गुप्त सहित मुख्यालय एवं तीनों मंडलों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी अजय कुमार श्रीवास्तव ने बैठक के सफल संचालन हेतु सभी विभागाध्यक्षों एवं एन.ई. रेलवे मजदूर यूनियन के अध्यक्ष, महामंत्री, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह बैठक सार्थक हुई है। बैठक में रखे गये सभी मदों को पारदर्शिता के साथ निस्तारित किया गया। उन्होंने कहा कि चर्चा किये गये सभी बिन्दुओं पर सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। श्रीवास्तव ने कहा कि इंजीनियरिंग यांत्रिक, परिचालन, लेखा, भंडार विद्युत, वाणिज्य, सिगनल एवं दूर संचार, चिकित्सा एवं कार्मिक विभाग से उठाये गये सभी मदों एवं परिवादों का निस्तारण हमारे विभागाध्यक्षों द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि हम सभी को कर्मचारियों कल्याण के लिये कार्य करना चाहिये, जिससे सभी को लाभ हो सके। इस रेलवे की प्रगति में यूनियन की भागीदारी सराहनीय रही है।

इस बैठक में इंजीनियरिंग, यांत्रिक परिचालन, लेखा, भंडार, विद्युत वाणिज्य, सिगनल एवं दूर संचार चिकित्सा एवं कार्मिक विभाग के प्रमुख विभागाध्यक्षों द्वारा सम्बन्धित मदों एवं कर्मचारियों की समस्याओं के कार्यवृत्त की चर्चा हुई। विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों ने रेल कर्मचारियों की मेहनत एवं लगन से विभाग की अर्जित उपलब्धियों से नरमू के पदाधिकारियों को अवगत कराया। प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी अजय कुमार श्रीवास्तव ने रेलवे बोर्ड एवं महाप्रबन्धक स्तर के सभी आदेशों को लागू करने का आश्वासन दिया।

पेटा ने आगरा किले से इस अंदाज में दिया संदेश, देखकर पर्यटक भी रह गए हैरान

संवाददाता

आगरा, 10 मई (नवसत्ता)। आगरा किला के सामने आज दोपहर मातृ दिवस पर पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स इंडिया की समर्थक ने दुनिया को अनोखे अंदाज में संदेश दिया। पेटा समर्थक ने बेबी डॉल (खिलौने वाली गुड़िया) के हाथ, पैर और सिर से सजा कोट पहनकर और हाथ में हर कोई किसी का बच्चा है लिखी तख्ती को लेकर देशी और विदेशी पर्यटकों को जागरूक किया। पेटा ने देश और दुनिया को चमड़ा-मुक्त जीवनशैली अपनाएं का संदेश दिया है। उन्होंने देशी और विदेशी पर्यटकों से कहा कि हमारे अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनता को पशुओं के चमड़े से बने कोट, जूते बैग और अन्य वस्तुओं के निर्माण के दौरान निर्दोष पशुओं को दी जाने वाली गहन पीड़ा के संबंध में जागरूक करना है। बता दें कि, पेटा ने आगरा किला के सामने विशेष कैंपेनिंग की। पेटा इंडिया के कैंपेन कोऑर्डिनेटर उत्कर्ष गर्ग ने कहा कि जो लेदर कोट बैग्स गाय, भैंस या अन्य संवेदनशील पशुओं की त्वचा से बने हैं। लोगों को ये नहीं करना चाहिए, क्योंकि, लेदर प्रोडेक्ट के लिए निर्दोष प्राणियों को प्रताड़ित करके मौत के घाट उतारा जाता है। पेटा इंडिया हर किसी को देश में केवल वीगन चमड़े या अन्य प्राकृतिक या सिंथेटिक पशु-मुक्त सामग्री से बने उत्पादों को चुनने और अपनी अलमारी से पशुओं से प्राप्त सभी वस्तुओं को हटाने के पीलिए प्रोत्साहित करता है। पेटा इंडिया की समर्थक प्रियंका भोज ने बताया कि चमड़ा उद्योग मनुष्यों के साथ-साथ अन्य पशुओं और इस ग्रह के लिए भी घातक है। भारत में गाय, भैंस और चमड़े के लिए इस्तेमाल होने वाले पशुओं को इतनी बड़ी संख्या में गाड़ियों में ठूंस-ठूंसकर भरा जाता है जिनकी रास्ते में ही हड्डियां टूट जाती हैं, जो असहनीय दर्द सहती हैं। इसके साथ ही बूचड़खाने में इन पशुओं को जिंदा ही काटा जाता है। खुलेआम टुकड़े-टुकड़े करके उनकी खाल उतारी जाती है। इसके बाद चमड़े के कारखानों (टेनरियों) से निकलने वाला जहरीला पानी नदियों और नालों को प्रदूषित करता है। जो पशुओं एवं मनुष्यों को नुकसान पहुंचता है, जिससे कैंसर, श्वसन संक्रमण सहित कई गंभीर बीमारियां हो जाती हैं।

महाविद्यालय में मेहंदी व निबंध प्रतियोगिता हुई आयोजित

संवाददाता

कादीपुर-सुलतानपुर, 10 मई (नवसत्ता)। स्थानीय संत तुलसीदास पी.जी. कॉलेज परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं गृह विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित मतदान विशेष के संदर्भ में मेहंदी और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। उक्त प्रतियोगिता में कुल 12 टीमों ने भाग लिया जिसमें मेहंदी प्रतियोगिता में अंजली गुप्ता बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर को प्रथम, उजाला बी.ए. चतुर सेमेस्टर को द्वितीय व आंचल गुप्ता बी. ए. चतुर्थ सेमेस्टर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। मेहंदी प्रतियोगिता का निरीक्षण महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. रामनयन सिंह ने किया जहां प्रो. जितेंद्र कुमार तिवारी, डा. हरेंद्र कुमार सिंह, डा. सतीश कुमार सिंह, डा. वंदना मिश्रा डा. अंजू पांडेय, डा. जीनत रफीक डा. कुमुद राय और डा. अंजु मिश्रा ने किया। इस अवसर पर डॉ.रविंद्र कुमार मिश्रा, डा. संजय सिंह, डा. करूणेश प्रकाश भट्ट, डा.राम धीरज यादव अवनीश प्रताप पांडेय, उमाशंकर गुप्ता डा. समीर पांडेय, कीर्ति कुमार पांडेय अखिलेश कुमार यादव, जायसवाल, डा. राजकुमार सिंह आदि शिक्षक/शिक्षिकाओं सहित साक्षी तिवारी, मुस्कान बानो, रिया, सोनी आदि अनेक छात्राओं की उपस्थिति रही।

घटनाओं के परिणाम स्वरूप भारी धनराशि के भुगतान

संवाददाता

गोरखपुर, 10 मई (नवसत्ता)। महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे सौम्या माथुर के दिशा-निर्देश एवं प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक मनोज कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में पूर्वोत्तर रेलवे में अनपेक्षित घटनाओं के परिणाम स्वरूप क्षतिपूर्ति के रूप में भारी धनराशि के भुगतान एवं फर्जी केसों की उत्पत्ति के रोकथाम के उद्देश्य से प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक कार्यालय के प्रगति कक्ष में 09, 10 एवं 13 मई,2024 को तीनों मंडलों (लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर) के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबन्धक एवं सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, यातायात निरीक्षकों एवं वाणिज्य निरीक्षकों को प्रशिक्षित करने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

प्रशिक्षित मंडल वाणिज्य प्रबन्धक/सहायक मंडल वाणिज्य प्रबन्धक, यातायात निरीक्षक एवं वाणिज्य निरीक्षक मंडलों के अन्य कर्मचारियों को भी प्रशिक्षित करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान फर्जी केसों की उत्पत्ति एवं प्रतिपूर्ति की रोकथाम अनपेक्षित घटनाओं से सम्बन्धित रजिस्टर एवं प्रपत्रों का रख-रखाव रेल अधिनियम 1989 की धारा 123-सी के तहत अनपेक्षित घटना की परिभाषा, लोको पायलट, टेऊन कन्डक्टर एवं चल टिकट निरीक्षकों की ड्यूटी तथा उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए के सम्बन्ध में विस्तार से 09 एवं 10 मई, 2024 को बताया गया तथा 13 मई, 2024 को भी मंडल वाणिज्य प्रबन्धक/सहायक मंडल वाणिज्य प्रबन्धक, यातायात निरीक्षकों एवं वाणिज्य निरीक्षकों को प्रशिक्षण दिया जायेगा।

दुधवा में बाघिन संग घूम रहा शावक ट्रेन की चपेट में आया

संवाददाता

लखीमपुर खीरी, 10 मई (नवसत्ता)। दुधवा टाइगर रिजर्व बफरजोन में बांकेगंज-मैलानी रेल खंड के बीच शुक्रवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से बाघ का शावक गंभीर रूप से घायल हो गया। शावक को रेस्क्यू करने के लिए वन विभाग की टीम जुटी है। घटनास्थल के आसपास बाघिन के मौजूद होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत आ रही थी। इसलिए पिंजरा मंगवाया गया।

मैलानी रेंज के जंगल से गुजरी रेलवे लाइन पर बांकेगंज-मैलानी खंड के बीच किलोमीटर 187 हेक्टोमीटर 3 /4 के पास शुक्रवार सुबह एक शावक किसी ट्रेन की चपेट में आ गया। शावक छह माह का है। ट्रेन की टक्कर लगने से शावक ट्रैक के किनारे झाड़ियों में जा गिरा। जंगल में गश्त कर रही वन कर्मियों की टीम ने घायल बाघ शावक को देखकर इसकी सूचना उच्चाधिकारियों को दी।

जिस पर दुधवा टाइगर रिजर्व बफरजोन डीएफओ सौरीष सहाय पशु चिकित्सकों और वन कर्मियों की टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बाघ शावक को रेस्क्यू करने का प्रयास शुरू कर दिया। ताकि उसका इलाज कराया जा सके। इस बीच झाड़ियों के पास घायल पड़ा बाघ शावक रूक-रूक कर गुर्राता रहा। बताते हैं कि घटनास्थल के आसपास ही बाघिन मौजूद है।

बांकेगंज-मैलानी रेल खंड पर एक साल पहले ट्रेन की चपेट में आने से तीन चीतल और एक भालू की मौत हो चुकी है। 13 जनवरी 2023 को महुरेना बीट जंगल से गुजरे रेल ट्रैक पर बांकेगंज छोटी नहर पुल के आगे पिलर संख्या 182/10 के पास हादसा हुआ था। गेहूं के खेत में चर रहे तीन चीतल मैलानी से लखनऊ जा रही पैसेंजर ट्रेन की आवाज सुनकर रेलवे ट्रैक क्रास करने लगे। इस बीच ट्रेन की चपेट में आकर तीनों की मौत हो गई। इसमें दो नर और एक गर्भवती मादा चीतल थी।

इसी रेल खंड पर 27 जून 2023 को रात 11 बजे करीब पिलर संख्या 185/7 व 185/8 के मध्य एक भालू रेल ट्रैक पार कर रहा था। डालीगंज-मैलानी पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आकर नर भालू की मौत हो गई।

संकट की घड़ी में प्रधानमंत्री को अडानी अम्बानी याद आये: राहुल

संवाददाता

कन्नौज, 10 मई (नवसत्ता)। कन्नौज में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और सपा प्रमुख व कन्नौज लोकसभा सीट से प्रत्याशी अखिलेश यादव ने कन्नौज में जनसभा की। इस दौरान उन्होंने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि 10 साल नरेंद्र मोदी ने अडानी-अंबानी का नाम नहीं लिया लेकिन अब उन्होंने अपने दो मित्रों का नाम ले लिया। उन्हें ये भी मालूम है कि अडानी कौन से टैंपो में और कैसे पैसा भेजते हैं, लगता है टैंपो वाला अनुभव प्रधानमंत्री का निजी अनुभव है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कन्नौज में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, इंडिया गठबंधन और अखिलेश यादव की यहां जीत होगी। मैं आपको लिखकर देता हूं कि उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन का तूफान आने वाला है। आप लिखकर ले लें कि भाजपा की सबसे बड़ी हार उत्तर प्रदेश में होने वाली है, क्योंकि देश को राह उत्तर प्रदेश दिखाता है, जनता ने अब परिवर्तन का मन बना लिया है। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने निशाना साधते हुए कहा कि कन्नौज में जितने भी बड़े काम हुए हैं वह समाजवादियों की देन है, अगर कोई हाईवे पर चलता होगा तो उसे पता चलता होगा कि यह समाजवादियों का हाईवे है, लेकिन हमने हाईवे को कभी धुलवाया नहीं है, मुझे पूरा विश्वास है कि कन्नौज की जनता ऐसे लोगों को जवाब देगी जो हमारे और आपके बीच दीवार बनकर खड़े हैं। अब तो बीजेपी की हार होने में चार कदम चार चरण बाकी हैं और ये चौथे चरण का चुनाव बिल्कुल बीच का चुनाव है अभी तक वो बहुत नीचे जा चुके हैं। सभा को आम आदमी पार्टी के फायर ब्रांड नेता संजय सिंह, कांग्रेस के प्रमोद तिवारी ने भी सम्बोधित किया।